राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 श्रमिकों को मिलेगी कम से कम 20 हजार मजदूरी? ....

मोदी और ममता बनर्जी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं: ओवैसी 12

वर्ष : 16 | अंक : 340 | नई दिल्ली, बुधवार, 15 अप्रैल, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 22.0°C

न्यूनतम तापमान 20.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	45%
नहीं	45%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,52,099
चांदी	2,92,200
सेंसेक्स	84,233
निफ्टी	25,953

संक्षिप्त खबरें

पश्चिम बंगाल के कालियागंज में अमित शाह ने रोड शो किया

कालियागंज (पश्चिम बंगाल)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव चुनाव के लिए उत्तर दिनाजपुर जिले के कालियागंज में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों के समर्थन में रोड शो किया। कालियागंज से भाजपा उम्मीदवार उत्पल महाराज और राज्य के अन्य नेताओं के साथ शाह ने फूलों से सजे ट्रक के ऊपर से लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया और सड़क पर खड़े हजारों पार्टी समर्थक ह्यढाकह्न (पारंपरिक ढोल) की थाप के बीच नारे लगा रहे थे। चिलचिलाती धूप के बीच रोड शो भाजपा के गढ़ शहर के पार्वती सुंदरी हाई स्कूल मैदान से शुरू हुआ और एक किमी से अधिक की दूरी तय की। रोड शो के मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थे। लोग शाह की एक झलक पाने के लिए संकरी सड़कों के दोनों ओर और आसपास की इमारतों के ऊपर मौजूद थे और ट्रक पर पंखुड़ियों की वर्षा की। शाह दिन में बाद में दक्षिण दिनाजपुर के गंगारामपुर और मालदा के माणिकचक और गाजोल में तीन सभाओं को संबोधित करेंगे। पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में मतदान होगा। मतों की गिनती चार मई को होगी।

महिला आरक्षण बिल को लेकर किसी विवाद की गुंजाइश नहीं: किरन रिजिजू

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने महिला आरक्षण बिल को लेकर साफ कहा कि यह मामला किसी भी तरह से राजनीति का मुद्दा नहीं बनना चाहिए बल्कि इसे महिलाओं के सशक्तीकरण के एक ऐतिहासिक कदम के रूप में देखा जाना चाहिए। उनका कहना है कि अगर इस विषय को राजनीतिक नजरिए से देखा जाएगा, तो यह महिलाओं के साथ अन्याय होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस बिल का समर्थन करें। यह बिल नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से जाना जा रहा है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में ज्यादा प्रतिनिधित्व देना है। रिजिजू ने कहा कि यह ऐसा मुद्दा है जिसमें सभी पार्टियों ने पहले भी समर्थन दिया है और अब इसके क्रियान्वयन की दिशा में आगे बढ़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि संसद में इस पर चर्चा होने वाली है और उन्होंने सभी दलों से अपील की है कि वे एकजुट होकर इसमें भाग लें। उनके अनुसार, अगर सभी सांसद मिलकर इस बिल को पारित करते हैं तो यह न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक बड़ा संदेश होगा कि भारत महिलाओं के सशक्तीकरण को लेकर

कितना गंभीर है। किरन रिजिजू ने यह भी कहा कि इस बिल में ऐसा कुछ भी नहीं है जिस पर विवाद किया जा सके। चाहे सीटों का आरक्षण हो, परिसीमन से जुड़ा विषय हो या कोई अन्य प्रावधान, हर पहलू को बहुत ही साफ और सरल तरीके से तैयार किया गया है। उन्होंने दावा किया कि इसमें ऐसा कोई बिंदु नहीं है जिस पर कोई गंभीर आपत्ति उठाई जा सके। अगर कोई आपत्ति उठाता है, तो वह केवल राजनीति से प्रेरित होगी। उन्होंने सभी दलों से यह भी कहा कि इसे किसी भी पार्टी की जीत या हार के तौर पर न देखा जाए। यह किसी एक दल का नहीं बल्कि पूरे देश का फैसला होना चाहिए। उनका कहना कि इस कानून का श्रेय किसी एक व्यक्ति या पार्टी को नहीं बल्कि यह पूरे संसद और सभी सांसदों की सामूहिक उपलब्धि होगी। इस बीच, डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर भी उन्होंने उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री व उपराष्ट्रपति के साथ मिलकर उन्होंने बाबा साहेब के स्मारक पर जाकर पुष्पांजलि अर्पित की। रिजिजू ने कहा कि बाबा साहेब के विचार आज भी देश को दिशा देने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि जब भी उन्हें किसी तरह की उलझन या असमंजस महसूस होता है, तो वे डॉ. अंबेडकर के भाषण सुनते हैं और उनके विचारों को पढ़ते हैं। इससे उन्हें नई ऊर्जा, प्रेरणा और सही दिशा मिलती है। उनके मुताबिक, अंबेडकर के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने पहले थे और वे देश के हर नागरिक के लिए मार्गदर्शक हैं।

पीएम मोदी ने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का किया उद्घाटन

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का मोदी ने किया उद्घाटन

बोले- यह इकोनॉमिक कॉरिडोर प्रगति के नए द्वार

प्रात: किरण, एजेंसी

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए उत्तराखंड के विकास, कनेक्टिविटी, सामाजिक न्याय और महिला सशक्तीकरण पर अपनी बात रखी। दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे कॉरिडोर केवल सड़क नहीं होते बल्कि ये विकास के नए द्वार खोलते हैं। ये नए व्यापार, उद्योग, गोदाम और फैक्ट्रियों के लिए रास्ता तैयार करते हैं। इस कॉरिडोर से पूरे क्षेत्र का कायाकल्प होने की उम्मीद है और लोगों के लिए नई संभावनाएं पैदा होंगी। अपने संबोधन की शुरूआत में प्रधानमंत्री ने कहा कि इस समय देश में त्योहारों की खुशी और नववर्ष का उत्साह है। उन्होंने सभी नागरिकों को वैसाखी, बोहाग बिहू और पुथंडु की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बाबा केदार के दर्शन के बाद उन्होंने जो बात कही थी कि इस सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा, वह अब सच होती दिख रही है। प्रधानमंत्री ने खुशी जताते हुए कहा कि ह्लडबल इंजन सरकारह्व की नीतियों और राज्य के लोगों की मेहनत से उत्तराखंड तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है और कनेक्टिविटी

मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे परियोजना इस प्रगति को और तेज करेगी और राज्य के विकास को नई गति देगी। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि उत्तराखंड अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर 26वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और ऐसे समय में इस एक्सप्रेसवे का उद्घाटन एक बड़ी उपलब्धि है। अंबेडकर जयंती का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने बीआर अंबेडकर को नमन किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का जीवन गरीबों, वंचितों और शोषितों को न्याय दिलाने के लिए समर्पित रहा। उन्होंने बताया कि बीते एक दशक में सरकार के फैसलों और नीतियों ने संविधान की गरिमा को पुनः स्थापित करने का काम किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद अब पूरे देश में संविधान पूरी तरह लागू हो गया है। उन्होंने यह भी बताया कि देश के कई जिलों में माओवाद और नक्सलवाद खत्म हुआ है और वहां भी अब संविधान की भावना के अनुसार काम हो रहा है। उन्होंने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का भी जिक्र किया और कहा कि यह संविधान की अपेक्षा है। उत्तराखंड ने इस दिशा में कदम बढ़ाकर पूरे देश को रास्ता दिखाया है। प्रधानमंत्री ने सामाजिक न्याय को संतुलित विकास से जोड़ते हुए कहा कि सरकार हर गरीब और वंचित तक सुविधाएं पहुंचाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगीकरण के बड़े समर्थक थे और आज सरकार उसी दिशा में काम कर रही है। महिला सशक्तीकरण पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने ह्यनारी शक्ति वंदन अधिनियमह्न का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि चार दशकों के इंतजार के बाद संसद ने यह कानून पास किया, जिससे लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों द्वारा दिए गए समर्थन का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कानून को लागू करने में अब और देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 2029 में लोकसभा चुनाव होने हैं और उससे पहले यह आरक्षण लागू हो जाना चाहिए। यह देश की भावना और नारी शक्ति की इच्छा है। उन्होंने बताया कि इसी विषय पर 16 अप्रैल से संसद में विशेष चर्चा तय की गई है। प्रधानमंत्री ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे मिलकर महिलाओं के हक से जुड़े इस महत्वपूर्ण काम को आगे बढ़ाएं। पीएम मोदी ने बताया कि मैंने देश की सभी महिलाओं के नाम एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्हें इस ऐतिहासिक पहल का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि देश की माताएं व बहनें इस पत्र को जरूर पढ़ेंगी और इस अभियान में भागीदारी करेंगी। उन्होंने देवभूमि उत्तराखंड के सभी दलों से अपील करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन का समर्थन करें और 2029 तक देश की आधी आबादी को उनका अधिकार दिलाने में सहयोग करें।

प्रधानमंत्री का सहारनपुर में रोड शो, सड़क किनारे हाथों में तिरंगा थामे लोगों ने किया स्वागत

प्रात: किरण, एजेंसी

सहारनपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर का उद्घाटन करने से पहले उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में एक रोड शो किया। पीएम मोदी का स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए सड़क के किनारे भारी भीड़ थी। रोड शो में शामिल लोगों ने हाथों में तिरंगा थामे हुए मोदी-मोदी, ह्यभारत माता की जय और ह्यजय श्री राम के नारे लगाते हुए पीएम मोदी पर फूलों की वर्षा की। कई लोग पारंपरिक वेशभूषा में आए थे और उन्होंने प्रधानमंत्री के स्वागत में पारंपरिक लोक नृत्य प्रस्तुत किए। पीएम मोदी ने हाथ हिलाकर सभी का अभिवादन किया। पीएम मोदी सहारनपुर में दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर के ऊंचे खंड पर बने वाइल्डलाइफ कॉरिडोर की समीक्षा करेंगे। इसके बाद देहरादून के लिए रवाना होंगे। प्रधानमंत्री देहरादून के पास स्थित जय मां डाट काली मंदिर में दर्शन और पूजा करेंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री दोपहर लगभग 12:30 बजे देहरादून में एक सार्वजनिक समारोह में दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे और इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे। 213 किलोमीटर लंबा, छह लेन वाला और एक्सेस कंट्रोल्ड दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर 12,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बनाया गया है। यह कॉरिडोर दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों से होकर गुजरता है। वहीं, इससे दिल्ली और देहरादून के बीच यात्रा का समय वर्तमान में छह घंटे से अधिक से घटकर लगभग ढाई घंटे हो जाएगा। इस परियोजना के कार्यान्वयन में निर्बाध उच्च गति कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए 10 इंटरचेंज, तीन रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी), चार प्रमुख पुल और सड़क किनारे 12 जन सुविधाओं का निर्माण भी शामिल है।

अंबेडकर जयंती पर प्रधानमंत्री मोदी का बड़ा संदेश: विधायिकाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर दिया जोर

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को बताया समय की मांग

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 135वीं अंबेडकर जयंती के पावन अवसर पर संसद परिसर के प्रेरणा स्थल पर भारत रत्न डॉ. बीआर अंबेडकर को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस ऐतिहासिक दिन पर पीएम मोदी ने देश को संबोधित करते हुए महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) को प्रभावी ढंग से लागू करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने डॉ. अंबेडकर के संवैधानिक मूल्यों को याद करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में नारी शक्ति की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है और लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या बढ़ाना देश के भविष्य के लिए सही कदम है। प्रधानमंत्री ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पत्र साझा करते हुए विज्ञान, नवाचार, खेल और साहित्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि आज स्टार्टअप जगत से लेकर अंतरिक्ष विज्ञान तक महिलाएं नेतृत्व की भूमिका में हैं, जो एक ह्यशांत क्रांतिह्न का संकेत है। पीएम मोदी ने लखपति दीदियों और स्वयं सहायता समूहों का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे आत्मनिर्भरता के जरिए महिलाएं समाज को सशक्त बना रही हैं। उन्होंने पुरानी रूढ़ियों को तोड़ रही युवा महिला एथलीटों का विशेष जिक्र करते हुए उनकी सफलता को करोड़ों लड़कियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

इस एक्सप्रेसवे के बनने से उत्तराखंड में आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक विकास के नए द्वार खुलेंगे...........

दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर से बेहतर कनेक्टिविटी, पैदा होंगे रोजगार के नए अवसर: गडकरी

प्रात: किरण, एजेंसी

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देहरादून में दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे का उद्घाटन किया। करीब 213 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे को 12,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। यह कॉरिडोर दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से होकर गुजरता है और इसके चालू होने के बाद दिल्ली से देहरादून की यात्रा का समय लगभग छह घंटे से घटकर सिर्फ ढाई घंटे रह जाएगा। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस परियोजना के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह केवल एक सड़क परियोजना नहीं है, बल्कि देश के आर्थिक विकास को गति देने वाला एक बड़ा माध्यम है। उन्होंने बताया कि इस कॉरिडोर से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसरों में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। गडकरी ने बताया कि इस दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर से प्रमुख पर्यटन स्थलों और आर्थिक केंद्रों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी स्थापित होगी, जिससे व्यापार, निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। खासतौर पर

उत्तराखंड जैसे पर्यटन-प्रधान राज्य के लिए यह परियोजना एक बड़ी सौगात है। गडकरी ने बताया कि इस एक्सप्रेसवे के बनने से उत्तराखंड में आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक विकास के नए द्वार खुलेंगे। बेहतर कनेक्टिविटी से निवेश बढ़ेगा, उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यह परियोजना खासतौर पर उन लोगों के लिए लाभकारी साबित होगी, जो नियमित रूप से दिल्ली और देहरादून के बीच यात्रा करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि इस एक्सप्रेसवे से देहरादून, हरिद्वार और ऋषिकेश जैसे प्रमुख शहरों तक पहुंच आसान हो जाएगी, जिससे राज्य में पर्यटन को नई गति मिलने की उम्मीद है। यह 6-लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से शुरू होकर अक्षरधाम, शास्त्री पार्क, खजूरी खास, बागपत, शामली, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर होते हुए देहरादून तक जाता है, जिससे पूरे क्षेत्र के विकास को नई रफ्तार मिलेगी। इसके अलावा, मंत्री ने बताया कि सहारनपुर बाईपास से हरिद्वार तक 51 किलोमीटर लंबे 6-लेन सुपररोड का उद्घाटन भी जून में किया जाएगा, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। मंत्री ने कहा, नीति, अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी, ये तीनों हमारे समाज का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। एक तरफ हमें विकास करना है तो वहीं दूसरी ओर पारिस्थितिकी और पर्यावरण का संरक्षण भी करना है। वहीं, केंद्रीय मंत्री सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह तेज मल्टी-लेन कॉरिडोर दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों से होकर गुजरता है। इस परियोजना के कार्यान्वयन में निर्बाध हाई स्पीड कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए 10 इंटरचेंज, तीन रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी), चार प्रमुख पुल और सड़क किनारे 12 जन सुविधाओं का निर्माण भी शामिल है। यात्रियों के लिए सुरक्षित और अधिक कुशल यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए यह कॉरिडोर उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली (एटीएम) से सुसज्जित है। पोस्ट में आगे कहा गया है कि इस परियोजना क्षेत्र की पारिस्थितिक संवेदनशीलता, समृद्ध जैव विविधता और वन्यजीवों को ध्यान में रखते हुए इस कॉरिडोर को कई विशेषताओं के साथ डिजाइन किया गया है, जिनका उद्देश्य मानव-वन्यजीव संघर्ष में अत्यधिक कमी लाना है। जंगली जानवरों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए, परियोजना में वन्यजीव संरक्षण की कई विशेष सुविधाएं शामिल की गई हैं। इनमें 12 किलोमीटर लंबा वन्यजीव एलिवेटेड कॉरिडोर शामिल है, जो एशिया के सबसे लंबे कॉरिडोर में से एक है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ विकास होगा। कॉरिडोर में आठ पशु मार्ग, 200 मीटर लंबे दो हाथी अंडरपास और दात काली मंदिर के पास 370 मीटर लंबी सुरंग भी शामिल है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने डॉ. भीमराव आम्बेडकर की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

राष्ट्रपति ने डॉ. भीमराव आम्बेडकर की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

प्रात: किरण, एजेंसी

गांधीनगर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज अपनी गुजरात यात्रा के दौरान लोक भवन पहुंचकर भारतीय संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की 135वीं जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राज्यपाल आचार्य देवव्रत और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। राज्यपाल ने भी बाबा साहेब के चित्र पर फूल चढ़ाए। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के महू में महार (दलित) परिवार में जन्मे बाबा साहेब ने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने दलितों के खिलाफ सामाजिक भेदभाव और छुआछूत के विरुद्ध आजीवन संघर्ष किया। उन्होंने महिलाओं और श्रमिकों के अधिकारों का भी पुरजोर समर्थन किया। भारत के संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने आधुनिक भारत की नींव रखने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जीवन के अंतिम वर्षों में उन्होंने हिंदू धर्म त्याग कर बौद्ध धर्म अपना लिया। उन्हें 1990 में मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। बाबा साहेब को हर साल 14 अप्रैल को 'आम्बेडकर जयंती' या 'समानता दिवस' के रूप में याद किया जाता है।

उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री आम्बेडकर जयंती पर पहुंचे प्रेरणा स्थल, पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की 135वीं जयंती पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत अन्य नेताओं ने मंगलवार को संसद परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर पहुंचकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस आधिकारिक कार्यक्रम में कई केंद्रीय मंत्री, सांसद और अन्य नेता भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में बाबा साहेब के प्रयास अत्यंत प्रेरणादायक हैं। उनका जीवन और कार्य पीढ़ियों को एक न्यायपूर्ण और प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए निरंतर प्रेरित करते हैं। उल्लेखनीय है कि डॉ. बीआर आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को हुआ था। वे भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार, प्रख्यात विधिवेत्ता और समाज सुधारक थे। उन्होंने वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए महत्वपूर्ण संघर्ष किया।

गुमशुदा सूचना

मिथलेश देवी, उम्र लगभग 70 वर्ष, पति स्व. रामानंद चौधरी, ग्राम + पोस्ट–जोरपुरा, थाना–हलई, जिला–समस्तीपुर, दिनांक 1 अप्रैल 2026 को सुबह लगभग 11 बजे घर से पटोरी बाजार के लिए निकली थीं, लेकिन अभी तक वापस नहीं लौटी हैं।

यदि इनके बारे में किसी को कोई जानकारी मिले तो कृपया निम्न मोबाइल नंबरों पर सूचित करने की कृपा करें:
99735 91776 7541997988 8002779409

संक्षिप्त समाचार

भुजान में शराब की दुकान के खिलाफ उबाल, ग्रामीण लामबंद

रानीखेत (अल्मोड़ा), एजेंसी। भुजान क्षेत्र में प्रस्तावित देशी शराब की दुकान का विरोध तेज होता जा रहा है। महिलाओं के बाद अब विभिन्न गांवों के पंचायत प्रतिनिधि और ग्रामीण भी खुलकर इसके विरोध में उतर आए हैं। सभी ने प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि दुकान खोली गई तो अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। आसपास के गांवों के ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और ग्रामीणों ने जिलाधिकारी अल्मोड़ा और रानीखेत विधायक डॉ. प्रमोद नैनवाल को हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन भेजकर अपना विरोध दर्ज कराया है। पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि क्षेत्र में शराब की दुकान खुलने से सामाजिक माहौल खराब होगा और विशेष रूप से स्कूली बच्चों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व में पातली क्षेत्र में भी जनविरोध से शराब की दुकान का प्रस्ताव निरस्त किया गया था। ऐसे में भुजान में इसे खोलने का प्रयास उचित नहीं है। ज्ञापन में ग्राम प्रधान तिपोला विक्रम सिंह माहरा, प्रधान चापड़ आशा देवी, प्रधान मुसोली सुमन, प्रधान विशालकोट नीमा देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य महिपाल सिंह बिष्ट, प्रधान टूनाकोट नवीन मेहरा सहित कई जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं। वहीं शराब की दुकान के विरोध को दुकान संचालक कुबेर सिंह ने गलत करार दिया है। उन्होंने राजस्व उपनिरीक्षक के माध्यम से जिलाधिकारी को भेजे पत्र में कहा कि क्षेत्र में दो वर्षों से अंग्रेजी शराब की दुकान संचालित है जिसका विरोध नहीं हुआ। उनका कहना है कि देशी शराब की दुकान का विरोध होने से सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि कुछ शराब तस्कर और उनसे जुड़े लोग साजिश के तहत विरोध करवा रहे हैं और लोगों को भ्रमित किया जा रहा है।

लोद घाटी में इस बार भव्य रूप में आयोजित होगा स्याल्दे बखौती मेला

सोमेश्वर (अल्मोड़ा), एजेंसी। लोद क्षेत्र में स्याल्दे बिखौती मेला इस बार भव्य रूप में मनाया जाएगा। खास बात यह है कि पहली बार क्षेत्र के युवाओं ने इस मेले को बड़े स्तर पर आयोजित करने की जिम्मेदारी उठाई है, जिसकी तैयारियां जोरों-शोरों से चल रही हैं। मेले को आकर्षक बनाने के लिए क्षेत्रीय कलाकारों के साथ बाहरी कलाकारों और स्कूली बच्चों की तरफ से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इस संबंध में हुई बैठक में सर्वसम्मति से मेले को भव्य रूप देने का निर्णय लिया गया। तय कार्यक्रम के अनुसार 15 और 16 अप्रैल को दो दिवसीय मेले का आयोजन किया जाएगा। लोद घाटी सांस्कृतिक मंच द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 15 अप्रैल को लोकगायक चन्द्रशेखर टम्टा और भास्कर भौर्याल के साथ स्थानीय कलाकार एवं स्कूली बच्चे अपनी प्रस्तुतियां देंगे। वहीं 16 अप्रैल को लोकगायक महेश कुमार और लोकगायिका मेघना चंद्रा अपने सुरों से समा बांधेंगे। इस वर्ष मेले के आयोजन की जिम्मेदारी डॉ. वैभव भंडारी (राममूर्ति अस्पताल, भोजीपुरा, बरेली) ने संभाली है, जो मूल रूप से ग्राम बले सोमेश्वर के निवासी हैं। वर्षों से चली आ रही इस परंपरा को इस बार ऐतिहासिक बनाने के लिए क्षेत्र के युवा और बुजुर्ग मिलकर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। बैठक में जिला पंचायत सदस्य कुन्दन सिंह भंडारी (डिगरा), युवा समाजसेवी कैलाश, शंकर मेहरा, मनीष सहित कई लोग मौजूद रहे। वहीं मिलन चौक से दो पहिया वाहन चालक बेरोकटोक बाजार में आते जाते थे। इसके लिए पूर्व में एक गेट बना था। जो क्षतिग्रस्त हो गया था।

वर्तमान में नगर निगम की ओर से दोबारा यहां पर गेट बनाकर उसके पास स्थिति टूटी नालियों को चॉक चौबंद किया गया। वहीं क्षतिग्रस्त रास्ते में सीसी कर उसे मजबूत कर आकर्षक बनाया गया है। वहीं इस मार्ग को अब सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक बंद रखा जाएगा।

टिहरी घनसाली में दर्दनाक हादसा, गहरी खाई में गिरी गाड़ी, चालक की मौत

टिहरी गढ़वाल, एजेंसी। घनसाली घुत्तू मोटर मार्ग पर सांकरी गांव के पास एक यूटिलिटी सड़क से करीब 150 मीटर गहरी खाई में गिर गई. इस हादसे में वाहन चालक और एक घोड़े की मौत हो गई. हादसा रविवार सुबह करीब 4 बजे का बताया जा रहा है. थानाध्यक्ष अजय कुमार जाटव ने जानकारी देते हुए बताया कि जौनपुर निवासी पूरब सिंह रौथान (55) खच्चर खरीदकर अपने गांव सटीयाला जा रहे थे. वाहन को बॉबी (निवासी क्यारसी) चला रहा था. हादसे में चालक और एक घोड़े की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पूरब सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. सूचना पर थाना घनसाली पुलिस, स्ध्क्रम्न और ग्रामीणों ने रेस्क्यू कर शव को बाहर निकाला. घायल को अस्पताल भेजा गया है. शव पोस्टमार्टम के लिए बालेश्वर अस्पताल भेज दिया गया है.वहीं समाजसेवी भजन रावत ने बताया कि घुत्तू घनसाली मोटर मार्ग पर आए दिनों इस तरह की कई घटनाएं हो रही हैं. कई बार लोनिवि और सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत की गई है. आज तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है. प्रदेश में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं में होने वाले मौतों के आंकड़े को देखते हुए परिवहन विभाग जन जागरूकता अभियान चला रहा है. एएनपीआर (ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकगनाइजेशन) कैमरे के जरिए ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करने वाले और ओवर स्पीडिंग करने वालों के खिलाफ चालान की कार्रवाई भी की जा रही है. प्रदेश में सड़क हादसों से निपटने के लिए ओवर स्पीडिंग पर लगाम लगाने के लिए एनफोर्समेंट की कार्रवाई पर जोर दिया जा रहा है. इसके अलावा प्रदेश के बॉर्डर एरिया के साथ ही राज्य के तमाम महत्वपूर्ण जगहों पर एएनपीआर कैमरे लगाए गए हैं. जिससे ट्रैफिक नियमों का पालन न करने वाले और ओवर स्पीडिंग करने वालों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की जा रही है.

चारधाम यात्राः श्रद्धालुओं की सेहत के लिए मिलेगा स्वास्थ्य सेवाओं का सुरक्षा कवच, इन 57 केंद्रों पर होगी जांच

देहरादून, एजेंसी। चारधाम यात्रा के लिए 25 विशेषज्ञ डॉक्टर, 178 मेडिकल अधिकारी और 414 पैरामेडिकल स्टाफ तैनात किया गया है। वहीं देहरादून, हरिद्वार, रुद्रप्रयाग, चमोली और उत्तरकाशी में 57 केंद्रों पर स्वास्थ्य जांच होगी। पांच दिन बाद शुरू हो रही चारधाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं की सेहत के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का सुरक्षा कवच मिलेगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने चिकित्सा सेवाओं का खाका तैयार कर 25 विशेषज्ञ डॉक्टरों, 178 मेडिकल अधिकारी व 414 पैरामेडिकल स्टाफ तैनात कर दिए हैं। उत्तराखंड के चारधामों , केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री हिमालयी क्षेत्रों में है। यात्रा के दौरान कई बार श्रद्धालुओं को ठंड के साथ ऑक्सीजन की कमी से स्वास्थ्य संबंधित दिक्कतें आती है। यात्रा में आने वाले हर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य विभाग ने प्लान तैयार किया है। पहली बाद केदारनाथ में 17 व बदरीनाथ धाम

में 45 बेड का अस्पताल संचालित किया जाएगा। रुद्रप्रयाग, चमोली व उत्तरकाशी में पहले से 47 स्थायी स्वास्थ्य सुविधाओं को और अधिक सक्षम बनाया गया है, जबकि 25 मेडिकल रिलीफ पोस्ट को पूरी तरह सक्रिय कर दिया गया है। सचिव स्वास्थ्य सचिन कुर्वे ने बताया कि चारधाम यात्रा में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सूक्ष्म स्तर पर योजना बनाई गई है। मेडिकल स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है और रोस्टर के अनुसार अतिरिक्त तैनाती सुनिश्चित की जा रही है। चारधाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए इस बार यात्रा की शुरुआत से पहले ही सतर्कता बरती जा रही है। देहरादून, हरिद्वार, रुद्रप्रयाग, चमोली और उत्तरकाशी में 57 स्क्रीनिंग कियोस्क स्थापित किए गए हैं, जहां यात्रियों की स्वास्थ्य जांच की जा रही है। इन कियोस्क के माध्यम से हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, शुगर और अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रस्त यात्रियों की पहचान कर उन्हें समय रहते सलाह और सहायता दी जाएगी। चारधाम यात्रा के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं के लिए इस बार सरकार ने इस मोर्चे पर कोई कमी नहीं छोड़ी है। विशेषज्ञ डॉक्टरों से लेकर पैरामेडिकल स्टाफ तक, हर स्तर पर मजबूत टीम तैयार की गई है। 25 विशेषज्ञ डॉक्टर, 178 मेडिकल अधिकारी और 414 पैरामेडिकल कर्मियों की तैनाती की गई है। विशेषज्ञ डॉक्टरों में फिजिशियन, ऑर्थोपेडिशियन, एनेस्थेटिस्ट और गाइनकोलॉजिस्ट शामिल हैं, जो हर तरह की आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहेंगे। यात्रा मार्ग पर 177 एंबुलेंस तैनात की जा रही हैं। आपात स्थिति में हेलिकॉप्टर से मरीजों को बड़े अस्पतालों में पहुंचाया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 112, 108 व 104 हेल्पलाइन नंबर चौबीसों घंटे सक्रिय रहेंगे। खास बात यह है कि 104 हेल्पलाइन के जरिए हाई रिस्क यात्रियों की लगातार निगरानी भी की जाएगी। यह व्यवस्था किसी भी आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करेगी और जरूरत पड़ने पर तुरंत सहायता उपलब्ध कराएगी।

स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा चारधाम यात्रा केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा से जुड़ा एक बड़ा दायित्व है। इस वर्ष हमने स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को पूरी तरह नए स्तर पर ले जाने का प्रयास किया है। हर जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत किया गया है और यात्रा मार्ग पर मेडिकल रिलीफ पोस्ट की संख्या बढ़ाई गई है। कोई भी श्रद्धालु इलाज के अभाव में परेशान न हो। इसके लिए सरकार पूरी तरह तैयार है।

जापान में नर्सिंग नौकरी के लिए 30 ने दिखाई रुचि

रुद्रपुर, एजेंसी। जापान में नर्सिंग नौकरी के लिए आयोजित चयन शिविर में 30 विद्यार्थियों ने रुचि दिखाई। जल्द ही इन विद्यार्थियों का साक्षात्कार के माध्यम से चयन होगा। रुद्रपुर के एसबीएस कॉलेज के न्यू सेमिनार हॉल में युवाओं को प्रधानमंत्री कौशल विकास केंद्र रुद्रपुर और कॉलेज के कॅरिअर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से विशेष चयन शिविर का आयोजन किया गया। इसमें जापान में नर्सिंग कार्य के लिए 30 विद्यार्थी पहुंचे। जल्द ही इन विद्यार्थियों के लिए साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया जाएगा और यह विद्यार्थी विदेश में नौकरी कर पाएंगे। वरिष्ठ प्राध्यापक सर्वजीत सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को विदेश में रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करना है।

तुंगनाथ-चंद्रशिला ट्रेक पर भीषण तूफान और खराब मौसम के चलते फंसे 30 ट्रैकर्स, सकुशल किया रेस्क्यू

रुद्रप्रयाग, एजेसी। तुंगनाथ-चंद्रशिला ट्रेक मार्ग पर अचानक आए भीषण तूफान और खराब मौसम के चलते फंसे करीब 30 ट्रैकर्स को पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीमों ने रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला. सभी ट्रैकर्स को चोपता लाकर उनके गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार सायंकाल लगभग 5:30 बजे डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली कि चंद्रशिला मार्ग पर ट्रेकिंग कर रहे 25 से 30 पर्यटक तेज तूफान, बर्फबारी जैसी स्थिति और खराब दृश्यता के कारण रास्ते में फंस गए हैं. मौसम की गंभीरता को देखते हुए उनकी सुरक्षा को लेकर तत्काल चिंता जताई गई. सूचना मिलते ही जिला प्रशासन के समन्वय में कोतवाली ऊखीमठ, चौकी चोपता, एसडीआरएफ, जिला आपदा प्रबंधन तथा वन विभाग की टीमें तुरंत मौके के लिए

रवाना की गई. दुर्गम पहाड़ी रास्तों और प्रतिकूल मौसम के बावजूद रेस्क्यू टीमों ने ट्रैकर्स की लोकेशन का पता लगाकर उन तक पहुंच बनाई.

कड़ी मशक्कत के बाद सभी 30 ट्रैकर्स को सुरक्षित रेस्क्यू कर चोपता लाया गया. प्राथमिक देखभाल के बाद सभी को उनके गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया. प्रशासन ने पर्यटकों से अपील की है कि पर्वतीय क्षेत्रों में ट्रेकिंग के दौरान मौसम की जानकारी अवश्य लें और सुरक्षा मानकों का पालन करें, ताकि इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके. जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि शनिवार शाम अचानक आए भीषण तूफान और बर्फबारी जैसे हालात के कारण ट्रैकर्स चंद्रशिला मार्ग पर फंस गए थे.

सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और तुरंत रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया. पुलिस, वन विभाग, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ और आपदा प्रबंधन टीमों ने दुर्गम रास्तों और खराब मौसम के बावजूद सभी ट्रैकर्स तक पहुंचकर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला. सभी को सुरक्षित चोपता लाया गया और बाद में उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया. बताया कि ट्रेकिंग में प्रीती चौधरी पुत्री विनय चौधरी, उम्र- 20 वर्ष, निवासी द्वारिका दिल्ली (टीम गाईड), विपासा निवासी पानीपत, हरियाणा, अभिषेक निवासी सुना हरियाणा, गरिमा निवासी गुरूग्राम, हरियाणा, अभिषेक कटोच, निवासी द्वारिका दिल्ली, हिमाशुं निवासी बहादुरगढ़ हरियाणा समेत अन्य शामिल हैं. उन्होंने अपील करते हुए कहा कि पहाड़ों में ट्रेकिंग के दौरान मौसम की जानकारी जरूर लें और सुरक्षा नियमों का पालन करें.

किच्छा–खटीमा नई रेल लाइन को मंजूरी, 350.85 करोड़ से बिछेगी लाइन

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। उत्तर पूर्वी रेलवे की मंजूरी के बाद किच्छा-खटीमा नई रेल लाइन परियोजना को हरी झंडी मिल गई है जिसकी स्वीकृत लागत 350.85 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। उत्तर पूर्वी रेलवे ने किच्छा-खटीमा नई रेल लाइन को मंजूरी दे दी है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत 57.7 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन बिछाई जाएगी जिसकी स्वीकृत लागत 350.85 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। रेलवे की ओर से जारी आधिकारिक सूची के अनुसार परियोजना में 122.45 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय (कैपिटल), 20 करोड़ रुपये विशेष निधि (स्पेशल फंड) और 208.40 करोड़ रुपये डिपॉजिट मद के अंतर्गत खर्च किए जाएंगे। यह रेल लाइन जिले के किच्छा और सीमांत क्षेत्र खटीमा को सीधे और बेहतर रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। इस परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र में आवागमन सुविधाएं मजबूत होंगी जिससे स्थानीय लोगों और कारोबारियों को राहत मिलेगी। साथ ही औद्योगिक इकाइयों, व्यापारिक गतिविधियों और कृषि क्षेत्र को भी गति मिलने की संभावना है। खटीमा जैसे सीमांत क्षेत्र तक रेल कनेक्टिविटी मजबूत होने से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और क्षेत्र में विकास को बढ़ावा मिलेगा। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक परियोजना को चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जाएगा। इसके लिए आवश्यक तकनीकी सर्वे, भूमि अधिग्रहण और प्रशासनिक औपचारिकताओं की प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि सभी आवश्यक मंजूरियां पूरी होते ही निर्माण कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा।

भतीजे पर धोखे से पांच लाख निकालने का आरोप

रूड़की, एजेंसी। 75 वर्षीय बुजुर्ग ने अपने ही भतीजे पर धोखाधड़ी कर बैंक खाते से पांच लाख रुपये निकलवाने का आरोप लगाया है। पीड़ित बुजुर्ग ने घटना की शिकायत पुलिस और बैंक प्रबंधक को देकर कार्रवाई की मांग की है। गढ़ी संघीपुर निवासी सबक्कत ने बताया कि उनका खाता लंढौरा स्थित पीएनबी शाखा में है। उन्होंने हाल ही में अपनी कृषि भूमि बेची थी जिसकी धनराशि उनके खाते में जमा हुई थी। अब उन्होंने आरोप लगाया है कि कुछ दिन पूर्व उनका भतीजा उन्हें यह कहते हुए बैंक लाया कि बिक्री हुई जमीन में लिए चेक की धनराशि उनके खाते में आई है या नहीं इसकी पुष्टि करनी है। इसी दौरान उसने धोखे से उनके खाते से पांच लाख रुपये निकलवा लिए। बुजुर्ग का कहना है कि उन्हें इस बात की जानकारी बाद में हुई। इसके बाद उन्होंने पुलिस और बैंक प्रबंधन से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है। वहीं पुलिस जांच में जुट गई है।

बैसाखी पर मंगलवार को मां यमुना के शीतकालीन प्रवास स्थल खरसाली स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर के कपाट वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भव्य धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया।

मंगलवार सुबह पुरोहितों ने हवन-पूजन कराया जिसके बाद मंदिर के कपाट खोले गए। उसके बाद भगवान सोमेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक और विशेष पूजा-अर्चना की गई। पौराणिक परंपरा के अनुसार खरसाली स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर के कपाट शीतकाल में लगभग चार माह के लिए बंद रहते हैं और बैसाखी पर्व पर विधिवत रूप से पुनः खोले जाते हैं।

कपाट खुलने के साथ ही क्षेत्र में धार्मिक गतिविधियों की शुरुआत हो जाती है। कपाट खुलने के बाद दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं के साथ ही गीठ पट्टी क्षेत्र के 12 गांवों के लोगों ने मंदिर पहुंचकर भगवान के दर्शन किए। इस मौके पर ग्राम प्रधान नीतू उनियाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य रंजिता राणा, पुजारी संतोष उनियाल, मदन मोहन उनियाल, प्रेम बल्लभ उनियाल, पुरुषोत्तम उनियाल, आशुतोष उनियाल उपस्थित रहे।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर हादसे के बाद जागा परिवहन विभाग, सेफ ड्राइविंग के लिए दिशा निर्देश जारी

देहरादून, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को दिल्ली-देहरादून एलिवेटेड एक्सप्रेसवे का शुभारंभ करेंगे. जिसकी तैयारियां पूरी कर ली गई है. दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे का शुभारंभ होने के बाद दिल्ली से देहरादून और देहरादून से दिल्ली आने-जाने वाले यात्रियों को काफी सहूलियत होगी, साथ ही उनका समय भी बचेगा, लेकिन एक्सप्रेस वे के शुभारंभ से पहले ही इस एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा हो गया. इसके बाद परिवहन विभाग ने एक्सप्रेसवे पर सेफ ड्राइविंग को लेकर दिशा- निर्देश जारी कर दिए हैं. दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर जाने से पहले क्या करें? दरअसल, पहले के हाइवे की तुलना में इस एक्सप्रेसवे पर वाहन का संचालन ज्यादा आरामदायक और तेज है, लेकिन इस मार्ग पर ड्राइविंग के समय डिसिप्लिन और पेशेंस की जरूरत है. जिसके तहत ड्राइविंग शुरू करने से पहले गाड़ी की सर्विस, टायर और ईंधन को चेक कर लें. वर्तमान समय में इस मार्ग पर पेट्रोल पंप व गैराज जैसी सुविधाओं का विकास किया जा रहा है. साथ ही अपने साथ पीने का पानी, दवा समेत अन्य जरूरी चीजें भी लेकर चलें. ये एक्सप्रेसवे एक्सेस कंट्रोल्ड है. इसलिए इस मार्ग पर आने से पहले ही

अपना एंट्री और एग्जिट पॉइंट तय कर लें. क्योंकि, अगर एक बार एंट्री/एग्जिट पॉइंट को छोड़ देते हैं तो दोबारा लंबी दूरी के बाद ही फिर से उस स्थान पर पहुंच पाएंगे. इस पर टोल ऑटोमेटिक कटेगा, ऐसे में अपना फास्ट टैग एक्टिव रखें. एंट्री और एग्जिट के नियम भी है, जिसके तहत केवल निर्धारित रैंप/ इंटरचेंज से ही प्रवेश करें. रास्ते में कहीं भी गाड़ी मोड़ना या रूकना मना है. अगर एग्जिट छूट जाए तो अगला इंटरचेंज लेना होना. एक्सप्रेस वे पर रिवर्स पर वाहन न चलाएं और न ही यू टर्न लें. साइन बोर्ड पर दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करें. दिल्ली- देहरादून एक्सप्रेस वे पर वाहन चलने के लिए गति सीमा भी निर्धारित है. जिसके तहत कार की स्पीड 100 किमी/घंटा और हैवी व्हीकल्स के लिए 80 किमी/घंटा निर्धारित है. निर्धारित गति सीमा से तेज वाहन चलाने पर वाहन का इलेक्ट्रानिक कैमरों से चालान भी किया जा सकता है. इसके साथ ही बाई लेन भारी वाहन के लिए, मिडिल लेन सामान्य ड्राइविंग के लिए और दाईं लेन सिर्फ ओवरटेक करने के लिए है. बाएं से किसी भी वाहन को ओवर टेक न करें, साथ ही बार-बार लेन बदलने से बचें.

उत्तराखंड के लिए 1500 करोड़ की परियोजना का तैयार हो रहा खाका, जायका के प्रतिनिधि ने वन मंत्री से की भेंट

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में वन संरक्षण, आजीविका संवर्धन और जैव विविधता के संतुलन को मजबूत करने की दिशा में जायका द्वारा वित्त पोषित उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबंधन परियोजना एक प्रभावी मॉडल के रूप में उभर रही है. इस कड़ी में पहले फेज के पूरा होने के बाद इसमें दूसरे फेज की तैयारी की जा रही है. इसके लिए जायका इंडिया के मुख्य प्रतिनिधि टेकुची टकुरो ने वन मंत्री सुबोध उनियाल से भी मुलाकात की है, जिसमें परियोजना की प्रगति और प्रस्तावित फेज-2 को लेकर विस्तृत चर्चा भी हो चुकी है.

मौजूदा समय में यह परियोजना राज्य के 13 वन प्रभागों के अंतर्गत 36 रेंजों के 839 वन पंचायतों में संचालित हो रही है. अधिकारियों के

अनुसार विभिन्न कार्य मदों में लगभग शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किए जा चुके हैं, जो इस योजना की प्रभावशीलता को दर्शाता है.ईको-रेस्टोरेशन के क्षेत्र में परियोजना में बेहतर काम होने का दावा किया गया है. पहले फेज में निर्धारित 38,000 हेक्टेयर के मुकाबले 38,393 हेक्टेयर क्षेत्र में पुनर्स्थापना कार्य पूरा किया जा चुका है. यह न केवल वन क्षेत्रों के पुनर्जीवन की दिशा में बड़ा कदम है, बल्कि जल संरक्षण और जैव विविधता को भी मजबूती देता है. वित्तीय प्रगति की बात करें तो 807 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 95 प्रतिशत से अधिक राशि व्यय की जा चुकी है, जबकि 93 प्रतिशत से अधिक प्रतिपूर्ति दावे भी प्राप्त हो चुके हैं.

यह बताता है कि परियोजना न केवल समयबद्ध है, बल्कि वित्तीय अनुशासन के साथ भी आगे बढ़ रही है.परियोजना के सामाजिक पहलुओं पर भी विशेष ध्यान दिया गया है. 839 वन पंचायतों में 1503 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है, जबकि 20 क्लस्टर फेडरेशन भी सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं. इसके अलावा, राज्य स्तर पर एक शीर्षस्थ फेडरेशन की स्थापना भी की गई है, जो इन समूहों के समन्वय और सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है.आजिविका संवर्धन के तहत 18 मूल्य वृद्धि श्रृंखलाओं पर कार्य किया गया है, जिसमें सेब उत्पादन, मधुमक्खी पालन और अखरोट रोपण जैसे कार्य शामिल हैं. इन गतिविधियों ने स्थानीय समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है.

भू-कटाव की समस्या से निपटने के लिए भी परियोजना के तहत विशेष पहल की गई है. तीन मॉडल साइट्स और चार कैंडिडेट साइट्स पर जापानी तकनीक के अनुरूप कार्य किए जा रहे हैं, जिन्हें इस माह के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. इससे पहाड़ी क्षेत्रों में मृदा संरक्षण और भूस्खलन की घटनाओं को कम करने में मदद मिलेगी.इस बीच परियोजना के दूसरे चरण यानी फेज-2 की प्रारंभिक रिपोर्ट भी तैयार कर ली गई है. वर्ष 2026 से 2035 तक प्रस्तावित इस 10 वर्षीय परियोजना की कुल लागत 1500 करोड़ रुपये आंकी गई है, जिसमें 85 प्रतिशत हिस्सा जायका और 15 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा. फेज-2 के तहत राज्य के 47 वन रेंजों को शामिल करने का प्रस्ताव है.

दिल्ली: सिरसा ने प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए डीआरएस मॉडल्स का अध्ययन करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने पर्यावरण विभाग को नॉन-बायोडिग्रेडेबल कचरे की समस्या से निपटने के लिए डिपॉजिट रिटर्न स्कीम (डीआरएस) लागू करने की संभावनाओं पर विस्तृत अध्ययन करने के निर्देश दिए हैं। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा की अध्यक्षता में हुई उच्च-स्तरीय बैठक में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्लास्टिक और अन्य कचरे से जुड़ी गंभीर समस्या पर चर्चा की गई। यह कचरा नालों को जाम कर रहा है, जल स्रोतों को प्रदूषित कर रहा है, मिट्टी को नुकसान पहुंचा रहा है और खुले में जलने से वायु प्रदूषण बढ़ा रहा है। बैठक के दौरान सिरसा ने कहा, यह स्कीम अन्य राज्यों में सफल रही है और दिल्ली को भी अपनी शहरी चुनौतियों के अनुसार इसे अपनाने पर विचार करना चाहिए, ताकि जल्दी और ठोस परिणाम मिल सकें। उन्होंने इस संबंध में स्टैंडिंग ऑर्डर जारी करते हुए पर्यावरण विभाग को कहा है कि वे इन मॉडलों का विस्तृत अध्ययन करें, दिल्ली के लिए उपयुक्त डीआरएस ढांचा तैयार करें और फाइनेंशियल मैकेनिज्म, संस्थागत व्यवस्था, स्टेकहोल्डर्स की जिम्मेदारियां और लागू करने की रणनीति को शामिल करते हुए एक व्यापक प्रस्ताव एक महीने के भीतर तैयार करें। सिरसा ने इस पहल के जनहित पहलू पर जोर देते हुए कहा, नागरिकों, व्यवसायों और रीसाइक्लर्स को साथ लेकर डीआरएस न केवल प्रदूषण कम करेगा, बल्कि दिल्ली को स्वच्छ और हरित बनाने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के विजन के तहत हम दिल्ली को स्वच्छ सांस लेने और सस्टेनेबल बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। यह पहल प्रदूषण-मुक्त भविष्य के लिए दिल्ली सरकार की नवाचारी और जन-केंद्रित सोच को दशार्ती है। डिपॉजिट रिटर्न स्कीम (डीआरएस) एक इंसेंटिव आधारित सिस्टम है, जिसमें प्लास्टिक बोतल या पैकेजिंग जैसी कुछ वस्तुओं पर खरीद के समय एक छोटा रिफंडेबल डिपॉज़िट लिया जाता है। जब उपभोक्ता इन खाली वस्तुओं को निर्धारित कलेक्शन पॉइंट्स जैसे दुकानों या रीसाइक्लिंग सेंटर पर वापस करते हैं, तो उन्हें यह राशि वापस मिल जाती है। इससे कचरे का सही तरीके से अलग-अलग संग्रह और रीसाइक्लिंग बढ़ती है और इधर-उधर फेंका जाने वाला कचरा कम होता है। गोवा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में डीआरएस लागू किया गया है, जहां इसके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। दुनिया के 40 से अधिक देशों में डीआरएस लागू है, जहां कई रिपोर्ट्स के अनुसार 90 प्रतिशत से अधिक रिटर्न रेट हासिल होता है। जर्मनी और स्वीडन जैसे देशों में यह दर लगभग 96 प्रतिशत तक बताई गई है। डीआरएस से सरकार को कचरा प्रबंधन की लागत कम करने में मदद मिलती है, साथ ही लोगों में जिम्मेदारी से कचरा निपटान की आदत भी विकसित होती है।

बेरोजगारी और नशा तस्करी को लेकर देवेंद्र यादव ने जताई चिंता

बोले-संविधान को मजबूत रखना हम सबकी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने अंबेडकर जयंती पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह हम सभी लोगों के लिए खुशी का मौका है कि आज अंबेडकर जयंती है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि संविधान के निर्माण में डॉ. अंबेडकर की ओर से दिया गया योगदान काफी अहम है। उन्होंने संविधान में सभी लोगों को समानता का अधिकार दिया। उन्होंने दावा किया कि आज की तारीख में देश के हालात ठीक नहीं हैं। ऐसी स्थिति में हमारे लिए यह जरूरी हो जाता है कि हम संविधान में बाबा साहेब द्वारा बताए गए सिद्धांतों को अपने व्यावहारिक जीवन में लागू करें। हम लोग भाईचारा बढ़ाएं और जो साथी पिछड़े हैं, उन्हें बराबर में लाने का काम करें। प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि आज डॉ अंबेडकर जयंती को कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने भी मनाया। इस खास मौके पर हम सभी लोगों ने यह भी संकल्प लिया कि हम संविधान को किसी भी सूरत में कमजोर नहीं पड़ने देंगे। हम सभी लोग सबको साथ लेकर देश की तरक्की के लिए काम करेंगे। इसके अलावा, उन्होंने नोएडा में श्रमिकों की ओर से वेतन वृद्धि को लेकर किए गए विरोध प्रदर्शन पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि न्यूनतम वेतन गारंटी सभी का अधिकार है। इससे किसी को भी वंचित नहीं किया जा सकता। साथ ही, उन्होंने बेरोजगारी को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज की तारीख में देश में बेरोजगारी बढ़ रही है। पहले लोग इस आस से दिल्ली की ओर रवाना हुआ करते थे कि उन्हें रोजगार मिलेगा। उन्हें इस बात की उम्मीद हुआ करती थी कि उन्हें कहीं और नहीं, तो दिल्ली में जरूर रोजगार मिलेगा, लेकिन मौजूदा स्थिति अपेक्षित स्थिति से बिल्कुल विपरीत नजर आ रही है। आज की तारीख में देशभर में नशा तस्करी और बेरोजगारी बढ़ गई है। लोगों को समझ नहीं आ पा रहा है कि क्या किया जाए। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि एसआईआर की मौजूदा प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। यह बहुत ही जल्दी में किया जाने वाला एक कार्य है, जिसे मौजूदा समय में किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इस वजह से इसमें त्रुटि हो सकती है। अब हमारी यही मांग थी कि इन त्रुटियों को खत्म किया जाए। बाकी जो कोर्ट की ओर से आदेश दिया जाएगा, उसे माना जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे डबल-इंजन सरकार की ताकत: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को दिल्ली-देहरादून राजमार्ग के उद्घाटन में भाग लिया और कहा कि दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय छह घंटे से घटकर लगभग ढाई घंटे हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा, यह डबल इंजन सरकार की ताकत है। दिल्ली लगातार बेहतर विकास की ओर अग्रसर है। पिछले वर्ष केंद्र ने दिल्ली में लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये की सड़क अवसंरचना परियोजनाएं पूरी कीं। छह लेन वाला 213 किलोमीटर लंबा दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारा 12,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया गया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह गलियारा दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से होकर गुजरता है और इससे दिल्ली और देहरादून के बीच यात्रा का समय छह घंटे से घटकर लगभग ढाई घंटे हो जाएगा। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की कई सड़कों को पुनर्विकास परियोजनाओं के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को सौंप दिया गया है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर को मिला सिर्फ 9 रुपये का इंक्रीमेंट, सोशल मीडिया पर छलका दर्द

नई दिल्ली। एनसीआर के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर अपनी जॉब से जुड़ी परेशानी शेयर की है। टेक-प्रोफेशनल ने बताया कि वह एक मशहूर टठउ में नौकरी करते हैं, लेकिन वर्ष 2025 में उसकी सैलरी में सिर्फ 9 रुपये की बढ़ोतरी हुई और इस साल यानी 2026 में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। इस मामूली बढ़ोतरी से इंजीनियर ने अपनी निराशा व्यक्त की है। इस पोस्ट को लेकर बहस छिड़ गई है, यूजर्स अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इंजीनियर बताया कि वे ऑफिस जाते हैं, क्लाइंट से मिलते हैं, लेकिन कंपनी उनके आने-जाने का खर्च नहीं उठाती। बल्कि, शटल सेवा के लिए उनकी सैलरी से पैसे काट लिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि मई 2024 में इंटर्नशिप शुरू की और बाद में परमानेंट हो गया, जब उनका पैकेज 4.25 लाख रुपये सालाना था, लेकिन हाथ में आने वाली सैलरी बहुत कम थी। अब दो साल में उनकी सैलरी में सिर्फ 9 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

आप ने धूमधाम से मनाई डॉ. अंबेडकर जयंती, सरकारी दफ्तरों से बाबा साहब की तस्वीरें हटाने पर भाजपा पर बोला हमला

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी मुख्यालय पर मंगलवार को संविधान के रचयिता बाबा साहब डॉ. बीआर अंबेडकर की 135वीं जयंती बड़ी धूमधाम के साथ मनाई गई। पार्टी के विधायकों, पार्षदों, नेताओं और कार्यकताओं ने बाबा साहब की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान कोंडली से विधायक कुलदीप कुमार ने सरकारी कार्यालयों से बाबा साहब की तस्वीरें हटाने पर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का संविधान समता, समानता, बंधुत्व, सामाजिक न्याय, महिलाओं की बराबरी की बात करता है। लेकिन जाति-धर्म की राजनीति करने वाली भाजपा बाबा साहब से नफरत करती है और इसीलिए उसने सरकारी दफ्तरों से बाबा साहब की तस्वीरें हटवा दी। ऐसे ही भाजपा सरकार ने डॉ. अंबेडकर स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का नाम बदल कर सीएम श्री कर दिया। देश का दलित समाज बाबा साहब के इस अपमान को कभी नहीं भूलेंगे। पार्टी मुख्यालय पर आयोजित डॉ. अंबेडकर जयंती समारोह के दौरान विधायक कुलदीप कुमार ने कहा कि बाबा साहब आंबेडकर देश की एक ऐसी शख्सियत हैं, जिनका जन्मदिन पूरे विश्व के लगभग 152-153 देशों में बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। बाबा साहब ने देश को जातियों में बांटने का नहीं, बल्कि एक सूत्र में बांधने का मंत्र दिया था। उन्होंने यह सिखाया कि लोग कैसे एकजुट रह सकते हैं और कैसे एक समतामूलक समाज का निर्माण किया जा सकता है। बाबा साहब ने एक ऐसा संविधान दिया जो समता, समानता, बंधुत्व और सामाजिक न्याय की बात करता है, सभी महिलाओं के लिए बराबरी और समान मतदान के अधिकार की वकालत करता है। कुलदीप कुमार ने कहा कि एक तरफ देश में ऐसी विचारधाराएं हैं जो बाबा साहब के संविधान को खत्म करना चाहती हैं। उन्हें पता है कि जब तक यह संविधान है, वे लोगों को जाति-धर्म के नाम पर आपस में लड़ा नहीं सकते। वे रंग-भेद, पढ़े-लिखे या अनपढ़ और यूपी-दिल्ली के नाम पर भेदभाव नहीं कर सकते। उनकी इस साजिश के सामने डॉ. बी.आर. आंबेडकर का संविधान एक चट्टान की तरह खड़ा है, जो सबको संरक्षण देता है। उन्होंने कहा कि आजकल के आरएसएस के लोगों को बोलने की आजादी, शिक्षा और स्वास्थ्य के अधिकारों से नफरत है। उन्होंने संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा जमा लिया है। लेकिन उन्हें समझ लेना चाहिए कि देश का बहुजन समाज जाग चुका है। तानाशाहों की तानाशाही अब ज्यादा दिन टिकने वाली नहीं है, जागा हुआ समाज अब सत्ता पलट कर रहेगा। कुलदीप कुमार ने कहा कि देश के गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं कि लोग इतना अंबेडकर-अंबेडकर करते हैं, अगर इतनी बार भगवान का नाम लिया होता तो स्वर्ग मिल जाता। अमित शाह की बाबा साहब और दलितों के प्रति नफरत साफ नजर आती है। लेकिन देश के शोषितों को तो 26 जनवरी 1950 को ही स्वर्ग मिल गया था, जब बाबा साहब ने देश का संविधान लागू किया था। शोषित समाज के लिए बाबा साहब किसी भगवान से कम नहीं हैं। कुलदीप कुमार ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार से पहले जो लोग बाबा साहब को मानते थे, उन्हें अपने कार्यालयों में उनकी तस्वीर लगाने के लिए अदालतों में मुकदमे लड़ने पड़ते थे। कई लोगों ने तो अपनी नौकरियां तक खो दीं, लेकिन वे संघर्ष में डटे रहे। इसके बाद देश की राजनीति में अरविंद केजरीवाल आए, जिन्होंने यह सरकारी आदेश जारी किया कि किसी भी सरकारी कार्यालय में ससम्मान बाबा साहब अंबेडकर की तस्वीर लगाना अनिवार्य है। यह आदेश आरएसएस और भाजपा की सोच वाले लोगों को बहुत खल गया और भाजपा की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पद संभालते ही बाबा साहब अंबेडकर की तस्वीर को हटाकर नरेंद्र मोदी की तस्वीर लगा दी।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे दिल्ली के लिए साबित होगा मील का पत्थर : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को जनता को समर्पित किया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी इस कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़ीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन बेहद खास और शुभ है। देश के लोकतंत्र के मजबूत स्तंभ भारत-रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर प्रधानमंत्री ने लगभग 12,000 करोड़ रुपए की लागत से बने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को देश को समर्पित किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि 12,000 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित यह एक्सप्रेसवे दिल्ली और देहरादून के बीच यात्रा समय को लगभग छह से सात घंटे से घटाकर मात्र दो से ढाई घंटे कर देगा। उन्होंने इसे केवल दूरी कम करने वाला प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि दिल्ली की आधुनिकता को देवभूमि की आध्यात्मिकता से जोड़ने वाला सेतु बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों के बेहतर तालमेल से दिल्ली तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ रही है। कई प्रमुख सड़कों को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को सौंपा गया है, जिससे उनका बेहतर रखरखाव और विकास संभव हो सकेगा। लगभग 5,000 करोड़ रुपए की लागत से मुनक नहर पर बनने वाली एलिवेटेड रोड परियोजना से ट्रैफिक और सुगम होगा और जाम की समस्या भी काफी हद तक कम होगी।

अंबेडकर जयंती पर एनएसयूआई ने सामाजिक न्याय सम्मेलन का किया आयोजन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को सामाजिक न्याय सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें छात्रों और वरिष्ठ नेतृत्व की भागीदारी रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने बाबा साहेब अंबेडकर के विचारों की स्थायी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने भारतीय संविधान के माध्यम से देश को समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का मार्ग दिखाया और उनका जीवन सामाजिक न्याय, शिक्षा और अधिकारों के संघर्ष के लिए आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। इस सम्मेलन में प्रमुख नेताओं की उपस्थिति रही, जिनमें एआईसीसी के एनएसयूआई प्रभारी कन्हैया कुमार, एआईसीसी अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम, एआईसीसी समन्वयक एनएसयूआई प्रभारी अंशुल त्रिवेदी तथा एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ शामिल रहे। इस सम्मेलन में विभिन्न शिक्षण संस्थानों से बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया और संवैधानिक मूल्यों, समानता और अधिकारों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। यह कार्यक्रम जागरूकता, भागीदारी और एक न्यायपूर्ण एवं समावेशी समाज के निर्माण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस अवसर पर यह संदेश दिया गया कि अंबेडकर जयंती केवल एक स्मरण दिवस नहीं है, बल्कि सामाजिक जागरूकता, जिम्मेदारी और परिवर्तन के संकल्प का प्रतीक है।

यमुना बाढ़ सुरक्षा दीवार परियोजना को मंजूरी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी को यमुना की विनाशकारी बाढ़ से सुरक्षित रखने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली सरकार ने यमुना की बाढ़ से बचाने वाली दीवार के निर्माण को हरी झंडी दे दी है। इस परियोजना के अंतर्गत रिंग रोड के किनारे मजनू का टीला से ओल्ड रेलवे ब्रिज (ओआरबी) तक लगभग 4.72 किलोमीटर लंबी एक मजबूत सुरक्षा दीवार बनाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई है कि अगले वर्ष यमुना में बाढ़ आने से पहले इस दीवार को तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। दीवार निर्माण का प्रस्ताव पारित मुख्यमंत्री ने बताया कि हमारी सरकार ने तत्कालीन बजट में इस दीवार के निर्माण का प्रस्ताव पारित किया है। यह दीवार न केवल यमुना के पानी को रिहायशी इलाकों में घुसने से रोकेगी, बल्कि सिविल लाइंस, कश्मीरी गेट, यमुना बाजार और मजनू का टीला जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के लिए एक अभेद्य सुरक्षा कवच का काम करेगी। दशकों से ऐसा होता आ रहा है कि जब भी यमुना में जलस्तर बढ़ता है तो मजनू का टीला और उसके आसपास के निचले इलाकों से ही पानी सबसे पहले राजधानी में प्रवेश करता है। वर्ष 1978 की भीषण बाढ़ से लेकर 2023 और वर्ष 2025 की बाढ़ तक, रिंग रोड का यह हिस्सा जलमग्न होने के कारण पूरी दिल्ली की रफ्तार रोक देता था। स्थायी समाधान के लिए दीवार आवश्यक सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में यमुना ने 208.66 मीटर का अपना सर्वकालिक रिकॉर्ड स्तर छुआ था, जिसने 1978 के रिकॉर्ड को भी ध्वस्त कर दिया। 2025 में भी यमुना खतरे के निशान (205.33 मीटर) को पार कर 207.48 मीटर तक पहुंच गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह की बाढ़ की आशंका भविष्य में भी बनी रहेगी, जिसके स्थायी समाधान के लिए दीवार के निर्माण का प्रस्ताव पारित है। इस परियोजना का तकनीकी आधार अगस्त 2024 में तैयार की गई जॉइंट फ्लड कमिटी की रिपोर्ट है, जिसमें पुणे स्थित केंद्रीय जल एवं विद्युत अनुसंधान केंद्र (सीडब्ल्यूपीआरएस) के विशेषज्ञ एवं सदस्यों द्वारा हाइड्रोलिक मॉडल अध्ययन और विस्तृत डेटा विश्लेषण किया गया था। इस अध्ययन में स्पष्ट रूप से सुझाव दिया गया कि रिंग रोड के इस हिस्से पर मजबूत फ्लड प्रोटेक्शन वॉल का निर्माण ही दीर्घकालिक समाधान हो सकता है। दीवार नदी और शहर के बीच बनेगी मजबूत ढाल मुख्यमंत्री ने बताया कि यमुना के किनारे बनने वाली यह दीवार नदी और शहर के बीच एक मजबूत ढाल बनेगी, जिससे नदी का पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों पर नहीं आएगा। इस दीवार से नदी के किनारों को कटने से बचाया जा सकेगा, जिससे सड़कों और आसपास की इमारतों की नींव सुरक्षित रहेगी। इसके अतिरिक्त यह दीवार नदी के किनारे होने वाली अवैध वेस्ट डंपिंग और म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट को रोकने में मदद करेगी, जिससे यमुना का फ्लड-प्लेन सुरक्षित और नदी के पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करने में मदद मिलेगी। मॉनसून सीजन 2027 से पहले तैयार करने का लक्ष्य मुख्यमंत्री ने बताया कि इस पूरी दीवार को अगले मॉनसून सीजन 2027 से पहले तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केवल बाढ़ से सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शहरी अवसंरचना को सुदृढ़ करने, पर्यावरण संरक्षण और नागरिकों के जीवन स्तर को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक प्रभावी पहल है।

दिल्ली के घोंडा और मौजपुर से तीन लड़कियां लापता, मुस्लिम लड़कों पर बहलाने का आरोप

घोंडा और मौजपुर से तीन लड़कियां 8 अप्रैल से लापता

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

पूर्वी दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के घोंडा और मौजपुर इलाके से तीन लड़कियों के लापता होने का मामला सामने आया है। स्वजन ने आरोप लगाया है कि मुस्लिम लड़कों द्वारा तीनों को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाया गया है। तीनों लड़कियां बीते आठ अप्रैल से लापता हैं, जिसके बाद स्वजन ने संबंधित थानों में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस जांच के दौरान जब तीनों के मोबाइल फोन की लोकेशन खंगाली गई, तो उनकी आखिरी लोकेशन बिहार के सीतामढ़ी में मिली। इसके बाद मामला और गंभीर हो गया है। लड़कियों को योजनाबद्ध तरीके से बाहर ले जाया गया स्वजन का कहना है कि तीनों लड़कियों को योजनाबद्ध तरीके से बाहर ले जाया गया है। इनमें से दो लड़कियां नाबालिग हैं, जबकि एक बालिग है। मामले को लेकर स्वजन ने जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि लड़कियों की सुरक्षित बरामदगी प्राथमिकता होनी चाहिए। स्थानीय पुलिस से सहयोग नहीं मिलने का आरोप उधर, एक लड़की के स्वजन पुलिस के साथ बिहार के सीतामढ़ी पहुंचे हुए हैं और वहां तलाश कर रहे हैं। स्वजन का आरोप है कि उन्हें स्थानीय पुलिस से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा, जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह वीडियो भी देखें पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच जारी है और संबंधित राज्यों की पुलिस से समन्वय कर कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही लड़कियों का पता लगाने के प्रयास तेज किए गए हैं।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे विकास को नई रफ्तार देने वाला ऐतिहासिक कदम है: वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन पर समस्त दिल्लीवासियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मंगलवार को महावीर स्वामी पार्क में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे केवल एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि विकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम है। सचदेवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आज विकास की नई परिभाषा गढ़ रहा है और दिल्ली भी इस परिवर्तन का प्रमुख केंद्र बनकर उभरी है। लगभग 12,000 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 210 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे दिल्ली के यातायात ढांचे को सुदृढ़ करते हुए जाम की समस्या से बड़ी राहत प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केवल कनेक्टिविटी को मजबूत नहीं करती, बल्कि राष्ट्र निर्माण के व्यापक विजन का हिस्सा है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में देशभर में आधुनिक और विश्वस्तरीय एक्सप्रेस-वे का तेजी से निर्माण हो रहा है, जो भारत की आर्थिक प्रगति को नई गति दे रहा है। सचदेवा ने जानकारी दी कि वर्तमान में दिल्ली में लगभग 65,000 करोड़ रुपये के इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर कार्य चल रहा है, जिनमें से 33,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि 32,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं प्रगति पर हैं। यह आंकड़े स्वयं इस बात का प्रमाण हैं कि दिल्ली विकास के एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने कहा कि ईस्टर्न और वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे के निर्माण से दिल्ली में यातायात का दबाव कम हुआ है और लगभग 73,000 वाहन अब राजधानी में प्रवेश किए बिना ही अपने गंतव्य तक पहुंच जाते हैं। इससे न केवल यातायात सुगम हुआ है, बल्कि प्रदूषण में भी उल्लेखनीय कमी आई है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में इस परियोजना की विशेषता का उल्लेख करते हुए सचदेवा ने कहा कि गाजीपुर लैंडफिल से लगभग 10 लाख मीट्रिक टन कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण कर उसे एक्सप्रेस-वे निर्माण में उपयोग किया गया है। यह पहल वेस्ट टू वेल्थ के सिद्धांत का सशक्त उदाहरण है और सतत विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि देश में विकास की नई धारा प्रवाहित करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को विकासपुरुष कहना न केवल उचित, बल्कि समय की मांग है। कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा सहित सभी सांसद, विधायक, अन्य कार्यकर्ता एवं जनमानस की उपस्थिति रही।

दिल्ली के सुल्तानपुरी में चाकू से हमला कर लड़के की हत्या, तीन नाबालिग पकड़े

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके में कुछ नाबालिगों ने एक लड़के की कथित तौर पर चाकू से हमला कर हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के संबंध में तीन नाबालिगों को पकड़ा गया है। उन्होंने बताया कि सोमवार को सुल्तानपुरी थाने में चाकूबाजी की घटना के संबंध में पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को सूचना मिली थी और फोन करने वाले ने पुलिस को बताया कि एक लड़के पर चाकू से हमला किया गया है तथा उसे संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने बताया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही लड़के की मौत हो चुकी थी। उसने बताया कि शुरूआती जांच में यह बात सामने आई है कि मामूली बात को लेकर उसका इलाके के ही कुछ लड़कों के साथ विवाद हुआ था। अधिकारियों ने कहा कि इस विवाद की पुलिस में कभी औपचारिक शिकायत नहीं की गई थी।

मजदूर संघ ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा में मजदूरों के हिंसक प्रदर्शन पर जताई चिंता

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा की फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूरों के हिंसक विरोध प्रदर्शन पर चिंता जतायी है। बीएमएस ने यह भी कहा कि श्रमिकों के न्याय का अपहरण नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही बीएमएस ने मानेसर और नोएडा में अनुशासन एवं औद्योगिक सद्भाव का आहवान किया है। बीएमएस के राष्ट्रीय महासचिव सुरेंद्र कुमार पांडेय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि मानेसर और नोएडा के औद्योगिक क्षेत्रों में हाल में हुई श्रम अशांति की घटनाएं गंभीर चिंता का विषय हैं। इन घटनाक्रमों की जिम्मेदारी, संतुलन और दीर्घकालिक औद्योगिक सद्भाव के प्रति प्रतिबद्धता के साथ देखा जाना चाहिए। पांडेय ने कहा कि शुरूआत में यह स्वीकार करना हत्वपूर्ण है कि भारत का औद्योगिक परिदृश्य विविधतापूर्ण है। विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों में वेतन संरचना में भिन्नता आर्थिक स्थितियों, जीवन यापन की लागत और उत्पादकता स्तरों के अंतर का एक स्वाभाविक परिणाम है। इसलिए पूरे देश में पूर्णतः समान वेतन संरचना का विचार न तो व्यावहारिक है और न ही आर्थिक रूप से टिकाऊ। बीएमएस महासचिव ने कहा कि हालांकि यह स्वीकार करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि वर्तमान अशांति श्रमिकों की वास्तविक चिंताओं को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि समान औद्योगिक समूहों के भीतर वेतन विसंगतिया बढ़ती जीवन लागत, अत्यधिक संविदाकरण और प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र की कमी जैसे मुद्दों ने असंतोष को जन्म दिया है, जब इन चिंताओं को नजरअंदाज किया जाता है या उनमें देरी की जाती है, तो वे अनिवार्य रूप से अशांति के रूप में प्रकट होती है। पांडेय ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ उन सभी गैर जिम्मेदाराना कार्यों की कड़ी निंदा करता है, जिन्होंने इस स्थिति को उत्पन्न करने, बढ़ाने या इसका फायदा उठाने में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे स्पष्ट संकेत है कि कुछ निहित स्वार्थों और बाहरी तत्वों ने श्रमिकों को गुमराह करने और व्यवधान पैदा करने का प्रयास किया है। ऐसे कार्य अनुशासित ट्रेड यूनिनवाद के लोकाचार के खिलाफ है और इन्हें किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि बीएमएस दोहराता है कि श्रमिकों की जायज मांगों को विघटनकारी ताकतों द्वारा अगवा नहीं किया जाना चाहिए। हिंसा, संपत्ति को नुकसान और औद्योगिक अनुशासन का टूटना अंततः श्रमिकों के अपने हितों को भी नुकसान पहुंचाता है और श्रम न्याय के उद्देश्यों को कमजोर करता है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, बुधवार, 15 अप्रैल, 2026

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में बुआ के घर आए नाबालिग की चाकू घोंपकर हत्या, तीन नाबालिग पकड़े

बाहरी दिल्ली। सुल्तानपुरी में अपनी बुआ के घर आए 16 वर्षीय नाबालिग की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। हत्या की वजह आपसी रंजिश बताई जा रही है। स्वजन का कहना है कि छह माह पहले भी हमला हुआ था, इसके बाद बुआ का घर छोड़कर अपने माता-पिता के पास होलंबी कलां गांव में रहने लगा था। इसके बाद पहली बार कल अपनी बुआ के यहां सुल्तानपुरी पहुंचा था। पुलिस का कहना है कि मृतक की इलाके के लड़कों के साथ मामूली बातों पर पहले भी छोटी-मोटी कहासुनी हुई थी, जिसकी रिपोर्ट पुलिस को कभी नहीं की गई थी। इस बीच, पुलिस ने हत्या के आरोप में तीन नाबालिग को पकड़ लिया है। सोमवार शाम लगभग साढ़े सात बजे नाबालिग अपने बुआ के बेटे के साथ जा रहा था। इसी दौरान कुछ लड़के उसे सुल्तानपुरी ई-ब्लाक की तंग गली में ले गए और उस पर चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। यह वीडियो भी देखें 50 मीटर तक दौड़ा घायल नाबालिग घायल अवस्था में लगभग 50 मीटर की दूरी तक दौड़ा और गिर गया। बुआ के बेटे ने तुरंत इसकी जानकारी अपने स्वजन को दी। स्वजन ने खून से लथपथ नाबालिग को मंगोलपुरी के संजय गांधी अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दिल्ली को यमुना के बाढ़ से मिलेगी स्थायी राहत, सुरक्षा दीवार परियोजना को मिली हरी झंडी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी को यमुना की भारी बाढ़ से सुरक्षित रखने की दिशा में कदम उठाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना की बाढ़ से बचाने वाली दीवार के निर्माण को हरी झंडी दे दी है। इस परियोजना के अंतर्गत रिंग रोड के किनारे मजनूं का टीला से लोहे वाले रेलवे ब्रिज (ओआरबी) तक लगभग 4.72 किलोमीटर लंबी एक मजबूत सुरक्षा दीवार बनाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई है कि अगले वर्ष यमुना में बाढ़ आने से पहले इस दीवार को तैयार कर लिया जाएगा। ाढ़ प्रभावित सैंकड़ों परिवार को मिलेगी सुरक्षा दिल्ली सरकार ने इस बजट में इस दीवार के निर्माण का प्रस्ताव पारित किया है। यह दीवार न केवल यमुना के पानी को रिहायशी इलाकों में घुसने से रोकेगी, बल्कि सिविल लाइंस, कश्मीरी गेट, यमुना बाजार और मजनूं का टीला जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भी यमुना के बाढ के पानी को शहर में नहीं आने देगी, इससे इस क्षेत्र में यमुना के किनारे यमुना के बाढ से प्रभावित होने वाले सैकड़ों परिवारों को बचाया जा सकेगा। ह वीडियो भी देखें लंबे समय से ऐसा होता आ रहा है कि जब भी यमुना में जलस्तर बढ़ता है तो मजनूं का टीला और उसके आसपास के निचले इलाकों से ही पानी सबसे पहले राजधानी में प्रवेश करता है।

नोएडा में मजदूरों के आंदोलन से सबक ले भाजपा सरकार दिल्ली में सख्ती से लागू करे न्यूनतम मजदूरी : संजीव झा

बाबा साहब ने श्रमिकों के लिए 8 घंटे काम की व्यवस्था दी, लेकिन आज भी उनसे 12 घंटे काम लिया जा रहा है : कुलदीप कुमार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने सोमवार को न्यूनतम वेतन की मांग को लेकर हुए मजदूरों के आंदोलन से दिल्ली की भाजपा सरकार को भी सबक लेने की नसीहत देते हुए न्यूनतम वेतन कानून को सख्ती से लागू करने की मांग की है। वरिष्ठ नेता व विधायक संजीव झा ने कहा कि भाजपा की यूपी पुलिस ने लाठी के दम पर न्यूनतम वेतन की मांग कर रहे कर्मचारियों के आंदोलन को कुचलने का प्रयास किया। लेकिन यह आंदोलन थमने वाला नहीं लग रहा। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल की सरकार ने दिल्ली में श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी का कानून बनाया और सख्ती से लागू कराया, लेकिन अब भाजपा सरकार में उसका पालन नहीं हो रहा है और मजदूरों को 8-9 हजार रुपए मासिक वेतन पर काम करने को मजबूर किया जा रहा है। मंगलवार को आप मुख्यालय पर विधायक कुलदीप कुमार के साथ प्रेस वार्ता कर संजीव झा ने कहा कि आज एक तरफ पूरा देश बाबा साहब की जयंती मना रहा है। आज हमारा देश जिस मुकाम पर पहुंचा है, उसका सबसे बड़ा कारण बाबा साहब द्वारा दिया गया संविधान है। इस संविधान ने सबको बराबरी का अवसर दिया है। बाबा साहब हमेशा कहा करते थे कि इस संविधान का सही उपयोग तभी होगा जब समाज में सामाजिक लोकतंत्र स्थापित होगा। कानून में तो बराबरी है, लेकिन जब तक समाज में बराबरी नहीं होगी, तब तक इस संविधान का सही मायने में सदुपयोग नहीं हो सकेगा। संजीव झा ने आगे कहा कि सोमवार को उत्तर प्रदेश के नोएडा में मजदूर अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे और उन मजदूरों के आंदोलन को दबाने के लिए पुलिस ने दमनकारी रास्ता अख्तियार किया। एक तरफ देश में महंगाई चरम पर है और दूसरी तरफ आज मजदूरों को महज आठ-नौ हजार रुपए मजदूरी दी जा रही है। दिल्ली की पूर्व अरविंद केजरीवाल सरकार देश की एकमात्र ऐसी सरकार थी, जिसने यह तय किया कि न्यूनतम मजदूरी 15,000 रुपए से ज्यादा होनी चाहिए। इसके लिए अरविंद केजरीवाल ने अलग-अलग श्रेणियां भी बनाईं। लेकिन आज कानून का दुरुपयोग किया जा रहा है। मजदूरों को उनकी उचित मजदूरी नहीं दी जा रही है और मजबूरन उन्हें सड़कों पर आना पड़ रहा है। संजीव झा ने भाजपा वाले बाबा साहब की जयंती के अवसर पर बड़े-बड़े आयोजन तो कर रहे हैं, लेकिन उनके उन सपनों का क्या, जिसमें वे चाहते थे कि इस देश में गैर-बराबरी न हो, मजदूरों का शोषण न किया जाए और उन्हें उनका उचित हक दिया जाए। अगर वास्तव में भाजपाई बाबा साहब का सम्मान करते तो मजदूरों को सड़कों पर नहीं आना पड़ता और अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए लाठियां नहीं खानी पड़तीं। संजीव झा ने आगे कहा कि भाजपा और उसकी सरकारों के इस दोहरे रवैये का शिकार पूरा देश हो रहा है। एक तरफ उनकी गलत नीतियों के कारण रोज महंगाई बढ़ती जा रही है और दूसरी तरफ लगातार मजदूरों का शोषण बढ़ता जा रहा है। ऐसी सोच वाली सरकारों को बाबा साहब की जयंती पर कार्यक्रम करने का कोई अधिकार नहीं होना चाहिए। आम आदमी पार्टी उम्मीद करती है कि कम से कम बाबा साहब की खातिर, जिनके अधिकारों के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन संघर्ष किया, शोषितों के साथ सरकार का यह शोषण और गैर-बराबरी वाला रवैया समाप्त होगा। मजदूरों को अपनी आवाज उठाने का अवसर दिया जाए और वे जिन मांगों को लेकर सड़कों पर हैं, उन्हें पूरा किया जाए। कोंडली विधायक कुलदीप कुमार ने कहा कि एक तरफ देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्षरधाम के पास रैली कर रहे हैं और दूसरी तरफ वहां से मात्र पांच किमी दूर नोएडा के अंदर देश के कामगार, मजदूर और दलित समाज के लोग आंदोलन कर रहे हैं। इस आंदोलन की मांग वही है, जिसे बाबा साहब आंबेडकर ने अपने श्रम कानूनों के माध्यम से समर्थन दिया था।

अंबेडकर समानता और सामाजिक न्याय के दृढ़ समर्थक रहे : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर समानता और सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक रहे। उन्होंने यह विचार आज दिल्ली विधान सभा परिसर में आयोजित डॉ. अंबेडकर की 136वीं जयंती के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद व्यक्त किए। बाबा साहेब की महान विरासत का उल्लेख करते हुए गुप्ता ने कहा कि डॉ. अंबेडकर भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार थे। उन्होंने संविधान को एक अद्वितीय और दूरदर्शी दस्तावेज बताते हुए कहा कि यह आज भी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का मार्गदर्शन कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचार आज के समय में भी उतने ही प्रासंगिक हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया, जिनमें महिला सफाई कर्मी भी शामिल थीं। उनकी उपस्थिति डॉ. अंबेडकर के प्रति समाज के सभी वर्गों में व्याप्त गहरे सम्मान और श्रद्धा को दशार्ती है। अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि अंबेडकर के आदर्श और दृष्टि आज भी एक समावेशी, न्यायपूर्ण और समानतापूर्ण समाज के निर्माण के लिए प्रेरणा प्रदान करते हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि शासन और सार्वजनिक जीवन में इन सिद्धांतों को आगे बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। विजेंद्र गुप्ता ने यह भी उल्लेख किया कि अंबेडकर की जयंती को उनके महान योगदान के सम्मान में राजपत्रित अवकाश घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न से सम्मानित अंबेडकर को समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए उनके अद्वितीय योगदान के लिए सदैव स्मरण किया जाएगा।

ITC Sunfeast Farmlite ने सेहतमंद स्नैक्स पसंद करने वालों के लिए पेश की शुगर-फ्री कुकीज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

समय के साथ भारतीय उपभोक्ताओं में भी जागरूकता बढ़ी है और लोग धीरे-धीरे ज्यादा सेहतमंद विकल्पों की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। इसी को देखते हुए, ITC Foods की आपके लिए सबसे बेहतर बिस्किट श्रेणी, ITC Sunfeast Farmlite ने अपनी उत्पाद श्रेणी को बढ़ाते हुए, बिल्कुल नई शुगर-फ्री कुकीज को प्रस्तुत किया है। यह लॉन्च ITC के बड़े विजन– 'Help India Eat Better' के अनुरूप है। यह नई उत्पाद श्रेणी उन ग्राहकों के लिए तैयार की गई है, जो अपने रोजाना के स्नैक्स में चीनी के इस्तेमाल को कम करने के बारे में सोच रहे हैं, लेकिन स्नैक्स के स्वाद और बेहतरीन जायके से कोई समझौता नहीं करना चाहते। यह नई रेंज दो बेहतरीन फ्लेवर्स, यानी चोको नट कुकीज और हेजलनट एंड ओट्स कुकीज में पेश की गई है। ये दोनों कुकीज प्रोटीन का स्रोत हैं, साथ ही यह ट्रांस-फैट मुक्त भी है; इतना ही नहीं, हेजलनट एंड ओट्स कुकीज तो लैक्टोज मुक्त भी है। इस लॉन्च के बारे में अपनी राय जाहिर करते हुए, ITC Ltd. के बिस्किट, फूड्स डिवीजन के वाइस प्रेसिडेंट (मार्केटिंग), श्री सूरज कथूरिया ने कहा, "Sunfeast Farmlite में, हम मानते हैं कि सेहत का ध्यान रखने वाले स्नैक्स का मतलब यह नहीं है कि आप स्वाद से समझौता करें। अपनी शुगर-फ्री कुकीज रेंज के लॉन्च के साथ, हम बिना किसी पछतावे के, स्नैक्स का आनंद लेने वालों बढ़ती जरूरत को पूरा कर रहे हैं, और अपनी कुकीज में उन्हें वही बेहतरीन और लाजवाब स्वाद दे रहे हैं जिसकी वे उम्मीद करते हैं। ITC Ltd. के फूड्स डिवीजन में वाइस प्रेसिडेंट और फूड साइंसेज के हेड, डॉ. शांतनु दास ने कहा, एक भरोसेमंद फूड ब्रांड होने के नाते, हमारा फर्ज है कि हम आज के ग्राहकों की उम्मीदों को अच्छी तरह समझें और रिसर्च एंड डेवलपमेंट में अपनी विशेषज्ञता के जरिए उनके लिए सबसे बेहतर विकल्प तैयार करें। Sunfeast Farmlite शुगर फ्री कुकीज को बनाने में हमने फूड साइंस और फॉमूर्लेशन में अपनी बेहतरीन काबिलियत का इस्तेमाल किया है, ताकि ये शुगर फ्री तो रहें ही, साथ ही इनका वही लाजवाब स्वाद और बनावट भी बरकरार रहे जिसे लोग पसंद करते हैं। सेहत की अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए इन विकल्पों के जरिए, हम चाहते हैं कि सेहतमंद स्नैक्स बेहद मजेदार और भरोसेमंद होने के साथ-साथ बड़ी आसानी से आपकी रोजमर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा भी बन जाए। हर कुकी की बनावट और ताजगी बनाए रखने के लिए हमने उन्हें सिंगल-सर्व पैक में पेश किया है। दोनों तरह की कुकीज Blinkit, Swiggy Instamart और Zepto जैसे लोकप्रिय क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर 100̆ के सुविधाजनक पैक में उपलब्ध होंगी, जिनकी कीमत 100 है।

इंस्टामार्ट- कल्याण ज्वेलर्स की अनोखी पहल: अक्षय तृतीया के लिए गोल्ड प्राइस लॉक सुविधा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

अक्षय तृतीया जैसे शुभ अवसर पर सोना खरीदना भारतीय परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसी को ध्यान में रखते हुए इंस्टामार्ट और कल्याण ज्वेलर्स ने ग्राहकों के लिए एक अभिनव गोल्ड प्राइस लॉक सुविधा पेश की है, जो खरीदारी को पहले से अधिक आसान, सुरक्षित और लाभकारी बनाती है। इस पहल के तहत ग्राहक त्योहार से पहले ही सोने की कीमत लॉक कर सकते हैं, जिससे उन्हें कीमतों में उतार-चढ़ाव की चिंता से राहत मिलती है। इस सुविधा की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ग्राहक अंतिम भुगतान के समय दो कीमतों में से कम कीमत चुकाते हैं—या तो प्री-बुकिंग के दिन लॉक की गई कीमत या अक्षय तृतीया के दिन का बाजार भाव। इससे ग्राहकों को बेहतर मूल्य सुनिश्चित होता है और वे बिना जोखिम के अपनी खरीदारी की योजना बना सकते हैं। प्री-बुकिंग प्रक्रिया भी बेहद सरल रखी गई है। ग्राहक सिर्फ 5% अग्रिम भुगतान (500 से शुरू) देकर गोल्ड कॉइन बुक कर सकते हैं और 19 अप्रैल को अपनी खरीद को पूरा कर सकते हैं। इसके साथ ही, हर प्री-बुकिंग पर ग्राहकों को एक मुफ्त इक्र हॉलमार्क सिल्वर कॉइन भी मिलेगा, जो इस ऑफर को और आकर्षक बनाता है। अर्जुन चौधरी, वाइस प्रेसिडेंट (ग्रोथ), इंस्टामार्ट ने कहा, इंस्टामार्ट में, हमने हमेशा यह कोशिश की है कि खास मौकों पर भारतीयों के कीमती धातुओं की खरीदारी के तरीके में नवाचार लाया जाए। सोने की कीमत लॉक करने की सुविधा एक ऐसी पहल है, जो त्योहार के दौरान उपभोक्ताओं को सोने की कीमतों को अधिक आत्मविश्वास के साथ समझने और खरीदारी करने में मदद करती है। यह उपयोगकताओं को पहले से कीमत सुरक्षित करने और कीमत गिरने पर उसका लाभ उठाने की सुविधा देती है, जिससे हम ग्राहकों को बेहतर मूल्य प्रदान कर सकें। यह क्विक कॉमर्स को केवल सुविधा से आगे बढ़ाकर सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण खरीदारी में वास्तविक मूल्य देने की दिशा में एक कदम है। रमेश कल्याणरामन, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, कल्याण ज्वेलर्स ने कहा, सोने की कीमत लॉक करने की सुविधा कल्याण ज्वेलर्स के रिटेल शोरूम्स में पहले से ही एक पसंदीदा फीचर रही है, जो ग्राहकों को त्योहारों की खरीदारी की योजना बनाते समय अधिक भरोसा देती है। इंस्टामार्ट के साथ, हम इसे पहली बार क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर ला रहे हैं। जैसे-जैसे परंपराएं विकसित हो रही हैं, हम सोने की खरीदारी को और अधिक सार्थक और सहज बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दिल्ली के सुल्तानपुरी में नाबालिग की चाकू मारकर हत्या, इलाके में सनसनी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक नाबालिग लड़के की चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। हमले के बाद घायल अवस्था में उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद इलाके में दहशत और गुस्से का माहौल है। बताया जा रहा है कि यह कोई अचानक हुआ विवाद नहीं था, बल्कि पुरानी रंजिश का मामला है। मृतक के भाई मोहित ने आरोप लगाया कि उसके भाई रोहन को पहले से ही निशाना बनाया जा रहा था। मोहित के मुताबिक, आरोपी लड़का पहले भी करीब छह महीने पहले रोहन पर चाकू से हमला कर चुका था, लेकिन उस समय मामला शांत हो गया था और सख्त कार्रवाई नहीं हुई। मोहित ने बताया कि घटना वाले दिन आरोपी ने रोहन को बुलाया और फिर 3झ्र4 लड़कों के साथ उसे एक तरफ ले गया। वहां ले जाकर उस पर चाकू से हमला किया गया। मोहित का कहना है कि उसने अपनी आंखों से देखा कि उसके भाई रोहन को जबरदस्ती एक तरफ ले जाया जा रहा था और फिर उसे चाकू मार दिया गया। एक सुनीता नाम की महिला ने भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि गुप्ता के लड़के और उसके साथियों ने मिलकर रोहन पर हमला किया। उनका कहना है कि पहले भी उसी लड़के ने रोहन को चाकू मारा था, लेकिन उस समय मामला आपसी समझौते के नाम पर खत्म कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि वह तीन भाइयों में से एक था और अब परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिवार का कहना है कि आरोपी पक्ष की तरफ से सुनियोजित तरीके से हमला किया गया। मृतक के परिवार ने आरोप लगाया है कि पहले भी इस मामले को दबाने की कोशिश की गई थी और पुलिस तक बात पहुंचने के बावजूद कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया। आरोपी के परिवार वालों ने मामला शांत करवा दिया था। परिवार का कहना है कि रोहन अभी सिर्फ 15झ्र16 साल का था और मजदूरी करके अपने घर का खर्च चलाने में मदद करता था। परिवार के मुताबिक, रोहन हाल ही में घर लौटा था और अपने परिजनों से मिलने आया था, लेकिन उसी दौरान यह घटना हो गई।

दिल्ली: फर्जी न्यायिक अधिकारी और उसका साथी गिरफ्तार, आग्नेयास्त्र बरामद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार करके उनके पास एक आग्नेयास्त्र और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों में से एक व्यक्ति ने जाली दस्तावेजों का कथित तौर पर इस्तेमाल करके खुद को न्यायिक अधिकारी बताया था। आरोपियों की पहचान सूर्य अग्रवाल (31) और निखिल यादव (21) के रूप में हुई है। दोनों व्यक्ति उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, संसद मार्ग थाने की एक टीम ने दोनों व्यक्तियों को राष्ट्रीय राजधानी में संभावित सुरक्षा खतरों की जांच के लिए एक अभियान के बीच गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त (नई दिल्ली) सचिन शर्मा ने सोमवार को एक बयान में कहा, पांच अप्रैल को शाम करीब पांच बजे टीम ने एक संदिग्ध एसयूवी (एमजी हेक्टर) कार को रोका, जो बिना पंजिकृत नंबर प्लेट के थी और उसकी खिड़कियों पर काली फिल्म लगी थी। गाड़ी पर जज, उत्तर प्रदेश सरकार लिखा एक स्टिकर भी लगा था, जिससे संदेह हुआ। वाहनों के शीशे पर काली फिल्म लगाना प्रतिबंधित है। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ने बताया कि तलाशी के दौरान निखिल यादव के पास से एक पिस्तौल और चार कारतूस बरामद किए गए, जबकि अग्रवाल के पास पांच कारतूस मिले। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान, अग्रवाल ने खुद के एक अधिवक्ता होने और उत्तर प्रदेश का एक सिविल जज होने का दावा किया। उन्होंने बताया कि उसने एक न्यायिक पहचानपत्र और उत्तर प्रदेश अधिकारियों द्वारा जारी एक पत्र दिखाया, जिसमें दावा किया गया कि उसे दिल्ली में हथियार ले जाने की अनुमति है। अधिकारी ने बताया कि हालांकि, पड़ताल के बाद पुलिस को पता चला कि पहचापत्र और पत्र दोनों ही जाली थे तथा उनमें डिजिटल माध्यम से बदलाव किया गया था। पुलिस को पता चला कि अग्रवाल के पास उत्तर प्रदेश में जारी एक वैध हथियार लाइसेंस था, लेकिन यह लाइसेंस सिर्फ.उसी राज्य तक सीमित था और उसे दिल्ली में हथियार ले जाने की अनुमति नहीं थी। संसद मार्ग थाने में दोनों के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया।

दिल्ली पुलिस ने नरेन्द्र गिरोह के दो गुर्गों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने जहांगीरपुरी इलाके में सक्रिय नरेन्द्र गिरोह के दो कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रणधीर उर्फ विजय (25) और परवेश उर्फ मोहम्मद दानिश (28) के रूप में हुई है। उनके मुताबिक, दोनों आरोपी पहले भी लूट, डकैती जैसे कई आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) पंकज कुमार ने बताया कि एक गुप्त सूचना मिली थी कि नरेन्द्र गिरोह के दो सदस्य भलस्वा झील के पास लूट की वारदात को अंजाम देने आने वाले हैं जिसके बाद पुलिस टीम ने एक अभियान में दोनों को पकड़ लिया। कुमार ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी परवेश ने खुलासा किया कि वह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ निवासी योगेश उर्फ सचिन से अवैध रूप से 30-35 हजार रुपये में पिस्तौल और 10 हजार में देसी कट्टे खरीदता था और इनकी आपूर्ति नरेन्द्र गिरोह के सदस्यों को करता था और खुद भी दिल्ली में लूटपाट के लिए इनका इस्तेमाल करता था।

136 वीं जयंती पर भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित किए, एक सफल पत्रकार और कुशल संपादक भी थे डॉ..आंबेडकर: शिक्षाविद् डॉ.दयानंद वत्स भारतीय

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

अखिल भारतीय स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक संघ -रजि नई दिल्ली के राष्ट्रीय महामंत्री शिक्षाविद् डॉ. दयानंद वत्स भारतीय ने आज संघ के मुख्यालय बरवाला में संविधान शिल्पी भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की 136वीं जयंती पर उनकी पुण्य स्मृतियों को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। वत्स ने कहा कि डॉ.आंबेडकर बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्तित्व के स्वामी थे। वे भारत के पहले कानून मंत्री बने। उन्होंने समाज के दलितों, शोषितों और वंचित लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए उनमें सामाजिक चेतना जगाई। शिक्षित बनो, संगठित रहो संघर्ष करो का जो मूल मंत्र बाबा साहब ने दिया था उस पर चलकर ही आज दलित, शोषित और वंचित वर्ग के लोग आगे बढ़ रहे हैं। वत्स ने कहा कि बाबा साहब बहुआयामी प्रतिभा संपन्न पत्रकार एवं कुशल संपादक भी थे। उन्होंने मूक नायक, जनता, समता, बहिष्कृत भारत और प्रबुद्ध भारत नामक मराठी भाषा में पत्रिकाओं का प्रकाशन और संपादन भी किया था। इन पत्रिकाओं के माध्यम से उन्होंने समाज में जागृति लाने का कार्य किया।

हिंदुत्व के जयघोष के बीच गूंजा अखिल भारत हिन्दू महासभा का भव्य शपथ ग्रहण समारोह, सैकड़ों कार्यकताओं ने लिया राष्ट्रसेवा का संकल्प

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

अखिल भारत हिन्दू महासभा, दिल्ली प्रदेश के वरिष्ठ मीडिया प्रभारी श्री संतोष मिश्रा जी ने जानकारी देते हुए बताया कि महासभा कार्यालय पर एक ऐतिहासिक, जोशीला एवं अत्यंत भव्य शपथ ग्रहण समारोह एवं नवसदस्य स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति, संगठन शक्ति और हिंदुत्व के जयघोष से गुंजायमान कर दिया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष महंत विजय कृष्ण पांडेय जी के ओजस्वी नेतृत्व में सैकड़ों राष्ट्रनिष्ठ कार्यकताओं ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की। जय श्री राम और भारत माता की जय के गगनभेदी नारों ने कार्यक्रम को अद्भुत ऊर्जा और उत्साह से भर दिया।महंत विजय कृष्ण पांडेय जी ने सभी नवसदस्यों का पुष्पमालाओं से आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें संगठन के आधिकारिक प्रतीक चिन्ह प्रदान किए और राष्ट्र, धर्म एवं समाज की रक्षा हेतु पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि ह्हिंदुत्व की रक्षा और राष्ट्र के सम्मान के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को सदैव जागरूक, संगठित और संकल्पित रहना होगा। इस गरिमामयी समारोह में दिल्ली प्रदेश के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं समर्पित कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से डॉ. देवाशीष ओझा (महामंत्री), वरुण बठला (वरिष्ठ सोशल मीडिया प्रभारी), सुमित सिंबर (प्रदेश मंत्री), सुनील चंदेल (प्रदेश मंत्री), संजय कुमार (प्रचार मंत्री), अमित कुमार (प्रचार मंत्री) सहित अनेक गणमान्य सदस्य शामिल हुए। यह भव्य आयोजन संगठन की बढ़ती शक्ति, अटूट एकता और राष्ट्रसेवा के प्रति अडिग संकल्प का सशक्त प्रतीक बनकर उभरा। इसने स्पष्ट संदेश दिया कि दिल्ली में अखिल भारत हिन्दू महासभा निरंतर विस्तार के साथ समाज में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा रही है। कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता के लिए सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं नवसदस्यों को हार्दिक बधाई एवं साधुवाद।

सिद्धबली विहार कॉलोनी में धूमधाम से मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नजीबाबाद। कोतवाली रोड स्थित सिद्धबली विहार कॉलोनी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन डॉक्टर भीमराव अंबेडकर अनुसूचित जाति जनजाति जनकल्याण समिति, सिद्धबली विहारह्व के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला शक्ति द्वारा केक काटकर एवं बाबा साहब के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात एक विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें वक्ताओं ने बाबा साहब के विचारों और उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। गोष्ठी में श्रीमती ऊष्मा कशेरवाल, श्रीमती भुवनेश्वरी, श्रीमती हेमलता, इंद्रबंधु शास्त्री, राकेश कुमार (प्रधान पति), प्रो. जेपी गुप्ता, प्रो. मनोज कुमार तथा धनीराम सहित कई वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। समिति के अध्यक्ष रामनाथ सिंह (सेवानिवृत्त पुलिस निरीक्षक), कोषाध्यक्ष राजेश कुमार, व्यवस्थापक राम भरोसे सिंह एवं शेर सिंह (सेवानिवृत्त पुलिस निरीक्षक) का कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर अनीता, अमरजीत, सुनीता देवी, सुनीता आर्य, इंदु वर्मा, सीमा, रूबी, कुसुम देवी, सरोज वाला, राखी, रचना, सरिता देवी, रिंकल अग्रवाल, प्रवीण कुमार, मेघनाथ सिंह, कुशल पाल सिंह, अमर सिंह (जिला पंचायत सदस्य), मुन्ने सिंह, संजीव कुमार, अरविंद गौतम, रामनाथ सिंह (अध्यापक), निरंजन कुमार, पवन कुमार, परविंदर सिंह, धर्मेंद्र भूषण सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रवक्ता डॉ. जितेंद्र कुमार द्वारा किया गया।

राज्य पुलिस सेवा के नौ अधिकारी बनेंगे आईपीएस

पुलिस मुख्यालय से 27 अधिकारियों के सेवा अभिलेख विभाग ने मांगे

भोपाल, प्रातःकिरण। मध्य प्रदेश को वर्ष 2026 में नौ आइपीएस अधिकारी और मिलेंगे। इसके लिए गृह विभाग ने राज्य पुलिस सेवा से आइपीएस संवर्ग में नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। पुलिस मुख्यालय से 27 अधिकारियों के अभिलेख मांगे हैं। इनका परीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के अनुमोदन से संघ लोक सेवा आयोग को प्रस्ताव भेजा जाएगा। विभाग का प्रयास यह है कि अगस्त-सितंबर में विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक हो जाए।

राज्य पुलिस सेवा से आइपीएस संवर्ग में नियुक्त हुए अधिकारियों की सेवानिवृत्ति पर जो पद उपलब्ध होते हैं, उतने ही अगले वर्ष फिर विभागीय पदोन्नति की प्रक्रिया के माध्यम से भरे जाते हैं। 2025 में नौ अधिकारी सेवानिवृत्त हुए, जिनके स्थान पर राज्य पुलिस सेवा के नौ अधिकारियों को आइपीएस संवर्ग में नियुक्ति का अवसर मिलेगा। सूत्रों का कहना है कि इसमें 1998 से 2000 बैच के अधिकारी होंगे। 2024 की डीपीसी में कुछ नाम रोक दिए गए थे, उन्हें इस वर्ष अवसर दिया जा सकता है।

उपचुनाव की घोषणा से पहले ही दतिया में बढ़ा सियासी पारा

दतिया में ताल ठोकने को तैयार नरोत्तम

भोपाल, प्रात:किरण संवाददाता।

दतिया विधानसभा सीट को लेकर प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती का 3 साल की सजा मिलने के साथ ही दतिया में उपचुनाव की संभावना बढ़ गई है। इस संभावना के साथ ही भाजपा नेताओं में मेल-मुलाकात का दौर शुरू हो गया है। इसे उपुचनाव की तैयारी से जोड़कर देखा हा रहा है। पूर्व गृह मंत्री और दतिया से भाजपा के पूर्व विधायक नरोत्तम मिश्रा की सक्रियता बढ़ गई है। हालांकि पिछले चुनाव में उन्हें कांग्रेस के राजेंद्र भारती से हार का सामना करना पड़ा था। अब सीट खाली होने के बाद उनके फिर से चुनाव मैदान में उतरने की चर्चाएं तेज हैं। यानी 2023 में मिली हार का बदला लेने के लिए नरोत्तम दतिया उपचुनाव में ताल ठोकेंगे। उधर, कांग्रेस ने भी अपनी सक्रियता बढ़ा दी है।

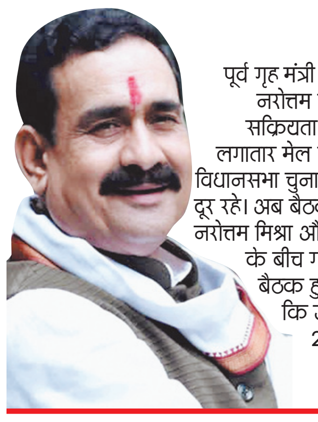

नरोत्तम की बढ़ी सक्रियता

पूर्व गृह मंत्री और दतिया से भाजपा के पूर्व विधायक नरोत्तम मिश्रा की सक्रियता बढ़ गई है। दतिया में सक्रियता के साथ ही वे भाजपा के नेताओं से भी लगातार मेल मुलाकात कर रहे हैं। साल 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में हार के बाद वे सक्रिय राजनीति से दूर रहे। अब बैठकों और चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। नरोत्तम मिश्रा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बीच गत दिवस भोपाल में बंद कमरे में सीक्रेट बैठक हुई। इस बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं कि उपचुनाव को लेकर चर्चा हुई होगी। साल 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में दतिया से राजेंद्र भारती को कांग्रेस ने अपना प्रत्याशी बनाया था।

मप्र में वर्तमान में जिस तरह के हालात बने हुए हैं उससे दतिया और विजयपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव की संभावना बनी हुई है। प्रदेश में बदले राजनीतिक घटनाक्रम के बाद सत्ताधारी दल में हलचल तेज हो गई है। दतिया सीट रिक्त घोषित होने के बाद पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने दतिया में सक्रियता बढ़ा दी है। सोशल मीडिया पर उनके समर्थक शेर इज बैक और विन दतिया मिशन हैशटैग के साथ पोस्ट शेयर कर रहे हैं। पिछले एक सप्ताह से हर दूसरे दिन नरोत्तम दतिया पहुंचकर स्थानीय लोगों से मेल-मुलाकात कर रहे हैं। इधर, पूर्व मंत्री रामनिवास रावत ने विस अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात की। दोनों के बीच बंद कमरे में चर्चा हुई।

6 महीनों में कराना होगा चुनाव

दरअसल, दिल्ली की एमपी-एमएलए कोर्ट ने दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को एफडी घोटाला मामले में दोषी पाया था और तीन साल की सजा सुनाई थी। इस फैसले को चुनौती देने के लिए भारती ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया था। जहां अदालत ने उन्हें अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। इसके साथ हाईकोर्ट ने मप्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। उच्च न्यायालय अपने फैसले में बदलाव नहीं करता है तो भारती अयोग्य रहेंगे और दतिया विधानसभा सीट पर 6 महीने के भीतर चुनाव कराने होंगे। दतिया से कांग्रेस विधायक रहे राजेंद्र भारती को तीन साल की सजा के विरुद्ध अपील पर दिल्ली हाई कोर्ट में 15 को सुनवाई है।

राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टी में बन रही रणनीति

कमलनाथ पर दांव लगा सकती हैं कांग्रेस

भोपाल, प्रात:किरण संवाददाता।

मप्र में राज्यसभा की 3 सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए भी हलचल तेज है। कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस विधायकों की क्रॉस वोटिंग रोकने की है। पार्टी आलाक्रमान मप्र से कांग्रेस के खाते में आने वाली इस इकलौती सीट को लेकर किसी भी तरह का जोखिम लेने के मूड में नहीं है। इसी रणनीति के तहत पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को मध्यप्रदेश से राज्यसभा भेजे जाने की चर्चा तेज हो गई है।

पार्टी नेतृत्व को भी आशंका है कि मप्र में विधायकों में असंतोष की स्थिति बनी हुई है। इसका असर मतदान के दौरान दिख सकता है। ऐसे में एक मजबूत, प्रभावशाली चेहरे को उम्मीदवार बनाकर विधायकों को एकजुट रखने की कोशिश की जा रही है। कमलनाथ का नाम इसी कारण आगे आया है। कमलनाथ को राज्यसभा भेजने से पार्टी आलाकमान प्रदेश संगठन को यह संदेश भी देना चाहता है कि प्रदेश कांग्रेस में सब ठीकठाक है। साथ ही, यह कदम उन विधायकों को साधने में भी मददगार हो सकता है, जो हाल के दिनों में मप्र कांग्रेस के नेताओं से असहज नजर आए हैं। हालांकि, आधिकारिक तौर पर पार्टी की ओर से अभी तक कोई नाम तय नहीं किया गया है। जिस तरह लगातार फीडबैक लिया जा रहा है, उससे साफ है कि इस बार उम्मीदवार चयन में सावधानी बरती जाएगी। अभी तक चर्चा में जो नाम सामने आए हैं उनमें सबसे मजबूत दावेदारी पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन रही है।

सरकार की महत्वाकांक्षी कामधेनु योजना के तहत आए आवेदनों से हुआ खुलासा

गाय नहीं, भैंसों पर भरोसा जता रहे मप्र के किसान

भोपाल, प्रात:किरण संवाददाता।

दुग्ध उत्पादन और पशुपालन के क्षेत्र में मप्र के किसानों का मिजाज तेजी से बदल रहा है। आज के दौर में जहां गायों की उन्नत नस्लें जैसे साहीवाल या गिर बेहतरीन दुग्ध उत्पादन के लिए जानी जाती हैं, लेकिन प्रदेश के किसान इन सभी उन्नत नस्लों की गायों को छोड़ दूध उत्पादन के लिए भैंस पालने को ही तरजीह दे रहे हैं। इस रोचक तथ्य का खुलासा सरकार की महत्वाकांक्षी डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के तहत आए आवेदनों से हुआ है। कई जिलों में पशुपालन के लिए ऋण लेने के लिए आवेदन करने वाले शत-प्रतिशत किसानों ने केवल भैंस पालन में ही रुचि दिखाई है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें डेयरी उद्योग से जोड़ा जा रहा है। प्रदेश में डेयरी उद्योग को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा अप्रैल 2025 से शुरू की गई डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना में बैंक बड़ी बाधा बन रही है। राज्य सरकार इस योजना के तहत 33 फीसदी की सब्सिडी पर 42 लाख तक की राशि उपलब्ध करा रही है, लेकिन हितग्राहियों को बैंक से लोन सेंशन कराने में विभाग के पसीने छूट रहे हैं। पिछले 10 माह में इस योजना के तहत बैंकों से सिर्फ दो दर्जन लोगों को ही लोन दिया जा सका है। जिन लोगों को लोन दिया गया है उनमें से अधिकांश ने भैंसों पर ही भरोसा जताया है।

इसलिए भैंस पहली पसंद

पशुपालकों के बीच भैंस की लोकप्रियता के पीछे मुख्य रूप से तीन कारण सामने आए हैं। पहला दूध में फैट की मात्रा। प्रदेश के स्थानीय बाजारों में दूध की कीमत अक्सर उसमें मौजूद फैट (वसा) के आधार पर तय होती है। भैंस के दूध में गाय की तुलना में अधिक फैट होता है, जिससे किसानों को बेहतर दाम मिलते हैं। दूसरा स्थानीय मांग। दरअसल, हलवाई, डेयरी संचालक और आम घरों में मावा और पनीर बनाने के लिए भैंस के गाढ़े दूध की मांग अधिक रहती है।तीसरा देखभाल और पारंपरिक सोच। प्रदेश के किसानों का मानना है कि भैंसों का प्रबंधन और उनका दूध बेचना स्थानीय परिस्थितियों में अधिक लाभदायक और आसान है।

33 फीसदी तक दिया जा रहा अनुदान

इस योजना में डेयरी उद्योग के लिए राज्य सरकार द्वारा 42 लाख रुपए तक का लोन और 33 फीसदी तक सब्सिडी दी जा रही है। इस योजना में 25 देसी गाय की नस्ल के पशु (एक यूनिट) की डेयरी स्थापित करने के लिए 36 लाख रुपए का लोन दिया जाता है। जबकी क्रॉसब्रीड, हाईब्रिड और भैंस की एक यूनिट के लिए 42 लाख रुपए की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें सामान्य और ओबीसी वर्ग को 25 फीसदी का अनुदान और अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के लिए 33 फीसदी का अनुदान दिया जा रहा है। इस योजना के लिए लाभार्थी के पास कम से कम खुद या परिवार के नाम साढ़े 3 एकड़ भूमि होना आवश्यक है। इसके बाद तीन किस्तों में लोन की राशि दी जाती है।

मप्र में सबसे ज्यादा टैक्स देते हैं कुंडम के ग्रामीण!

भोपाल, प्रात:किरण संवाददाता।

अक्सर सुर्खियों में खबरें आती हैं कि बड़े-बड़े रसूखदार और अमीर लोग टैक्स चोरी के रास्ते तलाशते हैं। लेकिन, मध्य प्रदेश के जबलपुर के एक बेहद पिछड़े और आदिवासी बाहुल्य ब्लॉक कुंडम के ग्रामीणों ने ईमानदारी की ऐसी मिसाल पेश की कि पूरा प्रदेश दंग है। कुंडम के ग्रामीण एमपी में सबसे ज्यादा टैक्स देने वाले ग्रामीण बनकर सामने आए हैं। दरअसल, देश में साल 1992 में 73वां संविधान संशोधन लाया गया था, जिसे 24 अप्रैल 1993 को लागू किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य 'आत्मनिर्भर पंचायत' और 'ग्राम सरकार' की स्थापना करना था। मध्य प्रदेश ने इस दिशा में साल 2022 के पंचायत चुनाव के बाद से एक क्रांतिकारी शुरुआत की। पूरे प्रदेश के पंचायत कर्मियों को ट्रेनिंग दी गई ताकि वे नगर निगमों की तरह अपना रेवेन्यू खुद जनरेट कर सकें।

अमीरों को आईना दिखा रहे आदिवासी

नाममात्र का टैक्स

प्रशासन ने टैक्स की दरें इतनी कम रखी हैं कि किसी पर बोझ न पड़े। 1 लाख की संपत्ति पर मात्र 200 रुपये का सालाना टैक्स देना होता है। जिला प्रशासन ने एसएआरडी संस्था के जरिए जमीनी स्तर पर जागरूकता फैलाई, जिसका असर अब दिखने लगा है। इस मुहिम में केवल छोटे घर ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित बड़े व्यावसायिक संस्थान भी भागीदार बने हैं।

रिहायशी एरिया और व्यवसायिक एरिया से कलेक्शन

उन्होंने बताया कि दो तरह की रणनीति अपनाई। जहां रिहायशी एरिया में मकानों पर बहुत कम टैक्स रखा गया, जबकि व्यावसायिक एरिया के ग्रामीण इलाकों में स्थित होटल, फार्महाउस, वेयरहाउस और अन्य कमर्शियल सेंटरों को अभियान से जोड़ा गया। बहरहाल आज यहां की पंचायतों के पास अपना बजट है, जिसे वे बिना किसी भ्रष्टाचार के अपने गांव को संवार सकती हैं। उन्होंने बताया कि पंचायती राज कानून के तहत ग्राम पंचायतों को 12 अलग-अलग प्रकार के टैक्स वसूलने का अधिकार है।

मप्र में जबलपुर सबसे आगे, आधे से ज्यादा टैक्सपेयर्स

जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत ने लोकल 18 से बताया कि पंचायत दर्पण पोर्टल के आंकड़े बताते हैं कि इस अभियान में जबलपुर ने बाकी जिलों को मीलों पीछे छोड़ दिया है। मध्यप्रदेश में अब तक कुल 65 हजार लोगों ने ग्रामीण संपत्ति कर जमा किया है, जिससे करीब 3.50 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है। प्रदेश के कुल 65 हजार ग्रामीण संपत्ति कर जमा करने वालों में 34 हजार अकेले जबलपुर के हैं। संख्या के मामले में आदिवासी ब्लॉक कुंडम नंबर-1 है। टैक्स के रूप में सबसे ज्यादा पैसा जमा करने में जबलपुर ब्लॉक पूरे मध्य प्रदेश में आगे है।

छत्तीसगढ़

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की आपराधिक अपील को किया खारिज, कहा-

लिमिटेशन कानून का करना होगा पालन

बिलासपुर, प्रात:किरण संवाददाता।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में राज्य शासन द्वारा दायर आपराधिक अपील को केवल देरी के आधार पर खारिज कर दिया. कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि विभागीय प्रक्रिया का हवाला देकर लंबी देरी को उचित नहीं ठहराया जा सकता. इस मामले में राज्य शासन ने कोरबा के विशेष न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें आरोपी संजय कुमार यादव (34 वर्ष) को आरोपों से मुक्त (डिस्चार्ज) कर दिया गया था. यह आदेश 15 अप्रैल को विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट), कोरबा द्वारा पारित किया गया था. प्रकरण में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296 तथा एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(1)(आर) व

3(1)(एस) के तहत अपराध दर्ज था. यह मामला कोरबा जिले के अजाक थाना में दर्ज अपराध से संबंधित है. विशेष न्यायालय ने साक्ष्यों के अभाव में आरोपी को आरोपों से मुक्त कर दिया था, जिसके खिलाफ राज्य ने हाईकोर्ट में अपील दायर की. राज्य की ओर से दायर अपील में 108 दिन की देरी हुई थी. राज्य के वकील ने तर्क दिया कि फाइल प्रक्रिया, विधि एवं विधायी कार्य विभाग से अनुमोदन, तथा महाधिवक्ता से राय लेने में समय लगने के कारण देरी हुई, जो जानबूझकर नहीं थी. मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति संजय कुमार जायसवाल ने कहा कि, केवल विभागीय प्रक्रिया का हवाला देकर देरी को माफ नहीं किया जा सकता. राज्य को भी लिमिटेशन कानून का पालन करना होगा. सरकारी अधिकारियों की लापरवाही या ढिलाई को उचित कारण नहीं माना जा सकता. कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि राज्य को किसी प्रकार की विशेष छूट नहीं दी जा सकती. हाईकोर्ट ने स्टेट ऑफ मध्यप्रदेश बनाम रामकुमार चौधरी (2024) मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी अत्यधिक देरी पर सख्त रुख अपनाया है और 1788 दिनों की देरी वाली अपील को खारिज कर दिया था.

कांग्रेस नेत्री कमल झज्ज का महामंत्री पद से इस्तीफा, हाल ही में हुई थी नियुक्ति

जगदलपुर, प्रातःकिरण। बस्तर में कांग्रेस के अंदर एक बार फिर अंदरूनी कलह सामने आई है, जहां कांग्रेस नेत्री कमल झज्ज ने महामंत्री पद से इस्तीफा दिया है। बता दें कि विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी ने कमल झज्ज को निष्कासित किया था। हाल ही में उन्हें पुनः बहाल करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी में महामंत्री नियुक्त किया गया था। निजी अस्वस्थता को कारण बताते हुए उन्होंने बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष को अपना इस्तीफा दिया है।

डीएड अभ्यर्थियों के आमरण अनशन का 112वां दिन

अंबेडकर जयंती पर निकाली संविधान रैली को गेट पर ही पुलिस ने रोका

रायपुर, प्रात:किरण संवाददाता।

हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करते हुए सहायक शिक्षक पद पर नियुक्ति की मांग को लेकर डीएड अभ्यर्थी चार महीने से आमरण अनशन पर हैं। अंबेडकर जयंती पर मंगलवार को अभ्यर्थियों ने संविधान रैली निकाली, जिसे पुलिस ने धरना स्थल के गेट पर ही रोक दिया। इस दौरान डीएड अभ्यर्थियों ने कहा कि जब तक 2300 सहायक शिक्षक पदों पर नियुक्ति नहीं दी जाती तब तक उनका आंदोलन और आमरण अनशन जारी रहेगा।

बता दें कि छत्तीसगढ़ के डीएड अभ्यर्थियों द्वारा अपनी वैध नियुक्ति की मांग को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन आमरण अनशन आज 112वें दिन में प्रवेश कर चुका है। यह संघर्ष शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से लगातार जारी है, लेकिन अब तक शासन-प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

अबूझमाड़ की बदली तकदीर

अब ट्रैक्टर से घर तक पहुंच रही जिंदगी की राहत

कभी 50 किमी पैदल चलकर मिलता था राशन आधा ले जाते थे नक्सली

नारायणपुर, प्रात:किरण संवाददाता।

घने जंगलों, ऊंचे पहाड़ों और उफनते नदी-नालों के बीच बसा अबूझमाड़ज एक ऐसा इलाका, जो दशकों तक देश के नक्शे पर होते हुए भी विकास की रोशनी से अछूता रहा। यह वही जमीन है, जहां वर्षों तक बंदूक की आवाज ने शासन की आवाज को दबा दिया था, जहां नक्सलियों की समानांतर सरकार चलती थी और जहां एक-एक दाना अनाज भी संघर्ष की कहानी कहता था। लेकिन अब तस्वीर बदल रही हैज और यह बदलाव सिर्फ आंकड़ों में नहीं, बल्कि ग्रामीणों की आंखों में लौट आई उम्मीद, चेहरे पर आई मुस्कान और जीवन में आई सहजता में साफ झलकता है।

अबूझमाड़ का नाम सुनते ही एक ऐसा भूगोल सामने आता है, जहां पहुंचना ही किसी चुनौती से कम नहीं। बीते पांच दशकों तक यह इलाका नक्सल प्रभाव के सबसे गहरे साये में रहा। नक्सलियों ने यहां विकास को जड़ से रोक रखा था,सड़क, पुल, स्कूल, राशन दुकान हर सुविधा पर जैसे बंदूक की पहरेदारी थी।यदि कहीं सड़क या पुलिया बनने की कोशिश होती, तो आईईडी लगाकर उसे उड़ा दिया जाता। प्रशासन की पहुंच लगभग शून्य थी और ग्रामीण अपने ही देश में मानो अलग-थलग पड़ गए थे। 35 किलो चावल के लिए 50 से 60 किलोमीटर का पैदल सफर और 2 से 3 दिन का

समय,कंधों पर बोझ, पैरों में छाले और मन में डर,ग्रामीण बताते हैं कि कई बार उन्हें नदी-नाले पार करते हुए जान का जोखिम उठाना पड़ता था। और जब किसी तरह राशन लेकर गांव पहुंचते, तो उसमें से भी लगभग आधा हिस्सा नक्सलियों को देना पड़ता था। यानी भूख से लड़ते इंसान से उसका हक भी छीन लिया जाता था।

ऐसा ही एक गाँव है ढोढरबेड़ा जो गवाह है उस दौर का,जिला मुख्यालय से करीब 85 किलोमीटर दूर स्थित ढोढरबेड़ा गांव आज भी उस दर्दनाक अतीत की कहानी अपने भीतर समेटे हुए है।वर्ष 1997-98 में यहां पीडीएस गोदाम बनाया गया था,उम्मीद थी कि गांव आत्मनिर्भर होगा, लोगों को राहत मिलेगी।लेकिन नक्सलियों के बढ़ते दबाव और खतरे के कारण महज दो वर्षों में ही यह गोदाम बंद हो गया। इसके बाद ग्रामीणों को 20 किलोमीटर दूर ओरछा ब्लॉक मुख्यालय तक पैदल जाना पड़ता था। रास्ते में नक्सलियों का डर, वापसी में भारी बोझ और अंत में उस राशन का भी एक बड़ा हिस्सा नक्सलियों को सौंपना पड़ता था।

आज भी ढोढरबेड़ा के पीडीएस गोदाम की दीवारों पर लिखे नक्सली नारे और चुनाव बहिष्कार जैसे संदेश उस काले दौर की खामोश गवाही देते हैं। वहीं सुरक्षा, संकल्प और सिस्टम अचानक बदलाव नहीं आया, इसके पीछे है,सुरक्षा बलों का लगातार बढ़ता दायरा, पुलिस कैंपों की स्थापना, और शासन-प्रशासन की सक्रिय एवं संवेदनशील पहल।केंद्र सरकार की नक्सल मुक्त भारत की रणनीति और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के स्पष्ट संकल्प ने जमीनी स्तर पर असर दिखाना शुरू किया है।

सुरक्षा बलों ने न सिर्फ नक्सलियों के प्रभाव को कमजोर किया, बल्कि उन इलाकों में भरोसा भी कायम किया, जहां पहले सिर्फ डर था। और नारायणपुर कलेक्टर नम्रता जैन की पहल ने इस बदलाव को गति दी। अब पीडीएस गोदाम से राशन ट्रैक्टर के जरिए सीधे गांवों तक पहुंचाया जा रहा है।

आज स्थिति यह है कि अबूझमाड़ के 18 से अधिक गांवों में ट्रैक्टर से राशन वितरण हो रहा है। जिन गांवों में कभी सचिव तक नहीं पहुंच पाता था, वहां अब सरकारी योजनाएं दस्तक दे रही हैं।इसके साथ ही कई स्थानों पर नए पीडीएस गोदामों का निर्माण भी जारी है, ताकि आने वाले समय में यह व्यवस्था और मजबूत हो सके।

रात के अंधेरे में पुराने पुल में लगे पोल की चोरी कर रहे थे चोर, ग्रामीणों ने खदेड़ा

गरियाबंद, प्रात:किरण संवाददाता।

चोरों ने रात के अंधेरे में पीडब्ल्यूडी के पुराने पुल से पोल की चोरी की कोशिश की। गनीमत रही कि समय रहते ग्रामीणों की नजर उन पर पड़ गई और चोरी की इस कोशिश को नाकाम कर दिया। लेकिन घटना के दो दिन बाद भी कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिल रही है, वहीं पुलिस कार्रवाई के लिए लिखित शिकायत का इंतजार कर रही है। जिला मुख्यालय से 2 किमी दूरी पर स्थित ग्राम सढोली आमदी के बीच नाले पर स्थित

पुराने पुलिया में लगे पोल (दोम) की चोरी की कोशिश हुई थी। शनिवार रात करीबन 10 बजे 2 ट्रैक्टर में दो दोम को फेकलेन मशीन से लाद दिया गया। चोरों को हरकत को देखते हुए ग्रामीण सड़क पर एकत्रित हो गए। दोम लदा ट्रैक्टर बाहर आया तो ग्रामीणों की भीड़ ने उसे रोक लिया। मौजूद चालकों ने इसे सढौली से लगे बृंदावन कृषि फार्म में ले जाना बताया। ग्रामीणों को गड़बड़ी की शक तब हुई जब विभाग के अनुमति लेकर इसे ले जाने की दलील दी गई। ग्रामीणों का तर्क था कि अगर यह वैधानिक कार्य होता तो दिन में होता, दूसरा तथ्य यह था कि काम में स्थानीय ट्रैक्टर के बजाए धमतरी जिले के ट्रैक्टर का इस्तेमाल किया गया। पुल अनुपयोगी था, पर पुराना पोल काम का था, वर्तमान में एक पोल की लागत लगभग 10 हजार है।

सम्पादकीय

धोखा फरेब नाकामी की पटकथा रही इस्लामाबाद वार्ता

मनोज कुमार अग्रवाल

करीब डेढ़ महीने से से अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुई इस्लामाबाद वार्ता बेनतीजा खत्म हो गई। 21 घंटे की चर्चा के बावजूद ईरान और अमेरिका में आपसी सहमति नहीं बन पाई तो अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने लाव-लश्कर के साथ अमेरिका वापस लौट गए और जाते-जाते कह गए कि यह ईरान के लिए बुरी खबर है कि कोई समझौता नहीं हुआ। लेकिन जो ईरान 28 फरवरी को अपने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई की शहादत से लेकर मिनाब में डेढ़ सौ बच्चियों की जान जाने तक कई बुरी खबरों को झेलकर भी अपनी शर्तों पर टिका हुआ है, उसे अमेरिका भला एक वार्ता के विफल होने से क्या हिला पाएगा। असल में तो इस्लामाबाद वार्ता की असफलता अमेरिका के लिए बुरी खबर है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य की चाबी अब भी ईरान के हाथ में ही है और इससे भी बढ़कर उसके पास सिर न झुकाने का जो जज्बा है, वो अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के पास नहीं है। ट्रंप नेतन्याहू की मर्जी से युद्ध छेड़ते हैं और समझौता भी नहीं कर पाते, क्योंकि नेतन्याहू ऐसा नहीं चाहते। आपको बता दें बीते दिनों न्यूयार्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें बताया गया कि बेंजामिन नेतन्याहू 11 फरवरी को अमेरिका में थे, जहां उन्होंने ट्रंप के सामने एक पूरी रणनीति बताई थी कि ईरान पर हमला करना चाहिए, क्योंकि वह अभी कमजोर है। इससे ईरान में सत्ता बदली जा सकती है और उसके संसाधनों पर कब्जा भी किया जा सकता है। नेतन्याहू ऐसे ही प्रस्ताव पहले बराक ओबामा, जो बाइडेन और जार्ज बुश को भी दे चुके थे, लेकिन इन तीनों राष्ट्रपतियों ने अपने कार्यकाल में ऐसा कोई फैसला नहीं लिया। यह खुलासा पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने हाल ही में किया है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप नेतन्याहू की बात मानने को मजबूर हो गए। क्या इसके पीछे एपस्टीन फाइल्स के खुलासे हैं, इस सवाल का जवाब अभी मिलना बाकी है। बहरहाल, यह वार्ता बेनतीजा रही, क्योंकि एक तरफ इजरायल लेबनान पर अपने हमले नहीं रोक रहा था, जबकि ईरान की 10 शर्तों में यह एक अहम शर्त थी कि लेबनान पर हमले रुकने चाहिए। दूसरी तरफ अमेरिका ने भी अपने रुख में इंच भर का बदलाव नहीं दिखाया। अमेरिका-ईरान वार्ता बिना नतीजे के खत्म हो गई. लेकिन बातचीत के नाम पर असली फायदा डोनाल्ड ट्रंप ने उठाया है. अमेरिका ने होर्मुज में माइंस हटाने वाले जहाज भेज दिए हैं. वहीं पाकिस्तान ने भी सऊदी अरब में जेट भेजे हैं. इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या बातचीत के नाम पर ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति अपनाई गई. कहीं बातचीत में उलझाकर उसे फिर से धोखा तो नहीं दिया गया। क्योंकि बातचीत के बीच ही अमेरिका ने माइंस हटाने के लिए अपने दो सैन्य जहाजों को होर्मुज के पार ईरान के पास भेज दिया है. करीब 21 घंटे तक चली मैराथन बातचीत के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को खाली हाथ लौटना पड़ा. वेंस ने साफ कहा कि अमेरिका ने अपनी ह्यरेड लाइनह्व बता दी थी, लेकिन ईरान ने उन्हें मानने से इनकार कर दिया. दूसरी तरफ ईरान का आरोप है कि अमेरिका ने जरूरत से ज्यादा शर्तें थोप दीं और बातचीत को संतुलित नहीं रखा.यहां यह भी गौरतलब है कि दोनों पक्षों के बीच 5 अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य, परमाणु कार्यक्रम, युद्ध की भरपाई, ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाना और ईरान के खिलाफ तथा पूरे क्षेत्र में चल रहे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने जैसे विषय शामिल रहे। लेकिन इन मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। अमेरिका न ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाने के लिए तैयार हुआ, न उसने होर्मुज पर अपना रुख साफ किया। दरअसल पिछले दस दिनों में ही ट्रम्प दो बिल्कुल अलग-अलग बातें कह चुके हैं। पहले उन्होंने कहा था कि होर्मज में अमेरिका की कोई खास दिलचस्पी नहीं है, अमेरिका को वहां से गुजरने वाले तेल की जरूरत नहीं है। फिर कुछ ही दिनों बाद उन्होंने कहा कि यह अमेरिका की मांगों का सबसे जरूरी हिस्सा है, और अगर इसे खुला नहीं रखा गया तो कोई बातचीत नहीं हो सकती। वैसे यह तय है कि होर्मुज बनारसमध्य पर अमेरिका अपना कब्जा चाहता है, क्योंकि ईरान ते इस पर न केवल नाकेबंदी की है, बल्कि अब शुल्क चिनेको एरुआत भी कर दी है और ट्रंप इससे बुरी तरह गए हैं। ईरानी संसद से मंजूरी मिलने के बाद अब नामिरिखोलूश्यनरी गाईस कॉर्पस को होर्मुज से गुजरने पाहा से शुल्क वसूलने का अधिकार मिल गया है। एक बेरल तेल पर एक डॉलर ईरान वसूलेगा, साथ ही क्रिप्टो करेंसी में भुगतान की व्यवस्था भी होगी, ताकि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का कोई असर न पड़े। ईरान की इस रणनीति से उसे आर्थिक मजबूती मिलेगी, अमेरिका को इस बात का अहसास हो चुका है। इसलिए अब उसने फिर से अपने पत्ते फेंटने शुरू किए हैं, ताकि युद्ध को जायज ठहरा सके।

नारी शक्ति वंदन शंका व संग्राम

विनोद कुमार सिंह

संसद का विशेष सत्र का ऐसे समय बुलाया गया है जब 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव हो रही है विश्व का सबसे बड़े लोकतंत्र भारत वर्तमान परिपेक्ष में एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रहा है,जहाँ सामाजिक परिवर्तन और राजनीतिक रणनीति एक-दूसरे में गुंथकर नई दिशा तय कर रहे हैं। ह्लनारी शक्ति वंदनह्व का उभरता विमर्श,संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र और इसके इर्द-गिर्द तेज होती राजनीतिक हलचल इस बात का संकेत है कि देश की आधी आबादी अब केवल चर्चा का विषय नहीं,बल्कि सत्ता-समीकरण का केंद्र बन चुकी है ।यह वह काल है, जहाँ नारी शक्ति का प्रश्न भावनात्मक अपील से आगे बढ़कर ठोस राजनीतिक और संवैधानिक निर्णयों की कसौटी पर खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ऐतिहासिक विज्ञान भवन में दिए गए वक्तव्यों ने इस बहस को नई गति दी है ।किन्द्र सरकार इसे ऐतिहासिक निर्णय की दिशा में निर्णायक कदम बता रही है,वही कांग्रेस व विपक्षी राजनीतिक दल इसे समय-प्रबंधन और राजनीतिक लाभ के नजरिये से देख रहा है ।परिणाम स्वरूप यहीं से सत्ता और विपक्ष के बीच वह टकराव स्पष्ट रूप से उभरता है,जो भारतीय लोकतंत्र की पहचान भी और उसकी शक्ति भी है ।भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन इस पूरे विमर्श को महिला सशक्तिकरण की दीर्घकालिक नीति का स्वाभाविक विस्तार मानते हैं ।उनका तर्क है कि पिछले वर्षों में महिलाओं को आर्थिक,सामाजिक और स्वास्थ्य के स्तर पर मजबूत करने के लिए जो योजनाएं लागू की गईं,वे अब राजनीतिक प्रतिनिधित्व के रूप में परिणत होने जा रही हैं ।जनधन योजना के माध्यम से बैंकिंग पहुँच, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन,स्वयं सहायता समूहों के जरिए आर्थिक सशक्तिकरण और लखपति दीदी जैसी पहलों को इस परिवर्तन की पृष्ठभूमि के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है ।उनका यह तर्क दिया जा रहा है कि जब आधार तैयार हो चुका है,तब राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाना स्वाभाविक अगला कदम है ।वही इसके विपरीत कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इस पूरी प्रक्रिया को अधूरा और प्रश्नों से घिरा हुआ मानते हैं ।उनका कहना है कि यदि महिलाओं को वास्तविक सशक्तिकरण देना है,तो आरक्षण के भीतर भी सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए,ताकि पिछड़े वर्गों,दलितों और आदिवासी समुदायों की महिलाओं को भी समान अवसर मिल सके ।इसके साथ ही वे इस बात पर भी सवाल उठाते हैं कि क्रियान्वयन को भविष्य की समयसीमा से क्यों जोड़ा गया है ।विपक्ष के अनुसार,यह देरी कहीं न कहीं इस मुद्दे को चुनावी लाभ के लिए उपयोग करने की रणनीति को दशार्ती है ।यह टकराव केवल विधायी प्रक्रिया का नहीं,बल्कि राजनीतिक नैरेटिव का संघर्ष बन चुका है ।एक ओर सत्ता पक्ष इसे उपलब्धियों की श्रृंखला के रूप में प्रस्तुत कर रहा है,तो दूसरी ओर विपक्ष इसे अधूरी प्रतिबद्धता और राजनीतिक गणित का परिणाम बताने में लगा है ।इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों पक्ष नारी शक्ति को अपने-अपने तरीके से केंद्र में रख रहे हैं,जो इस बात का प्रमाण है कि महिलाओं का मुद्दा अब भारतीय राजनीति में निर्णायक बन चुका है ।अगर हम इस पहलू के संभावित लाभों की चर्चा करें तो यह स्पष्ट है कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से लोकतंत्र अधिक संतुलित और समावेशी बन सकता है।

सूरों की आशा बनकर गूंजती रहेगी आशा भोसले

आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, वे भारतीय आत्मा की वह स्वर-लहरी थीं, जो हर संस्कृति, हर भावना और हर युग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही। वे एक बेमिसाल गायिका, अनगिनत लोगों की आशा एवं अभिलाषा की करिश्माई आवाज बनकर करीब 12000 गीतों का सृजन कर विश्व रिकार्ड बनाया। हृदयाघात के कारण उनका जाना केवल एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि भारतीय संवेदना के एक पूरे युग का अवसान है, परंतु यह अवसान भी किसी अंत का नहीं, बल्कि उस अमरत्व का संकेत है जहाँ कलाकार अपने शरीर से परे होकर अपनी कृति में जीवित रहता है। ह्लअभी न जाओ छोड़ करह्व जैसे गीत आज करोड़ों हृदयों की सच्ची पुकार बन गए हैं। जिनकी आवाज ने विरह को भी मधुर बना दिया, आज उन्हीं के बिछोह में संसार भाव-विह्वल है। आशा जी की आवाज में एक अद्भुत जीवंतता थी, वह कभी किशोरी की चंचलता बन जाती तो कभी विरहिणी की करुण पुकार। उनके गीतों में जीवन की सम्पूर्णता समाहित थी-हंसी, आंसू, प्रेम, पीड़ा, श्रृंगार और भक्ति का ऐसा समन्वय जो दुर्लभ है। यही कारण है कि उनकी गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्व के अनेक देशों में लोग उनके गीतों को गुनगुनाते रहे। यदि भारतीय संगीत को एक महासागर माना जाए तो आशा भोसले उसमें बहती वह नदी थीं,

ललित गर्ग

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

भारतीय संगीत का आकाश आज कुछ अधिक मौन, कुछ अधिक रिक्त प्रतीत होता है। स्वर की वह चंचल चिड़िया, जन-जन को चमत्कृत करने वाली आवाज जिसने दशकों तक हर हृदय में मधुरता के बीज बोए, आज भले ही भौतिक रूप से हमारे बीच न हो, पर उसकी गूंज अनंत में विलीन होकर भी अमर बनी हुई है। आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, वे भारतीय आत्मा की वह स्वर-लहरी थीं, जो हर संस्कृति, हर भावना और हर युग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही। वे एक बेमिसाल गायिका, अनगिनत लोगों की आशा एवं अभिलाषा की करिश्माई आवाज बनकर करीब 12000 गीतों का सृजन कर विश्व रिकार्ड बनाया। हृदयाघात के कारण उनका जाना केवल एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि भारतीय संवेदना के एक पूरे युग का अवसान है, परंतु यह अवसान भी किसी अंत का नहीं, बल्कि उस अमरत्व का संकेत है जहाँ कलाकार अपने शरीर से परे होकर अपनी कृति में जीवित रहता है। ह्लअभी न जाओ छोड़ करह्व जैसे गीत आज करोड़ों हृदयों की सच्ची पुकार बन गए हैं। जिनकी आवाज ने विरह को भी मधुर बना दिया, आज उन्हीं के बिछोह में संसार भाव-विह्वल है। आशा जी की आवाज में एक अद्भुत जीवंतता थी, वह कभी किशोरी की चंचलता बन जाती तो कभी विरहिणी की करुण पुकार। उनके गीतों में जीवन की सम्पूर्णता समाहित थी-हंसी, आंसू, प्रेम, पीड़ा, श्रृंगार और भक्ति का ऐसा समन्वय जो दुर्लभ है। यही कारण है कि उनकी गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्व के अनेक देशों में लोग उनके गीतों को गुनगुनाते रहे। यदि भारतीय संगीत को एक महासागर माना जाए तो आशा भोसले उसमें बहती वह नदी थीं, जिसने हर शैली को अपने भीतर समेट लिया। क्लासिकल से लेकर पॉप, जैज से लेकर गजल और कव्वाली तक, उन्होंने हर विधा में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी। यह मानना कठिन है कि एक ही स्वर इतनी विविधताओं को इतनी सहजता से व्यक्त कर सकता है, पर आशाजी ने इसे संभव कर दिखाया। वे केवल गाती नहीं थीं, वे हर गीत को जीती थीं और यही कारण है कि उनके गीत केवल ध्वनि नहीं बल्कि अनुभूति बन जाते थे। 8 सितंबर 1933 को जन्मी आशाजी ने संगीत को साधना के रूप में जिया। लता मंगेशकर जैसी विराट प्रतिभा की छाया में अपनी अलग पहचान बनाना सरल नहीं था। अनेक प्रतिभाएँ उस छाया में दबकर गुमनामी में खो गईं, पर आशाजी ने संघर्ष को अपनी शक्ति बनाया। पिता दीनानाथ मंगेशकर से मिली संगीत की विरासत को उन्होंने अपने परिश्रम और साहस से विस्तार दिया। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक दबाव और प्रतिस्पर्धा के बीच भी उन्होंने अपने स्वर की लौ को कभी मंद नहीं होने दिया। ओ.पी. नैयर जैसे संगीतकारों के साथ उनका जुड़ाव उनके करियर का निर्णायक मोड़ बना और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी उपलब्धियाँ केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहीं। ग्रेमी अवार्ड से सम्मानित होना, पद्म विभूषण प्राप्त करना और गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में सर्वाधिक गीत गाने का रिकॉर्ड दर्ज कराना, यह सब उनकी दीर्घ साधना और असाधारण प्रतिभा के प्रमाण हैं। परंतु इन सबसे बढ़कर उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेम है, जो उन्हें श्रोताओं से मिला और जो आज भी उनके गीतों के माध्यम से जीवित है। आशा जी के गीतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समय की सीमाओं को लांघ जाते हैं। ह्लपिया तू अब तो आजाह्व, ह्लदम मारो दमह्व, ह्लचुरा लिया है तुमनेह्व, ह्लदिल चीज क्या हैह्व जैसे अनगिनत गीत आज भी उतने ही ताजगी भरे लगते हैं जितने अपने समय में थे। उनके गीतों में केवल संगीत नहीं, बल्कि एक जीवंत आत्मा थी, जो हर शब्द को अर्थपूर्ण बना देती थी और उसे कालजयी बना देती थी। संगीत उनके लिए केवल कला नहीं, जीवन का श्वास था। जैसे बिना सांस के जीवन असंभव है, वैसे ही बिना संगीत के जीवन नीरस और अर्थहीन हो जाता है। उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से यह सिद्ध किया कि संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा का पोषण है। उनके हर गीत में कहीं न कहीं ईश्वर की स्तुति, जीवन की सार्थकता और भावनाओं की पवित्रता का स्पर्श मिलता है। आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि उनका जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का समापन है। मो. रफी, मुकेश और किशोर कुमार के बाद आशा भोसले का जाना भारतीय संगीत की उस स्वर्णिम परंपरा के एक और दीप का बुझना है, जिसने इस देश की आत्मा को सुरों में पिरोया था। फिर भी यह भी उतना ही सत्य है कि ऐसे कलाकार कभी समाप्त नहीं होते, वे अपनी कृतियों में जीवित रहते हैं, अपने स्वरों में सांस लेते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों के हृदय में गूंजते रहते हैं। मोहन भागवत द्वारा व्यक्त श्रद्धांजलि इस सत्य को और गहराई देती है कि आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक थीं। उनका योगदान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से भारतीयता, संवेदनशीलता और जीवन के उत्सव को अभिव्यक्त किया। उनका जाना निस्संदेह एक अपूरणीय क्षति है, पर उनकी आवाज, उनकी लय, उनकी जीवंतता और उनकी आत्मा इस देश की माटी में सदैव गूंजती रहेगी। यही उनकी सच्ची अमरता है और यही हमारे लिए उनकी सबसे बड़ी विरासत है।

माता पिता आपको अच्छा इंसान बनाते हैं

मां- बाप प्रतिफल बच्चों को सुख देने के लिए बेचैन रहते हैं इनके जीवन का 90 प्रतिशत संघर्ष तो मां झबाप ही पूरा कर देते हैं ऐसे लोग होते है जो पढ़ाई का खर्च खुद उठाते हैं आज के बच्चे इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते इन्हें लगता है कि फीस मां- बाप को ही भरनी है पेरेंट्स बच्चों को अच्छे से पढ़ा देते हैं अच्छी सी नौकरी लगवा देते हैं बच्चों के जीवन में संघर्ष बचा ही नहीं कुछ संघर्ष संतानों के लिए भी छोड़ना चाहिए एहसास कराना चाहिए कि जो सुविधाएं इन्हें मिल रहे हैं ये इनका अधिकार नहीं बल्कि माता- पिता का उपकार है परिंदा भी अपने छोटे बच्चों को पेड़ से धक्का दे देता है इसके बाद वो बच्चा पेड़ से गिरता नहीं उड़ जाता है और तब उस बच्चे को पता चलता है कि अगर धक्का नहीं दिया होतो तो में आसमान में नहीं आया होता इसे प्रकार जिंदगी के दरिया में इन बच्चों को हाथ पैर चलाने देना होगा जब संघर्ष आता है तो लोग दुर्भाग्य माननने लगते हैं संघर्ष और दुर्भाग्य में फर्क है दुर्भाग्य परेशान करता है संघर्ष तराशता है

संजय गोस्वामी

लेखक

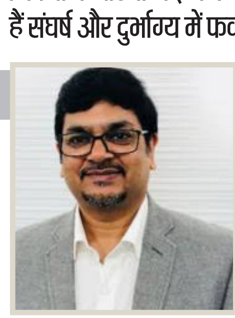

हर बालक अनगढ़ पत्थर की तरह है जिसमें सुन्दर मूर्ति छिपी है, जिसे शिल्पी की आँख देख पाती है। वह उसे तराश कर सुन्दर मूर्ति में बदल सकता है। क्योंकि मूर्ति पहले से ही पत्थर में मौजूद होती है शिल्पी तो बस उस फालतू पत्थर को जिसमें मूर्ति ढकी होती है, एक तरफ कर देता है और सुन्दर मूर्ति प्रकट हो जाती है। माता-पिता शिक्षक और समाज बालक को इसी प्रकार सँवार कर खूबसूरत व्यक्तित्व प्रदान करते हैं। मां- बाप प्रतिफल बच्चों को सुख देने के लिए बेचैन रहते हैं इनके जीवन का 90 प्रतिशत संघर्ष तो मां झबाप ही पूरा कर देते हैं ऐसे लोग होते है जो पढ़ाई का खर्च खुद उठाते हैं आज के बच्चे इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते इन्हें लगता है कि फीस मां-बाप को ही भरनी है पेरेंट्स बच्चों को अच्छे से पढ़ा देते हैं अच्छी सी नौकरी लगवा देते हैं बच्चों के जीवन में संघर्ष बचा ही नहीं कुछ संघर्ष संतानों के लिए भी छोड़ना चाहिए एहसास कराना चाहिए कि जो सुविधाएं इन्हें मिल रहे हैं ये इनका अधिकार नहीं बल्कि माता-पिता का उपकार है परिंदा भी अपने छोटे बच्चों को पेड़ से धक्का दे देता है इसके बाद वो बच्चा पेड़ से गिरता नहीं उड़ जाता है और तब उस बच्चे को पता चलता है कि अगर धक्का नहीं दिया होतो तो में आसमान में नहीं आया होता इसे प्रकार जिंदगी के दरिया में इन बच्चों को हाथ पैर चलाने देना होगा जब संघर्ष आता है तो लोग दुर्भाग्य मानने लगते हैं संघर्ष और दुर्भाग्य में फर्क है दुर्भाग्य परेशान करता है संघर्ष तराशता है पांच चीजें बच्चों को अवश्य सिखाएं परिश्रम ईमानदारी सहनशीलता सहयोग की वृत्ति और परिणाम के प्रति बेफिक्र होना इससे बच्चे परिपक्व होगें हम बहुत-सी चीजें करने के इच्छुक हैं– अच्छी आदतें डालने और बुरी आदतें छोड़ने, एकाग्रता के साथ पढ़ने और मन लगाकर कुछ करने का हम संकल्प लेते हैं। परन्तु बहुधा हमारा मन विद्रोह कर बैठता है और हमें इन संकल्पों को रूपायित करने के हमारे प्रयास से पीछे हटने को मजबूर कर देता है। हमारे सामने किताब खुली पड़ी है और हमारी आँखें खुली हैं; परन्तु मन कुछ पुरानी बातों को सोचता हुआ या भविष्य के लिए ख्याली पुलाव पकाता हुआ इधर-उधर घूमने लगता है। जब हम थोड़ी देर के लिए प्रार्थना, जप या ध्यान करने बैठते हैं, तब भी ऐसा ही होता है। स्वामी विवेकानन्द कहते हैं, ह्यह्यस्वतन्त्र ! हम एक क्षण तो स्वयं अपने मन पर शासन नहीं कर सकते ! यही नहीं, किसी विषय पर उसे स्थिर नहीं कर सकते और अन्य, सबसे हटाकर किसी एक बिन्दु पर उसे केन्द्रित नहीं कर सकते ! फिर भी हम अपने को स्वतन्त्र कहते हैं ! जरा इस पर गौर तो करो !ह्लह्लशिक्षा का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थी का व्यक्तित्व विकास उनकी योजना का अनिवार्य अंग नहीं बन पाता है ।चाहे आई.टी. का क्षेत्र हो अथवा मैनेजमेंट या मेडिकल का, सभी में सन्तोषजनक प्रगति हुई है, परन्तु युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण की समस्या जस की तस दिखाई दे रही है। भगवद्गीता का कहना है कि असंयमित मन एक शत्रु के समान और संयमित मन हमारे मित्र के समान आचरण करता है। शिक्षा शास्त्रियों के अनुसार शिक्षा को त्रिमुखी प्रक्रिया माना गया है। शिक्षक, शिक्षार्थी एवं पाठ्यक्रम तीन आधार इस प्रक्रिया में हैं। शिक्षक का पुनीत कार्य शिक्षार्थी को पढ़ाना है, पाठ्यक्रम इसका माध्यम है। स्पष्ट है कि शिक्षक के लिए साध्य शिक्षार्थी है न कि पाठ्यक्रम। पाठ्यक्रम तो शिक्षक के लिए साधन के रूप में उपयोग में लाया जाता है। समय परिवर्तन के साथ साधन, साध्य के रूप में परिवर्तित हो गया है। शिक्षक का केन्द्रीकरण पाठ्यक्रम तक सीमित रह गया है, शिक्षार्थी द्वितीय वरीयता क्रम में आ गया है। अस्तु ! शिक्षा का सर्वांगीण विकास अथवा शिक्षार्थी के व्यक्तित्व विकास की अवधारणा उलट गयी है। लक्ष्य परिवर्तित हो गये हैं, व्यक्तित्व के विकास का स्थान अंक-अर्जन ने प्राप्त कर लिया है, लक्ष्य उपाधि अथवा परिणाम हासिल करने तक सिमट गया है। समस्त शिक्षा-तन्त्र का भी एकमात्र उद्देश्य विद्यालय के उत्तम परीक्षाफल तक ही सीमित हो गया है। विद्यार्थी के विकास से उनका अब कोई लेना-देना नहीं है। पाठ्यक्रम केन्द्रित शिक्षा व्यवस्था ने जो भी विकास किया है वह मात्र पाठ्यक्रम का। दिनोंदिन बस्ते का वजन बढ़ रहा है, विद्यार्थी के विकास की गति उसी के सापेक्ष घट रही है। विद्या प्रदाता को गुरु कहा जाता था, विद्या ग्रहण करने वाले को शिष्य। शनैः-शनैः गुरु-अध्यापक में परिवर्तित हुआ और शिष्य-विद्यार्थी में। वर्तमान में अध्यापक भी शिक्षक के रूप में तथा विद्यार्थी भी शिक्षार्थी के रूप में विद्यमान हैं। व्यक्तित्व निर्माण अथवा सद्गुण तथा सद्संस्कार का सम्बन्ध गुरु और शिष्य से है, शिक्षक और शिक्षार्थी से नहीं। संस्कार तथा जीवन निर्माण की बात तभी पूर्ण हो सकती है जब शिक्षक-गुरु के रूप में कार्य करें तथा शिक्षार्थी स्वयं को शिष्य के स्वरूप को परिलक्षित करें। दोनों मं पारस्परिक यथायोग्य परम्पराओं एवं सम्बंधों का निर्वहन हो। शिक्षक और शिक्षार्थी के मध्य निरन्तर सम्पर्क, सम्बन्ध तथा संस्कारोचित व्यवहार हो। व्यक्तित्व-विकास में वंशानुक्रम तथा परिवेश दो प्रधान तत्त्व हैं। वंशानुक्रम व्यक्ति को जन्मजात शक्तियाँ प्रदान करता है। परिवेश उसे इन शक्तियों को सिद्धि के लिए सुविधाएँ प्रदान करता है। बालक के व्यक्तित्व पर सामाजिक परिवेश प्रबल प्रभाव डालता है। ज्यों-ज्यों बालक विकसित होता जाता है, वह उस समाज या समुदाय की शैली को आत्मसात कर लेता है, जिसमें वह बड़ा होता है, विकास का तात्पर्य यहां सद्गुणों से है, नैतिक एवं जीवन मूल्यों से है, कुल मिलाकर संस्कारों से है। जिसमें माता पिता का वचन पालन करना आवश्यक है जो भगवान राम ने मयार्दा का पालन किया,वर्तमान शिक्षा व्यवस्था ने शिक्षा को केवल साक्षर बनाने तक परिसीमित कर दिया है,

हाउसवाइफ = घर की रानी

ललिता चावला

आज बैठे-बैठे अचानक ख्याल आया कि आज हाउसवाइफ के बारे में कुछ लिखा जाए। जबकि मैं खुद हाउसवाइफ नहीं हूँ, पर रहती तो मैं भी इसी समाज में हूँ ना। एक दिन मैं किसी फैमिली फंक्शन में गई हुई थी। वहाँ मैंने एक सज्जन को यह कहते हुए सुना कि मेरी वाइफ सिर्फ एक हाउसवाइफ है

– उनका सिर्फ शब्द मुझे बहुत अजीब लगा, या यूँ कहें बिल्कुल बेईमानी लगा। वो सज्जन जो शादी में सूट-बूट पहनकर आए हुए थे, जिनकी वाइफ हाउसवाइफ थी, उन्होंने कितनी आसानी से यह कह दिया कि मेरी वाइफ सिर्फ एक हाउसवाइफ है। जबकि वही स्त्री अपना घर संभालती है, बच्चों को संभालती है, घर के बुजुर्गों का ध्यान रखती है। आपका दिन अच्छा जाए, आप समय से अपने ऑफिस/बिजनेस पर जा सकें, उसके लिए वह अपनी सुबह की नींद खराब करके उठती है, ताकि आपको समय पर चाय-नाश्ता मिल सके, बच्चे समय पर स्कूल जा सकें और बुजुर्ग समय पर दवाइयाँ ले सकें। उसके लिए सिर्फ शब्द का इस्तेमाल करना क्या सही होगा? बहुत-सी हाउसवाइफ ऐसी हैं जो अपने बच्चों को खुद पढ़ाती हैं ताकि ट्यूशन का खर्च बच सके। खाना खुद बनाती हैं ताकि आपको ताजा भोजन मिल सके और कुकिंग हेल्पर का खर्च बच सके। बाजार खर्च में एक-एक रुपये तक बचाती हैं ताकि बचत हो सके। ऐसे में तो वह आपका चलता-फिरता सेविंग अकाउंट ही बन जाती हैं। आपका घर सुचारु रूप से चल सके, उसके लिए खुद को पूरी तरह खपा देती हैं। ऐसे में उसके लिए सिर्फ शब्द इस्तेमाल करना सच में बेईमानी जैसा है। ह्लआजकल बहुत-सी हाउसवाइफ ऐसी हैं जो बहुत पढ़ी-लिखी होने के बावजूद भी हाउसवाइफ हैं। जिनमें से कुछ शायद अपनी मर्जी से नौकरी/व्यापार नहीं करना चाहतीं, लेकिन ज्यादातर हाउसवाइफ ऐसी हैं जिन्हें या तो समाज/परिवार ने नौकरी या व्यापार करने की इजाजत नहीं दी, या अपने घर-परिवार की जिम्मेदारियों को देखते हुए उन्होंने अपने करियर को प्राथमिकता नहीं दी। लेकिन उसके लिए भी मैं समाज और परिवार को ही जिम्मेदार ठहराऊँगी, क्योंकि कहीं न कहीं घर की औरत से ही यह अपेक्षा रखी जाती है कि वह अपने करियर से पहले अपने परिवार को प्राथमिकता दे। ऐसे बहुत-से कार्य हैं जो हाउसवाइफ दिनभर में करती हैं, लेकिन उनका नाम कहीं नहीं आता, क्योंकि उसे औरत, बीवी या बहू की जिम्मेदारी कहकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। आखिर में मैं बस इतना कहना चाहूँगी कि अगर कोई आपसे पूछे कि आपकी वाइफ क्या करती है, तो आपके मुँह से यह कभी न निकले कि वह सिर्फ एक हाउसवाइफ है। हो सके तो यह कहें कि वह यानी घर की रानी है। हाउसवाइफ की सैलरी सिर्फ प्रेम, सम्मान और अपनापन ही होती है।

संक्षिप्त खबरें

यूपी के मीरजापुर में संदिग्ध हालात में छात्रा ने लगाई फांसी

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के मुड़ेल गांव में सोमवार देर शाम युवती ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना से परिवार में चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव में शोक का माहौल है। मुड़ेल निवासी राजकुमार वर्मा की पुत्री सुधा (15) ने घर के टीनशेड के नीचे लोहे की पाइप में दुपट्टे के सहारे फांसी लगा ली। घटना के समय उसकी मां सुनीता देवी खेत में गेहूं का बोझ ढोने गई थी। देर शाम जब वह घर लौटी तो बेटी को फंदे से लटका देख रोने लगी। शोर सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने आनन-फानन में किशोरी को नीचे उतारा। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंचे एसआई शिवाकांत पांडेय ने मौके पर जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि मृतका के पिता राजकुमार रोजगार के सिलसिले में मुंबई में रहते हैं। वह दो भाइयों और दो बहनों में सबसे बड़ी थी। इसी वर्ष उच्च प्राथमिक विद्यालय चंद्रगढ़ से आठवीं कक्षा उत्तीर्ण की थी। घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में घर की किसी बात से नाराज होकर आत्मघाती कदम उठाने की बात सामने आई है। मृतका के चाचा अक्षय कुमार की तहरीर पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सीआईएसएफ जवान ने फांसी लगाकर दी जान

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में बीजपुर थाना क्षेत्र में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) जवान ने मंगलवार को फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई। थाना प्रभारी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मूलरूप से गाजीपुर जिले के बीबीपुर निवासी अरुण कुमार (47) सीआईएसएफ में हवलदार के पद पर तैनात थे। उनकी तैनाती सोनभद्र में थी और परिवार को लेकर सोनभद्र के सीआईएसएफ कॉलोनी में रह रहे थे। पत्नी पुष्पा देवी ने पुलिस को बताया कि इन दिनों उनके पति की रात्रि ड्यूटी चल रही थी। सोमवार की रात्रि ड्यूटी पर गए थे। मंगलवार सुबह लगभग छह बजे पति अपने क्वाटर में आये और आराम करने लगे। इसी दौरान वह किसी से फोन पर बात करते हुए कमरे से बाहर चली गई। कुछ देर बाद लौटी तो देखा कि पति का शव पंखे में दुप्पटे के सहारे लटका रहा है। चीख-पुकार सुनकर आसपास पड़ोस के लोग आ गए और पुलिस को सूचित किया। इधर घटना की जानकारी पर थाना प्रभारी, फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचकर घटनास्थल की जांच की। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच की जा रही है।

वाराणसी में अग्निशमन कर्मियों ने निकाली जन-जागरूकता रैली

वाराणसी। वाराणसी में अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर चेतगंज अग्निशमन केंद्र सहित विभिन्न केन्द्रों पर अग्निशमन कर्मियों ने मंगलवार को जन-जागरूकता रैली निकाली। जन-जागरूकता रैली में चल रहे अग्निशमन कर्मियों ने सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज-आग की रोकथाम के लिए एक साथ स्लोगन बैनर का प्रदर्शन किया। अग्निशमक दिवस पर आयोजित रैली को लेकर अग्निशमक अधिकारी आनंद ने कहा कि गर्मी के दिनों में आग लगने की घटना आए दिन होती है। इसके लिए बचाव हेतु और लोगों के जन जागरण के लिए रैली निकाली गई। आग लगने पर सर्वप्रथम इसकी सूचना विभाग को देनी चाहिए और आग लगी हुई स्थान से दूर खुले आसमान में आ जाना चाहिए। ज्वलनशील वस्तुओं को आग से दूर कर देना चाहिए।

सेलरी, बोनस और ओवरटाइम की मांग ही नहीं और कई कारण है श्रमिकों के उग्र आंदोलन के

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। नोएडा में श्रमिकों का चल रहा उग्र प्रदर्शन लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या यह श्रमिकों का काफी दिनों से गुस्से का गुबार फटा है या कोई असामाजिक तत्व इन्हें हवा दे रहा है। नोएडा में सोमवार को मजदूरों के हिंसक प्रदर्शन से हालात बिगड़ गए। दिल्ली की सीमाओं पर भारी जाम लग गया। नेशनल हाईवे 9 और अन्य रास्तों पर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं और लोग घंटों फंसे रहे। नोएडा सेक्टर-62 में प्रदर्शनकारियों ने गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए, कई वाहनों में आग भी लगा दी गई और पुलिस पर पथराव किया। सेक्टर 84 से भी ऐसे की प्रदर्शनों की खबरें आईं। नोएडा फेज-2 और सेक्टर 60 के इलाकों में पत्थरबाजी हुई। यूपी पुलिस ने अफवाह फैलाने वाले दो सोशल मीडिया हेंडल्स पर कार्रवाई की है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि कानून तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। यह उग्र प्रदर्शन क्यों हो रहा है इसको लेकर जब प्रदर्शन कर रहे हैं लोगों से बात की गई तो कुछ का कहना था कि कंपनियों में उनकी नियुक्ति सीधी नहीं होती है। कुछ कंपनियों ने ठेकेदारों को हायर कर रखा है। अलग-अलग काम के लिए अलग-अलग ठेकेदार हैं। वे अपने हिसाब से मजदूरों को रखते हैं और पैसे देते हैं। एक महिला ने कहा कि वह दिन में 12 घंटे काम करती है। ठेकेदार उसको महीने के 13 हजार रुपये देता है। एक श्रमिक का कहना था कि ठेकेदारों के तहत काम पर लगने से उनका काफी नुकसान होता है। उनका ना तो पीएफ कटता है और ना ही उनको ईएसआईसी के तहत इलाज की सुविधा मिलती है। यही नहीं कई बार तो ऐसा होता है कि यदि कोई कर्मचारी बीमार पड़ जाता है या किसी काम से गांव चला जाता है तो उसकी जगह तुरंत दूसरे को नौकरी पर रख लिया जाता है। मजदूरों का कहना है कि यदि किसी को बीच में गांव जाना पड़ा तो ठेकेदार उसकी मजदूरी का हिसाब भी नहीं करता है। नोएडा में मजदूरों और ठेकेदारों के बीच अक्सर झगड़े विवाद की खबरें आती रहती हैं। एक ने कहा कि कुछ कंपनियां सीधी भर्ती देने या सीधे काम पर रखने से इसलिए भी कतराती हैं कि उनको तय मानकों के मुताबिक भुगतान करना होगा। कंपनियों को सीधे कर्मचारियों को रखना चाहिए। मजदूरों की मानें तो नोएडा में दो प्रकार के कर्मचारी हैं। कुछ कंपनियां जो कर्मचारियों को सीधे काम पर रखती हैं, उनको वीकली ऑफ मिलता है। ऐसे कर्मचारियों का पीएफ कटता है। ऐसे कर्मचारियों का हेल्थ इंश्योरेंस भी होता है। उनको सीएल और एमएल के साथ ईएल की सुविधा भी मिलती है लेकिन जिन कर्मचारियों को ठेकेदार काम देता है उन अनधिकृत कर्मचारियों को ये सुविधाएं नहीं मिलती हैं। मजदूरों के असंतोष की एक बड़ी वजह यह भी है। अनधिकृत कर्मचारियों का कहना है कि यदि किसी वजह से एक दिन भी काम छूट जाता है तो उस दिन की सेलरी कट जाती है। कपड़े का काम करने वाली कंपनियों में धागा काटने वाले कर्मियों की स्थितियां बड़ी खराब हैं। एक महिला कर्मचारी ने बताया कि धागा काटने वाले कर्मचारियों को तो ठेकेदार की ओर से केवल 10 हजार रुपये महीने के मिलते हैं। इनको पीएफ और इएसआईसी की सुविधा भी नहीं मिलती है। यही नहीं साफ सफाई के काम करने वालों की स्थितियां दयनीय हैं। कुछ कर्मचारी जो गार्ड का काम करते हैं उनके हालात और भी खराब हैं। किसी साथी के बीमार होने पर उनको डबल डबल ड्यूटी तक देनी पड़ जाती है। कुछ ने कहा कि सरकारें न्यूनतम मजदूरी पर फैसला तो कर देती हैं लेकिन जमीन पर ये पूरी तरह लागू नहीं हो पाते हैं। मजदूरों का कहना है कि कुछ कंपनियां लागू करती हैं लेकिन अनधिकृत कर्मचारी इससे वंचित ही रहते हैं। सरकारों और प्रशासन को न्यूनतम मजदूरी का फैसला जमीन पर लागू कराना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं होता है। मजदूरों को किराए के मकान में रहना पड़ता है। एक कमरे में तीन या चार लोग रहते हैं। मकान मालिक भी उसी हिसाब से किराया भी वसूलता है। हर साल किराया बढ़ जाता है लेकिन सेलरी उस हिसाब से नहीं बढ़ती है।

मायावती ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए, देशवासियों को दी बधाई

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज के मसीहा भारतरत्न बोधिसत्व बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की आज जयंती हैं। इस अवसर पर उनके अनुयायी लखनऊ समेत पूरे देश में धूमधाम से जयंती मना रहे हैं। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने भारत देश में बहुजन समाज के मसीहा भारतरत्न बोधिसत्व बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को आज उनकी जयंती पर शत-शत नमन, पुष्पांजलि एवं अपार श्रद्धा-सुमन अर्पित किए हैं। उन्होंने बसपा के लोगों द्वारा पूरे देश भर में खुद व अपने परिवार सहित उन्हें पूरी मिशनरी भावना के साथ भावभीनी श्रद्धांजलि एवं श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के लिये सभी लोगों का तहेदिल से आभार प्रकट किया हैं । बसपा प्रमुख ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर का पूरा जीवन देश के गरीबों उपेक्षितों, शोषितों तथा जातिवाद एवं सामंतवाद से पीड़ित महिलाओं आदि समेत बहुजन समाज की सुरक्षा, सम्मान व उत्थान के लिये अत्यन्त ही कड़े संघर्ष में बीता, और अन्ततः जिसकी गारण्टी उन्होंने संविधान में सुनिश्चित करने का ऐतिहासिक कार्य किया। वह अमर हो गये और जिसके लिये देश हमेशा उनका कृतज्ञ रहेगा। किन्तु काश, देश की केन्द्र व यहाँ राज्यों की सत्ता में रहने वाली पार्टियाँ बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के अति-मानवतावादी, सर्वजन-हितैषी व बहुजन-कल्याणकारी संविधान के पवित्र उद्देश्यों को प्राप्त करने में सही से सफल हो पातीं तो भारत अभी तक स्वावलम्बी एवं आत्मनिर्भर व विकसित देश बनकर यहाँ के करोड़ों बहुजनों की अपार गरीबी, बेरोजगारी, जातिवादी द्वेष, शोषण व जुल्म-ज्यादती आदि से मुक्त समता एवं न्याय-युक्त जीवन लोगों को जरूर दे पाता। अगर ऐसा नहीं हो पाया है तो क्यों? इसका जवाब ढूंढने पर देश में बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर का ाामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति का कारवाँ चुनावी सफलता भी हासिल करके अपनी मंज़िल की ओर जरूर आगे बढ़ेगा। जय भीम, जय भारत

डॉ. नवेद अकबर ने शिक्षा को दी नई दिशा, स्योहारा क्षेत्र में बने प्रेरणा स्रोत

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा (बिजनौर)। स्योहारा क्षेत्र से संबंध रखने वाले डॉ. नवेद अकबर आज शिक्षा जगत में समर्पण, मेहनत और सेवा भावना के प्रतीक बन चुके हैं। उन्होंने अपनी लगन और दूरदर्शिता से न केवल विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने का कार्य किया है, बल्कि पूरे क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समाजसेवी परिवार से ताल्लुक रखने वाले डॉ. नवेद अकबर ने अपने पूर्वजों की सेवा भावना को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा को समाज सेवा का माध्यम बनाया।बायोटेक्नोलॉजी में विशेषज्ञता हासिल करने के बाद उन्होंने केंद्र सरकार के कृषि मंत्रालय में सेवाएं दीं, लेकिन कोविड-19 के कठिन दौर में उन्होंने अपनी नौकरी छोड़कर समाज और क्षेत्र के बच्चों के भविष्य को प्राथमिकता दी। वर्तमान में वह रहबर-ए-आम मुस्लिम इंटर कॉलेज, कांठ में प्रधानाचार्य के रूप में कार्यरत हैं। उनके नेतृत्व में विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। उन्होंने शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कई प्रभावी कदम उठाए हैं। डॉ. नवेद अकबर विशेष रूप से कक्षा 12 के बायोलॉजी छात्रों को बोर्ड परीक्षाओं और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। उनके द्वारा तैयार किए गए सैंपल पेपर, नोट्स और व्यक्तिगत मार्गदर्शन छात्रों के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। यही कारण है कि दूर-दराज से भी विद्यार्थी उनके पास तैयारी के लिए पहुंच रहे हैं। विद्यालय में आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए निःशुल्क शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे अनेक जरूरतमंद विद्यार्थियों को राहत मिल रही है। वहीं छात्राओं के लिए होम साइंस के अंतर्गत सिलाई, बुनाई और पाक-कला जैसी गतिविधियों के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। खेलकूद, पुस्तकालय कक्षाओं और भाषा सुधार कार्यक्रमों के जरिए विद्यार्थियों के बौद्धिक और शारीरिक विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हिंदी और उर्दू लेखन कौशल को बेहतर बनाने के प्रयास भी सराहनीय हैं। डॉ. नवेद अकबर का मानना है कि आज की मेहनत ही बच्चों का उज्ज्वल भविष्य तय करती है। वह अभिभावकों से अपील करते हैं कि वे अपने बच्चों, विशेषकर बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता दें और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। निस्संदेह, डॉ. नवेद अकबर की मेहनत और सेवा भावना क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही है और वे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बनते जा रहे हैं।

धूमधाम से मनाई गई भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा (बिजनौर)। संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा में मंगलवार को हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अधीक्षक डॉ. बी. के. स्नेही के नेतृत्व में किया गया, जिसमें अस्पताल के समस्त कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. बी. के. स्नेही एवं अन्य वक्ताओं ने बाबा साहेब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के महू में हुआ था। उन्होंने अपने संघर्ष और प्रतिभा के बल पर उच्च शिक्षा प्राप्त की और देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों से डिग्रियां हासिल कीं। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की, जहां उनका शोध विषय ब्रिटिश भारत में प्रांतीय वित्त का विकेंद्रीकरण था।वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहेब को भारतीय संविधान का शिल्पकार कहा जाता है, जिनके द्वारा निर्मित संविधान के आधार पर आज देश की प्रशासनिक व्यवस्था संचालित हो रही है और सभी वर्गों को समान अधिकार प्राप्त हैं। उनके विचार आज भी समाज को समानता, न्याय और शिक्षा के मार्ग पर प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में डॉ. राकेश कुमार, डॉ. हासिम, हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, धीरेन्द्र सिंह, योगेश कुमार, हरीश कुमार, प्रदीप रावत, दुशाला शर्मा, अनीता देवी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

कानपुर में अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस पर मुंबई डॉक विस्फोट के शहीदों को किया गया याद

प्रात: किरण संवाददाता

कानपुर। साल 1944 में मुंबई के बॉम्बे डॉक एक्सप्लोसिव में शहीद हुए 66 अग्निशमन कर्मियों की स्मृति में अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस पर मंगलवार को कानपुर पुलिस लाइन में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अग्नि सुरक्षा को लेकर जनजागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया गया। कानपुर में अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस के अवसर पर सीएफओ दीपक शर्मा की उपस्थिति में पुलिस कमिश्नरेट द्वारा पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल उपस्थित रहे। उन्होंने अग्निशमन कर्मियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके कार्यों की सराहना की और शुभकामनाएं दीं। इस दौरान सीएफओ दीपक शर्मा ने पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल, ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर विपिन ताडा सहित अन्य अधिकारियों को बैच लगाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सीएफओ दीपक शर्मा ने बताया कि साल 1944 में मुंबई के बॉम्बे डॉक एक्सप्लोसिव की घटना से सीख लेते हुए आज भी अग्निशमन विभाग लगातार सतर्कता और जागरूकता अभियान चला रहा है। इसी क्रम में अग्नि सुरक्षा सप्ताह के तहत शहर में विशेष वाहन रवाना किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन अभियानों का उद्देश्य लोगों को आग से बचाव के प्रति जागरूक करना है। इस अवसर पर कानपुर पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने अग्निशमन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर अग्नि सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ किया। ये वाहन शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करेंगे। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे आग से बचाव के उपायों को अपनाएं और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचना दें।

बाबा साहेब की जयंती, सांसद कंवर सिंह तंवर ने किया माल्यार्पण व पार्क का उद्घाटन

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर अमरोहा नगर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर ने बाबा साहेब को नमन करते हुए उनके विचारों को आत्मसात करने का संदेश दिया। सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर ने अमरोहा नगर स्थित अंबेडकर पार्क पहुंचकर बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने भारतीय समाज को समानता, न्याय और शिक्षा का मार्ग दिखाया। उनके विचार आज भी समाज को प्रेरित करते हैं और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके उपरांत सांसद ने नगर पालिका क्षेत्र के ग्राम मकसूदपुर नवादा में नवनिर्मित अंबेडकर पार्क का फीता काटकर उद्घाटन किया तथा प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रमों की श्रृंखला में आगे बढ़ते हुए सांसद तंवर भारतीय जनता पार्टी कार्यालय, अमरोहा में आयोजित जिला स्तरीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। यहां उन्होंने बाबा साहेब को पुष्प अर्पित करते हुए उपस्थित लोगों को भारतीय संविधान के प्रति कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती शशि जैन, पूर्व अध्यक्ष अतुल जैन, निखिल जैन, समिति अध्यक्ष छदम्मी लाल गौतम, हरि सिंह मौर्य, मास्टर करतार सिंह, भीम सिंह प्रधान, जितेंद्र सिंह सहित जनप्रतिनिधिगण, भाजपा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अमरोहा में डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई

समानता, न्याय और अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही सच्ची श्रद्धांजलिः डीएम

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की 135वीं जयंती जनपद अमरोहा में हर्षोल्लास और उत्सव के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट सहित विकास भवन और सभी तहसीलों में कार्यक्रम आयोजित कर बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी श्रीमती निधि गुप्ता वत्स ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर के सिद्धांतों को केवल जयंती तक सीमित न रखते हुए उन्हें अपने दैनिक जीवन और कार्यशैली में अपनाना आवश्यक है। जिलाधिकारी ने कहा कि बाबा साहेब का मूल संदेश समानता और न्याय है। समाज में किसी भी व्यक्ति के साथ जाति, वर्ग या क्षेत्र के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर और न्याय मिलना ही सच्चे अर्थों में उनके विचारों का पालन है। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे अपने कार्यों में निष्पक्षता बरतें और सरकार की सभी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पारदर्शिता के साथ पहुंचाएं। महिलाओं के अधिकारों पर प्रकाश डालते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि संपत्ति, विवाह और शिक्षा के क्षेत्र में बाबा साहेब का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि संविधान में दिए गए अधिकारों को धरातल पर लागू करना हम सभी की जिम्मेदारी है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह ने कहा कि डॉ. आंबेडकर भारतीय संविधान के प्रमुख निमार्ता थे, जिन्होंने सभी वर्गों के अधिकारों को ध्यान में रखते हुए समानता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित की। अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने भी जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बाबा साहेब ने शिक्षा और समानता के लिए आजीवन संघर्ष किया, जिससे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर मसीहा नजम, शशिभूषण पाठक ने भी बाबा साहेब के जीवन और विचारों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में जिला सूचना अधिकारी मो. दानिश, प्रशासनिक अधिकारी उपेंद्रनाथ त्रिवेदी सहित कलेक्ट्रेट परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

बाबा साहब की सामाजिक न्याय की लड़ाई जारी रखेगी सपाः अखिलेश यादव

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर हजरतगंज चौराहा स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। अखिलेश यादव ने बाबा साहब की सामाजिक न्याय की लड़ाई जारी रखने के लिए सपा की प्रतिबद्धता जताई। मंगलवार को बाबा साहब को श्रद्धांजलि देने के बाद अखिलेश यादव ने यहां पत्रकारों से कहा कि संविधान बनाने वाले डॉ. भीमराव अंबेडकर को नमन है। उन्होंने समाज में दबे कुचले वर्ग के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए संघर्ष और जीवनभर काम किया। उनकी सामाजिक न्याय की लड़ाई जारी रखने का संकल्प लेते हुए हमें आगे बढ़ना है। यह हजारों साल के संघर्ष के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। अखिलेश ने संविधान को सम्मान और अधिकारों का आधार बताया। अखिलेश यादव ने भाजपा पर संविधान बदलने की मंशा का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यूपी की जनता को संविधान बचाने के लिए धन्यवाद। संविधान कागज नहीं, लोहे की तलवार है। सपा अध्यक्ष ने संविधान को न्याय और सम्मान दिलाने वाला बताया। उन्होंने दलित-पिछड़ों पर भेदभाव का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के सिद्धांतों को आगे बढ़ाना होगा तभी समाज को जातीय भेदभाव, खासकर पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) को दूर किया जा सकता है। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार में बाबा साहब की प्रतिमाएं तोड़े जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आएदिन प्रदेश में बाबा साहब की प्रतिमाएं तोड़े जाने और पोस्टर फाड़ने के मामले सामने आते हैं, लेकिन सरकार उन पर कोई एक्शन नहीं लेती है। अखिलेश यादव ने भावुक होते हुए बाबा साहब की मूर्ति खंडित करने वालों को चेतावनी दी। उन्होंने ये लोग न सिर्फ मूर्ति खंडित करते हैं बल्कि उनका संविधान भी नहीं मानते। शादी कार्यक्रम में घोड़ी नहीं चढ़ने देते, पानी पीने से रोकते हैं। ये लड़ाई लम्बी है और मजबूती से लड़ी जाएगी और सपा सरकार आने पर इस पर कम किया जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई, किसान के साथ अन्याय, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है। इसलिए जनता से 2027 में भाजपा को प्रदेश से हटाने की अपील करता हूं। उन्होंने नोएडा में श्रमिकों के प्रदर्शन और घटना को सरकार की नाकामी बताया। उन्होंने इसे सरकार की लापरवाही करार दिया। श्रमिकों के साथ अन्याय न किए जाने और उनकी मांगें मानकर न्याय दिए जाने की बात कही।

नोएडा में मंगलवार को भी श्रमिकों का बवाल जारी

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। जिला गौतमबुद्ध नगर में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर कई दिनों से चल रहा श्रमिकों का आंदोलन उग्र होता जा रहा है।मंगलवार 6वें दिन श्रमिकों ने नोएडा के कई इलाकों में पथराव और तोड़फोड़ कर बवाल किया। इसके साथ ही कई औद्योगिक इलाकों में फैक्टरियों के बाहर मजदूर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। तनाव के बीच तमाम औद्योगिक इकाइयों में कामकाज ठप है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से दी गई राहत के बाद भी श्रमिकों का उग्र प्रदर्शन खत्म नहीं हो रहा है। इसके चलते नोएडा व ग्रेटर नोएडा के 80 प्रतिशत कंपनियां आज बंद रही हैं। श्रमिकों के आंदोलन के चलते उद्योगपति फैक्टरी या कंपनी खोलने से घबरा रहे हैं। आज भी कई जगहों पर श्रमिक हिंसक हो उठे। सेक्टर 70 में क्लियो काउंटी सोसाइटी के पास श्रमिकों ने पथराव कर तोड़फोड़ भी की है। श्रमिकों ने पुलिसकर्मियों को भी निशाना बनाया है। पुलिस ने किसी तरह स्थिति को काबू किया। नगर के सेक्टर 70 के अलावा सेक्टर 80 में भी सुबह श्रमिक बेहद उग्र दिखे। सेक्टर 80 में कई फैक्टरियों के बाहर जुटे प्रदर्शनकारियों ने कानून को हाथ में लेने की कोशिश की। हालांकि, पहले से सतर्क पुलिस ने स्थिति को ज्यादा बिगड़ने नहीं दिया। सेक्टर 70 में पथराव करने वाले 15 से अधिक लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि आज सुबह से ही विभिन्न औद्योगिक क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि छुटपुट घटनाओं को छोड़कर शांति बनी हुई है। उन्होंने श्रमिकों से अपील किया है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने वेतन बढ़ोतरी और उनकी अन्य मांगों को मान लिया है। अब सभी शांतिपूर्वक काम पर लौट आएं। अपर पुलिस आयुक्त ने कहा कि उपद्रव करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है। सोमवार और आज हो रहे प्रदर्शन के दौरान उपद्रव करने वालों की पहचान वीडियो क्लिप के आधार पर पहचान कर गिरफ्तार किया जा रहा है। पुलिस ने अभी तक 300 से ज्यादा उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। अभी तक कुल 7 एफआईआर दर्ज हुई है। 2 एक्स हैंडल पर भी भ्रामक खबर फैलाने पर मुकदमा हुआ है। पुलिस ने माहौल की संवेदनशीलता को देखते हुए सुरक्षा बढ़ा दी है। जिला प्रशासन के अनुसार सोमवार के हिंसक प्रदर्शन के बाद 24 घंटे के भीतर सरकार ने सभी श्रेणियों के मजदूरों के लिए न्यूनतम मजदूरी बढ़ा दी है और संशोधित दरें एक अप्रैल से प्रभावी की हैं। गौतमबुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम ने कहा कि मजदूरी में उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने वृद्धि की है। इस फैसले को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कल देर रात मंजूरी दे दी। उन्होंने बताया कि गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद में अकुशल श्रमिकों को अब 11,313 रुपये प्रति माह के बजाय 13,690 रुपये प्रतिमाह मिलेंगे, जबकि अर्ध-कुशल श्रमिकों को 15,059 रुपये और कुशल श्रमिकों को 16,868 रुपये न्यूनतम मजदूरी दी जाएगी। अन्य नगर निगम क्षेत्रों में संशोधित मासिक वेतन अकुशल श्रमिकों के लिए 13,006 रुपये, अर्धकुशल श्रमिकों के लिए 14,306 रुपये और कुशल श्रमिकों के लिए 16,025 रुपये तय किया गया है। शेष जिलों में अकुशल श्रमिकों को 12,356 रुपये प्रतिमाह, अर्धकुशल श्रमिकों को 13,591 रुपये और कुशल श्रमिकों को 15,224 रुपये प्रतिमाह मिलेंगे।

बाबा साहेब के संविधान ने देश को दिया समानता और सामाजिक न्याय का अधिकारः महबूब अली

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। मंगलवार को डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर सदर विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री, लोक लेखा समिति उ०प्र० के सभापति महबूब अली ने उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर श्री महबूब अली ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर के महत्वपूर्ण योगदान से बना भारतीय संविधान विश्व के श्रेष्ठ संविधानों में से एक है। उन्होंने कहा कि इस संविधान ने देश के सभी वर्गों और धर्मों को समान प्रतिनिधित्व, भेदभाव से मुक्ति और एक मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रदान की है। उन्होंने यह भी बताया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर आजाद भारत के प्रथम कानून मंत्री रहे और उन्होंने समाज के वंचित वर्गों को न्याय दिलाने के लिए ऐतिहासिक कार्य किए। श्री अली ने बाबा साहेब को धन्यवाद देते हुए कहा कि कुछ लोगों की नकारात्मक मानसिकता के बावजूद उनका बनाया हुआ संविधान आज भी सामाजिक न्याय की रक्षा करने में सफल है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भी बाबा साहेब के विचारों को अपनाने का संकल्प लिया।

देवरिया में मरम्मत के समय हाईटेंशन लाइन में अचानक करंट आने से दो लाइनमैन झुलसे

प्रात: किरण संवाददाता

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र स्थित खुदिया गांव में मंगलवार को ट्रांसफार्मर पर कार्य के दौरान 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दो संविदा विद्युत कर्मी गंभीर रूप से झुलस गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत दोनों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों की पहचान राजू कुशवाहा 25 वर्ष), निवासी फूलवरिया थाना सुरौली और गणेश (34 वर्ष) निवासी पुरैना शुक्ल थाना सलेमपुर के रूप में हुई है। दोनों संविदा लाइनमैन के रूप में कार्यरत हैं और मोहाव फीडर से जुड़े एक ट्रांसफार्मर पर मरम्मत कार्य कर रहे थे। इसी दौरान अचानक लाइन में करंट प्रवाहित हो होने से दोनों कर्मचारी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों और विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को उपचार के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद राजू कर्मचारी की हालत गंभीर देखते हुए उसे गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया जबकि दूसरे का इलाज देवरिया में ही चल रहा है। इस घटना के बाद विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि लाइन को बंद किए बिना ही मरम्मत कार्य कराया जा रहा था, जिससे यह गंभीर हादसा हुआ।

संक्षिप्त खबरें

भगवतपुर के पास 20 लीटर देसी शराब बरामद, दो धंधेबाज गिरफ्तार

कोईलवर। चांदी थाना पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 20 लीटर देसी शराब बरामद की है। इस दौरान पुलिस ने दो धंधेबाजों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष राकेश कुमार रौशन ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि दो कारोबारी भगवतपुर गांव के समीप शराब लेकर बिक्री के लिए जा रहे हैं। सूचना के आलोक में पुलिस टीम ने तत्काल छापेमारी की। छापेमारी के दौरान मौके से 20 लीटर देसी शराब बरामद किया गया। वहीं, मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार धंधेबाजों की पहचान मोहन यादव और राजेश कुमार सिंह, दोनों ग्राम भगवतपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि इस संबंध में आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

शिक्षाविद लाखा सिंह की मनाई गई पुण्यतिथि

चरपोखरी। प्रखंड के मदरहां गांव में प्रख्यात शिक्षाविद लाखा सिंह की पांचवीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। समारोह में ग्रामीणों व गणमान्य व्यक्तियों ने उनके तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लाखा सिंह ने अपने सेवाकाल में मदरहां, लिलारी, सेमरांव टोला, ध्रुवडिहां और बालक मध्य विद्यालय पीरो जैसे आधा दर्जन विद्यालयों में प्रभारी प्रधानाध्यापक के रूप में अविस्मरणीय सेवाएं दीं। उनके द्वारा जगाई गई शिक्षा की अलख आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बनी रहेगी इसी शिक्षा के प्रति उनके समर्पण हेतु जिला शिक्षा विभाग उन्हें पूर्व में सम्मानित भी कर चुके है इस मौके पर अशोक कुमार सिंह, हरेंद्र सिंह, राजा पाठक, बिक्रम मिश्र, कृष्णा मुरारी, जितेंद्र कुमार सिंह व राजू राज सहित कई लोग उपस्थित थे।

गीधा थाना पुलिस की कार्रवाई, तीन गिरफ्तार, 50 लीटर शराब बरामद

कोईलवर। गीधा थाना पुलिस ने विभिन्न मामलों में कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक आरोपी को 50 लीटर देसी शराब के साथ पकड़ा है, जबकि एक अन्य लंबे समय से फरार चल रहे अभियुक्त को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, झानपुर गांव निवासी नंद किशोर राय के पुत्र सूरज कुमार को 50 लीटर देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। वहीं, गीधा थाना कांड संख्या-136/24 में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी बिट्टू पासवान को भी गिरफ्तार किया गया। वह उदवंतनगर थाना क्षेत्र के चौकीपुर गांव का रहने वाला है। इसके अलावा एक अन्य आरोपी को भी अलग मामले में गिरफ्तार किया गया है। सभी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया जारी है। थानाध्यक्ष टिंकू कुमार ने बताया कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शराब कारोबार और फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस पूरी तरह सक्रिय है और ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ट्रक से बचने के चक्कर में दो बाइक सवार फिसल कर सड़क पर गिरा, एक की मौत दूसरा घायल

छपरा ग्रामीण/नगरा। सारण जिले के मढ़ौरा प्रखंड के गौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत गौरा मिडिल स्कूल के समीप मंगलवार की दोपहर हुए सड़क हादसे में बनियापुर थाना क्षेत्र के हरपुर कराह गांव के दो सगे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें एक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दूसरे की हालत चिंताजनक बनी हुई है। बताया जाता है कि हरपुर कराह निवासी दोनों भाई अपने घर में होने वाली शादी की तैयारियों के सिलसिले में बाइक से किसी काम से जा रहे थे। इसी दौरान गौरा मिडिल स्कूल के पास सामने से आ रहे ट्रक से बचने के प्रयास में उनकी बाइक सड़क पर गिर बालू पर फिसल गई और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही गौरा थाना की डायल 112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगरा अस्पताल पहुंचाया। जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. अनु सिंह ने प्राथमिक उपचार किया। घायल व्यक्ति की हालत नाजुक होने के कारण एक को बेहतर इलाज के लिए छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों में स्व. बैद्यनाथ सिंह के 60 वर्षीय पुत्र भिरगू नाथ शामिल हैं, जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं उनके भाई बीरबहादुर सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई, जिससे शादी वाले घर में मातम पसर गया। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां सड़क पर गिरे बालू के कारण अक्सर छोटीबड़ी हादसे होते रहते हैं। घटना के बाद स्थानीय पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

रोहतास में कर्ज के दबाव में महिला ने दी जान, मासूम बच्चे की छिनी मां का सया, पुलिस जांच में जुटी

प्रात: किरण संवाददाता

रोहतास। जिले के चेनारी थाना क्षेत्र से एक दर्दनाक खबर सामने आई है जहां पैसों की तंगी और कर्ज के कथित दबाव में एक महिला ने आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है। मृतका की पहचान 30 वर्षीय रीमा देवी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उनके पति मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं और उनका एक छोटा बच्चा भी है जो अब मां के साये से वंचित हो गया है। परिजनों के अनुसार रीमा देवी ने स्थानीय बंधन समूह से कर्ज लिया था। बीते कुछ दिनों से वह कर्ज की किश्तों के भुगतान को लेकर लगातार मानसिक तनाव में थीं। सोमवार की शाम समूह से जुड़े कुछ लोग उनसे मिलने घर पहुंचे थे। इसके बाद महिला ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। कुछ देर बाद जब दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। दरवाजा तोड़कर देखा गया तो रीमा देवी का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। यह दृश्य देख परिजनों के होश उड़ गए और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की सूचना मिलते ही चेनारी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। चौकीदार अलगू पासवान ने बताया कि शुरुआती जांच में किसी पारिवारिक विवाद की बात सामने नहीं आई है। हालांकि परिजनों ने कर्ज के दबाव की बात कही है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा।

प्रेमी को बुलाने की जिद में 100 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ी नाबालिग

प्रात: किरण संवाददाता

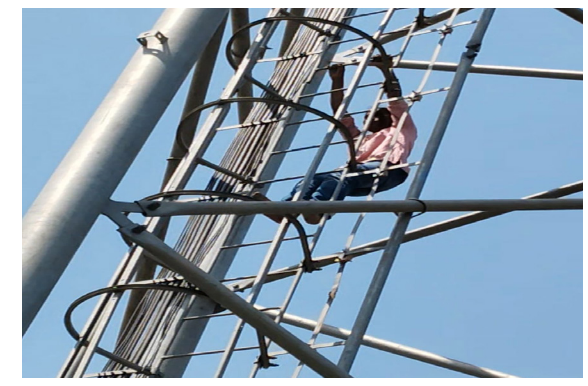

कोईलवर। भोजपुर जिले के चांदी थाना क्षेत्र के बहियारा गांव में सोमवार की दोपहर एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जब एक नाबालिग लड़की करीब 100 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गई। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई और इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही चांदी थाना की पुलिस थानाध्यक्ष राकेश कुमार रौशन के नेतृत्व में दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। बताया जाता है कि लड़की अपने साथ मोबाइल फोन भी लेकर टावर पर चढ़ी थी। पुलिस ने सूझबूझ का परिचय देते हुए मोबाइल फोन के माध्यम से लड़की से लगातार बातचीत की और उसे सुरक्षित नीचे उतरने के लिए समझाने का प्रयास किया। इस दौरान लड़की अपने प्रेमी को तुरंत बुलाने की जिद पर अड़ी रही और बार-बार यह कह रही थी कि यदि उसकी बात नहीं मानी गई तो वह टावर से कूदकर अपनी जान दे देगी। काफी देर तक चले इस हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद पुलिस ने लड़की को आश्वासन दिया कि नीचे उतरने के बाद उसके प्रेमी को बुलाया जाएगा। लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत और समझाने के बाद आखिरकार लड़की सुरक्षित नीचे उतर आई, जिससे पुलिस और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। थानाध्यक्ष राकेश कुमार रौशन ने बताया कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है तथा लड़की के परिजनों को बुलाया गया है। घटना के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

भाजपा महानगर द्वारा सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बनने पर मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी। गया महानगर कार्यालय में एनिमल वेलफेयर बोर्ड आफ इंडिया मत्स्य पालन एवं डेयरी मंत्रालय के प्रतिनिधि विकास कुमार ने राजनंद गाधी को मिठाई खिलाकर विधायक दल के नेता बनाने पर सम्राट चौधरी बनने पर खुशी जाहिर कि है।

ऐतिहासिक होगा श्री हनुमत महायज्ञ एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव : मुखिया प्रत्याशी अभिमन्यु कुमार सिंह

प्रात: किरण संवाददाता

भोजपुर जिले के जगदीशपुर प्रखंड क्षेत्र के बहुआरा गांव में श्री श्री हनुमत महायज्ञ एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर आध्यात्मिक वातावरण पूरी तरह तैयार हो चुका है। आगामी 1 मई से 7 मई तक चलने वाले इस विराट धार्मिक आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। यज्ञ की सफलता और मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व बीते दिनों विधि-विधान के साथ ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। गाँव भ्रमण कर लिया देवी-देवताओं का आशीर्वाद लिया गया.यज्ञ समिति के सदस्यों और ग्रामीणों ने गाजे-बाजे के साथ पूरे गांव का भ्रमण किया। इस दौरान स्थानीय देवी-देवताओं का आह्वान कर यज्ञ के निर्विघ्न संपन्न होने और लोक कल्याण के लिए आशीर्वाद मांगा गया। भ्रमण के पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के बीच ध्वज स्थापित किया गया, जो इस भव्य महायज्ञ के शुभारंभ का प्रतीक है। भोजपुर भाजपा नेता सियरूआ पंचायत से मुखिया प्रत्याशी अभिमन्यु कुमार सिंह ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन ऐतिहासिक होगा। उन्होंने कहा कि बहुआरा की धरती पर आयोजित होने वाले इस महायज्ञ में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शिरकत करेंगे। भक्तों की सुविधा और सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। विख्यात संतों का आगमन होगा. महायज्ञ के दौरान देश के जाने-माने संतों और विद्वानों का सानिध्य प्राप्त होगा। जिसमे मुख्य रूप से आचार्य श्री श्याम नारायण पांडे वैदिक जी (यज्ञ अनुष्ठान के प्रधान) श्री श्री 108 महामंडलेश्वर बैजनाथ दास जी त्यागी जी महाराज श्री दिलीप दास जी महाराज उपस्थित रहेंगे.यज्ञ के सात दिनों तक प्रतिदिन श्रीमद्भागवत कथा और राम कथा का आयोजन होगा, जिसमें विद्वान प्रवचनकर्ताओं द्वारा भक्ति मार्ग पर प्रकाश डाला जाएगा। समस्त ग्रामीण जनता एवं क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमी जनता से अपील की है कि वे इस भव्य आयोजन में उपस्थित होकर पुण्य के भागी बनें और आध्यात्मिक लाभ उठाएं। 1 मई से शुरू होने वाला यह अनुष्ठान 7 मई को पूर्णाहुति और भव्य भंडारे के साथ संपन्न होगा।

लिच्छवी एक्सप्रेस से अवैध वेंडिंग पानी की बोतल सिवान स्टेशन पर उतारी गई

प्रात: किरण संवाददाता

सीवान/वाराणसी, :मंडल रेल प्रबंधक श्री आशीष जैन के निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री शेख रहमान के नेतृत्व में वाराणसी मंडल पर चलने वाली ट्रेनों में अवैध वेंडिंग और अनधिकृत पानी की बोतल बिक्री के खिलाफ वाणिज्य निरीक्षकों की टीम द्वारा छपरा,सीवान, बलिया एवं गाजीपुर सिटी समेत प्रमुख स्टेशनों पर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 14.04.2026 को विशेष अवैध वेंडिंग और अनधिकृत पानी की बोतल बिक्री विरुद्ध एवं अनाधिकृत यात्री अभियान के अन्तर्गत गाड़ी संख्या 12562 डाउन स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस (बलिया से छपरा जं के मध्य) के पेंट्री कार के अंदर अनाधिकृत पानी समेत 06 व्यक्ति बिना टिकट के यात्रा करते पाए गए। पकड़े गए व्यक्तियों का पेनाल्टी के साथ टिकट बनाया गया जिसे कुल रुपए 4910 रेल राजस्व के रूप में प्राप्त हुआ। इसके साथ ही पेंट्री कार में अनाधिकृत 70 बोतल पानी दिव्य जल ढक्कं को जप्त कर पार्सल कार्यालय छपरा जं को अग्रिम कार्यवाही हेतु सुपुर्द किया गया। इसी क्रम में आज दिनांक 14.04.2026 को विशेष अवैध वेंडिंग और अनधिकृत पानी की बोतल बिक्री के विरुद्ध अभियान के अन्तर्गत गाड़ी संख्या 14006 डाउन लिक्ष्वी एक्सप्रेस (मऊ से सिवान जं के मध्य) के पेंट्री कार के अंदर 12 कार्टून अनाधिकृत ब्राण्ड अठ्ठखअख पानी पकड़ा गया। पकड़े गए पानी के कार्टूनों को सीज करके वाणिज्य अधीक्षक सिवान को अग्रिम कार्यवाही हेतु सुपुर्द किया गया। इसी क्रम में आज दिनांक 14.04.2026 को विशेष अवैध वेंडिंग और अनधिकृत पानी की बोतल बिक्री के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत गाजीपुर सिटी रेलवे स्टेशन पर 03 अनाधिकृत वेण्डरों को पैकेण्ड ड्रिंकिंग वाटर,कोल्डड्रिंक एवं आइसक्रीम बेचते पकड़ा गया और बिक्री की जा रही सामग्रियों समेत रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट,गाजीपुर सिटी को अग्रिम कार्यवाही हेतु सुपुर्द किया गया।

राज्यपाल जानेंगे विश्वविद्यालय का हाल, 5 मई को वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ बैठक

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। राज्य के विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक, प्रशासनिक और वित्तीय स्थिति की गहन समीक्षा के लिए राज्यपाल द्वारा सिलसिलेवार बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 5 मई को वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ महत्वपूर्ण बैठक निर्धारित की गई है। इस बैठक का उद्देश्य विश्वविद्यालय की वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों, चुनौतियों और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा करना है राज्यपाल, जो सभी राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति भी हैं, प्रत्येक विश्वविद्यालय से व्यक्तिगत रूप से जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं। इसके तहत सभी कुलपतियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने विश्वविद्यालय की विस्तृत प्रस्तुति तैयार करें। इस प्रस्तुति में शैक्षणिक गुणवत्ता, शिक्षकों की उपलब्धता, आधारभूत संरचना, शोध कार्य, वित्तीय प्रबंधन और छात्रों से जुड़ी समस्याओं जैसे विषयों को शामिल किया जाएगा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय की बैठक में कुलपति के साथ कुलसचिव, वित्त पदाधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। बैठक में विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट के साथ-साथ सुधार के लिए आवश्यक कदमों पर भी चर्चा की जाएगी। खास तौर पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, परीक्षाओं के समय पर आयोजन और परिणामों की पारदर्शिता पर जोर दिया जाएगा राज्यपाल का यह प्रयास राज्य के उच्च शिक्षा तंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। लगातार हो रही इन बैठकों से विश्वविद्यालयों की समस्याओं की पहचान कर उन्हें दूर करने की रणनीति तैयार की जाएगी। इससे आने वाले समय में छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलने की उम्मीद है।

वीकेएसयू में गठित होगा नवाचार क्लब

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में नवाचार को बढ़ावा देने और छात्रों में रचनात्मक सोच विकसित करने के उद्देश्य से इ्नोवेशन क्लबकृ की स्थापना की जाएगी। इस पहल का मुख्य लक्ष्य विद्यार्थियों को जमीनी स्तर की समस्याओं को समझने और उनके व्यावहारिक समाधान खोजने के लिए प्रेरित करना है। इस क्लब के सदस्य मिलकर काम करेंगे, जिससे नए विचारों का आदान-प्रदान हो सकेगा और नवाचार की संस्कृति को मजबूती मिलेगी।कुलसचिव प्रो. रामकृष्ण ठाकुर ने बताया कि यह क्लब औद्योगिक और सामाजिक समस्याओं के अध्ययन पर भी विशेष ध्यान देगा। छात्रों को तकनीकी समझ के आधार पर वास्तविक समस्याओं के समाधान विकसित करने का अवसर मिलेगा। इसके तहत विभिन्न कार्यशालाएं, सेमिनार और परियोजना प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों की रचनात्मकता और तकनीकी कौशल का विकास हो सके इनोवेशन क्लब का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य छात्रों को केवल नौकरी पाने तक सीमित न रखकर उन्हें उद्यमिता की ओर भी प्रेरित करना है। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि बदलते सामाजिक और आर्थिक परिवेश में छात्रों को नौकरी खोजने केसाथ-साथ रोजगार सृजन करने के लिए भी तैयार होना चाहिए। इस दिशा में क्लब छात्रों को नए स्टार्टअप शुरू करने और नवाचार आधारित परियोजनाओं पर काम करने के लिए प्रोत्साहित करेगा.नए सत्र से इस क्लब की गतिविधियां शुरू होने की संभावना है, जिससे भोजपुर, रोहतास, कैमूर और बक्सर जिलों के हजारों छात्रों को लाभ मिलेगा। यह पहल न केवल शिक्षा के स्तर को उन्नत करेगी, बल्कि समाज और उद्योग के लिए उपयोगी समाधान तैयार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका।

भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती समारोह पूर्वक मना

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। सीवान/ भारत रत्न, ज्ञान के प्रतीक, बाबा साहेब डॉक्टर भीम राव अंबेडकर साहब की 135 वीं जयंती समारोह समिति सिवान सह अनुसूचित जाति जनजाति कर्मचारी संघ सिवान के तत्वधान में मनाई गयी बैठक की अध्यक्षता डॉक्टर एस के अमन पूर्व उपनिदेशक स्वास्थ्य विभाग बिहार सरकार, संचालन बी. के. प्रसाद एवं गणेश राम उर्फ ज्ञान रत्न अधिवक्ता सिवान ने की ' मिशन गायक विकास राव ने अपने गायन के माध्यम से बाबासाहेब भीम राव आंबेडकर पर प्रकाश डाला ' सभा को संबोधित करते हुए गणेश राम उर्फ ज्ञान रत्न अधिवक्ता ने कहा कि अगर बाबा साहब नहीं रहते तो आज दबे कुचले समाज के लोग आज यहाँ तक नहीं पहुँचे रहते ' बाबा साहब के द्वारा लिखें गए संविधान का देन हैं कि आज हर समाज की बचिया शिक्षा ग्रहण कर रही हैं, महिलाये पुरुषो के बराबरी ऊंचे से ऊंचे स्थान पर पहुँच रही हैं तथा समाज में समरसता और भाईचारा दिखाई दे रहा हैं ' सभा को सम्बोधित करते हुए डॉ. इंद्रमोहन कुमार ने कहा कि बाबा साहेब की देन है कि मैं आज डाक्टर हूँ ' आप लोंग भी अपने बच्चों को पढ़ाई लिखाकर आगे बढ़ाये तभी आपका विकाश होगा ' सभा को सम्बोधित करते हुए डॉ. राजीव कुमार रंजन ने कहा कि बाबा साहब के संविधान की देन है कि आज सर्व समाज के लोग एक साथ खाना पीना करते हैं तथा एक साथ प्रधान से लेकर प्रधान मंत्री तक की कुर्सी पर पहुँचे रहे हैं ' सभा को सम्बोधित करने वालों में राजदेव बौद्ध, डॉ अशोक कुमार, डॉ सुधा रंजन, डॉ संगीता कुमारी, डॉ आर शंकर, डॉ राजेश रंजन, डॉ एम डी, अली, डॉ शम्भू कुमार, डॉ शरद चौधरी, डॉ मुकेश कुमार,डॉ निशा कुमारी,परदेशी राम दास, धुरेंद्र राम, ललन बैठा, श्रीराम दास, मोती लाल बौद्ध अरुण कुमार, श्री राम भारती, हीरालाल राम, प्रेम मांझी, शैलेन्द्र चौधरी, प्रमोद कुमार,डॉ राम सूरत बौद्ध, डॉ दुनदुन बौद्ध, बिमलेश बौद्ध,कमलेश बौद्ध, दीपक सम्राट, रवि रत्न,प्रो. रवि कांत कुमार, प्रो. राकेश कुमार, केशव कुमार, असरेन्द्र कुमार अमन, शैलेश कुमार,अंशुमान कुमार, अनुज कुमार, प्रवीण कुमार, चन्दन कुमार,नीरज कुमार,अन्नू कुमारी रीना बौद्ध, ओम प्रकाश राम,शिव प्रसाद राम,रवि कुमार,लक्ष्मी कुमारी, हीरालाल प्रसाद, मीना कुमारी, आशा कुमारी, रेणु बौद्ध, आदि लोगों ने सम्बोधित किया ' यह जानकारी एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर एडवो गणेश राम उर्फ ज्ञानरत्न ने दी।

प्लस टू उर्दू गर्ल्स उवि गया का मैट्रिक में 90 एवं इंटर में 82 प्रतिशत रहा रिजल्ट

मैट्रिक में मुबस्सरा ने 86 जबकि इंटर में नुसरत और इफ्त ने 82 प्रतिशत लाकर किया विद्यालय टॉप

गयाजी। प्लस टू उर्दू गर्ल्स उच्च विद्यालय गया की छात्राओं का मैट्रिक एवं इंटर में दबदबा रहा इस वर्ष उर्दू गर्ल्स प्लस टू स्कूल की 90 प्रतिशत छात्राओं ने मैट्रिक 2026 में जहां सफलता हासिल की है वहीं इंटरमीडिएट में भी 82 प्रतिशत छात्राओं ने सफलता हासिल की है।छात्राओं की इस सफलता को लेकर विद्यालय में फेलिसिटेशन कार्यक्रम आयोजित कर छात्राओं को सम्मानित किया गया इस मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापक मो० हारून रशीद ने जानकारी देते हुए बताया कि मैट्रिक परीक्षा 2026 में 100 छात्राओं ने परीक्षा दी थी जिसमें मोबस्सरा खातून ने 86 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय में टॉप किया है जबकि महजबीं खातून 77 प्रतिशत अंक हासिल कर द्वितीय एवं रूमसिया नाज 76 प्रतिशत अंक लाकर तृतीय और फरहीन ने 75.40 अंक लाकर चतुर्थ नम्बर पर रहीं प्रभारी प्रधानाध्यापक हारून रशीद ने बताया कि इसी तरह इंटरमीडिएट में तलत अंजुम ने साइंस में 84 प्रतिशत लाकर विद्यालय में टॉप किया जबकि नुसरत जहां और ईफ्त नाज ने 82 प्रतिशत अंक लाकर आर्ट्स में टॉप किया है वहीं आर्ट्स में फरहाना बानो 81 प्रतिशत अंक लाकर द्वितीय,नजहत खातून 80 प्रतिशत अंक लाकर तृतीय,फिज़ा परवीन 79 प्रतिशत अंक लाकर चौथे और मार्या तबस्सुम 78.40 प्रतिशत लाकर पांचवें स्थान पर रहीं।वहीं साइंस में बुशरा खातून ने 83.40 प्रतिशत अंक लाकर द्वितीय,आयमन मकसूद ने 83 प्रतिशत लाकर तृतीय और शिफा परवीन ने 77.60 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय में चौथा स्थान प्राप्त किया है इन सभी छात्राओं को मोमेंटो,मेडल के साथ साथ प्रमाणपत्र एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया।मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव इकबाल रसूल,आपदा प्रबंधन बिहार के राज्य प्रशिक्षक डॉ० सैयद मुस्तफा कमाल,शिक्षक मरगूबुल हसन, किशवर फरजाना,नेहा कुमारी,रूमाना परवीन,शाफई शम्स,रियासत नवाज के अलावा अभिभावक उपस्थित थे।

फाइनल में चरपोखरी को हरा कर पनवारी बना विजेता

ट्राईबेकर से 4-1 से पनवारी की टीम विजयी

चरपोखरी। प्रखंड मुख्यालय स्थित खेल मैदान में किशोर क्लब चरपोखरी द्वारा आयोजित सद्भावना सीजन कप-2 फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला मंगलवार को चरपोखरी और पनवारी की टीम के बीच खेला गया।जिसमें पनवारी की टीम ट्राय ब्रेकर में 4-1 से चरपोखरी को हराकर विजयी हुई।फाइनल मैच का उद्घाटन मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष पप्पू साह,सियाडीह मुखिया लालमुक्ति पासवान,मझियांव मुखिया रितेश कुमार, समाजसेवी पिंटू सिंह, पांडेय,मिथुन सिंह ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के बाद गेंद को किक मारकर किया।जिसके बाद राष्ट्रगान के बाद विधिवत मैच शुरु हुआ।मैच में सभी अतिथियों को अंगवस्त्र और फूलमाला देकर किशोर क्लब चरपोखरी के सदस्यों द्वारा सम्मानित किया गया।इधर मैच के निर्धारित समय में चरपोखरी और पनवारी टीम के खिलाड़ियों द्वारा बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया लेकिन गोल करने में कामयाब नही हो सके जिसके बाद मैच का निर्णय ट्राईबेकर के सहारे किया गया।जिसमें पनवारी की टीम ने 4-1 से चरपोखरी को हरा विजयी हुआ।मैच में विक्की सिंह ने रेफरी वही लाइंस मैन के रूप में अमरजीत सिंह व गोविंद सिंह तथा उद्घोषक मनोज साह रहे।मैच के अंत में अतिथियों द्वारा विजेता और उप विजेता टीम के खिलाड़ियों को शील्ड और मेडल दे सम्मानित किया गया।मौके पर किशोर क्लब चरपोखरी के संचालक पूर्व मुखिया विजय बहादुर सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

पिलदौरी गांव में राजद के वरिष्ठ नेता रामचन्द्र चौधरी के नेतृत्व में डाक्टर भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह

प्रात: किरण संवाददाता

भागलपुर। जिले के नगर परिषद सुल्तानगंज के पिलदौरी गांव में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी डाक्टर भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह धुमधाम से मनाया गया।इस मौके पर राजद के वरिष्ठ नेता रामचन्द्र चौधरी ने डाक्टर भीमराव अम्बेडकर के तैलचीत्र पर माल्यार्पण, पुष्पांजली अर्पित करते हुए केक काट कर धुमधाम से मनाते हुए मैट्रिक और इंटर में सफल हुए छात्र एवं छात्राओं को पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया।इस दौरान रामचन्द्र चौधरी ने कहा कि डाक्टर भीमराव अम्बेडकर के 135 जन्म जयंती पर मैट्रिक और इंटर में सफल हुए सैकड़ों छात्र एवं छात्राओं को कोपी कलम से पुरस्कृत करते डाक्टर भीमराव अम्बेडकर के विचारों पर चलने का संकल्प लिया और कहा कि बच्चे आगे बढ़ने तभी हमारा देश आगे बढ़ेगा की बात कही।इस मौके पर समाजसेवी प्रदिप कुमार सिंह,किरण भारती,विजय चौधरी, मुरारी ठाकुर, गौतम कुमार प्रमाणीकअखलेश ठाकुर,कृष्ण ,संजय कुमार, अमन कुमार ,रवि कुमार, पंकज पासवान,सुरज चौधरी,कपिल यादव, अरविंद सिंह सहित इत्यादि दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

चरपोखरी में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहेब की जयंती, गूंजा जय भीम का नारा

प्रात: किरण संवाददाता

चरपोखरी। प्रखंड क्षेत्र में मंगलवार को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाई गई। अंबेडकर विचार मंच के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह के दौरान गाजे बाजे,और रथ के साथ भव्य जुलूस निकाला गया।इसमें विभिन्न गांवों से आए सैकड़ों लोगों ने शिरकत की। हाथों में नीले झंडे और बैनर थामे युवाओं की टोली जय भीम के नारों के साथ चरपोखरी बाजार का भ्रमण करती रही। इस दौरान आकर्षक झांकियां निकाली गई इस अवसर पर बाबा साहेब की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने संविधान निर्माता के संघर्षों और उनके विचारों के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में सियाडीह मुखिया लालमुक्ति पासवान की सक्रिय भूमिका रही। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलने तथा समाज में समानता व शिक्षा के प्रसार पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रात:किरण
नई दिल्ली, बुधवार, 15 अप्रैल, 2026

राका सिर्फ एक फिल्म नहीं, मेरे भीतर सालों से पल रहा एक हिस्सा है

भारतीय सिनेमा को कई ब्लॉकबस्टर दे चुके फिल्मकार एटली कुमार, अब अपनी आगामी फिल्म राका के साथ एक बेहद निजी और भावनात्मक सफर पर निकल चुके हैं। हालांकि फिल्म के टाइटल अनाउंसमेंट के बाद से ही वे एक बार फिर जबरदस्त चर्चा का विषय बन गए हैं, लेकिन इस प्रोजेक्ट को ख़ास बनाती हैं, इससे जुड़ी उनकी भावनाएं।

'राका' के सफर के बारे में बात करते हुए एटली कुमार कहते हैं, 'राका सिर्फ एक फिल्म नहीं है... ये मेरे अंदर का वो हिस्सा है जिसे मैंने सालों तक संभालकर रखा। 18 साल तक मैं एक आइडिया से जुड़ा रहा, उसे कभी फीका नहीं पड़ने दिया। इसने मुझे परखा, मुझे गढ़ा, और हर दौर में मेरे साथ रहा। और सच कहूं... 'राका' के साथ ये तो बस शुरुआत है।' गौरतलब है कि 'राका' से जुड़ा उनका यह बयान उनके क्रिएटिव प्रोसेस की एक झलक देता है, जहां सिर्फ भव्यता ही नहीं, बल्कि गहरी भावनाएं भी शामिल हैं। हालांकि बीते वर्षों में एटली ने अपने कलाकारों को दमदार और करियर-डिफाइनिंग किरदारों में पेश करने की पहचान बनाई है, साथ ही ऐसे बड़े एंटरटेनर्स दिए हैं, जो हर तरह के दर्शकों से जुड़ते रहे हैं।

फिलहाल 'राका' के साथ वह इस विज़न को एक नए स्तर पर ले जा रहे हैं, जहां इमोशन, स्केल और कहानी का संगम एक ग्लोबल ऑडियंस को ध्यान में रखकर रचा गया है। सिर्फ यही नहीं 'राका' अल्लू अर्जुन के साथ उनकी बहुप्रतीक्षित साझेदारी भी है, जिसमें वे एक अवतार में नजर आनेवाले हैं। अपने ऑन-स्क्रीन प्रेजेंस को लगातार नया रूप देने के लिए मशहूर अल्लू अर्जुन और एटली की जोड़ी ने 'राका' को पहले ही सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में शामिल कर दिया है। हालांकि मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी कई जानकारियां अभी तक छिपाकर रखी हैं, लेकिन टाइटल अनाउंसमेंट ने ही इस दुनिया को लेकर दर्शकों में जबरदस्त जिज्ञासा पैदा कर दी है। अगर एटली की बातों पर भरोसा किया जाए, तो 'राका' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि सालों की मेहनत और विज़न का नतीजा है, जो अब सबसे बड़े मंच पर सामने आने को तैयार है। और जैसा कि एटली कुमार कहते हैं, यह तो बस शुरुआत है।

इन्फ्लूएंसर्स को लेकर एक्टर्स का गुस्सा जायज

साउथ दिल्ली वाली आंटी की मिमिक्री करके सोशल मीडिया स्टार बनी इंफ्लूएंसर कुशा कपिला अब ऐक्टिंग की दुनिया में रम चुकी हैं। 'थैंक यू फॉर कमिंग' और 'सुखी' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं कुशा इन दिनों वेब सीरीज 'मामला लीगल है 2' को लेकर चर्चा में हैं।

जैसी जिंदगी जी, वैसे ही जीना चाहूंगी

सोशल मीडिया स्टार्स की जिंदगी अक्सर एक खुली किताब होती है, जिसके चलते उन्हें जजमेंट, ट्रोलिंग भी झेलनी पड़ती है। कुशा को भी डिवॉर्स से अपने बिजनेस से जुड़े पोस्ट पर ट्रोल किया गया है। इन चीजों को वह कैसे लेती हैं? इस बारे में उनका कहना है, 'असल में निजी जिंदगी को कितना निजी रखना है, यह आप काम करते-करते सीखते हैं। लोग अक्सर ये भूल जाते हैं कि क्रिएटर्स भी उनके बीच से ही आए हैं। हम किसी बैकग्राउंड से नहीं आए हैं। हमको ये लगा कि हम कैमरे पर कुछ कर सकते हैं। खुद ही एडिट करके, अलग-अलग किरदार निभा सकते हैं तो शुरुआती जोश में हम बह भी जाते हैं और उसे मैं गलती नहीं बोलूंगी। आप किसी आर्टिस्ट को भी देखें तो अपने शुरुआती सालों में वे निडर होते हैं। फिर थोड़े-थोड़े बैरिकेड्स लगाने लगाते हैं।

हम क्रिएटर्स की पहली पीढ़ी हैं तो हम भी उस मुकाम पर खड़े हैं

इन दिनों फिल्म इंडस्ट्री में टैलंट के बजाय सोशल मीडिया फॉलोअर्स देखकर कास्टिंग करने को लेकर भी बहस चल रही है। कई ऐक्टर्स इस पर ऐतराज भी जता चुके हैं। कुशा इस पर ऐक्टर्स को सपोर्ट करते हुए कहती हैं, 'ऐक्टर्स का यह गुस्सा बिल्कुल जायज है कि किसी क्रिएटर या इन्फ्लूएंसर्स को केवल मार्केटिंग के लिए हायर किया गया है। इस पर मैं ऐक्टर्स के साथ हूं, लेकिन ये भी हो सकता है कि कुछ क्रिएटर्स ऐक्टिंग में आना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि अपने पांच सेकंड, 15 सेकंड के रील से ज्यादा कुछ बनाए। आप देखें तो हम एकदम शुरुआती क्रिएटर्स में से हैं। हम क्रिएटर्स की पहली पीढ़ी हैं तो हम भी उस मुकाम पर खड़े हैं कि आगे क्या करना है। ऐसे में, हममें से कुछ लोगों का बहुत ही नैचरल महत्वाकांक्षा ऐक्टर बनना हो सकती है तो आपको एक कदम पीछे लेकर सोचना चाहिए कि आप किस तरह के रोल, कैसे प्रॉजेक्ट करना चाहेंगे। आप एक-दो साल जाकर सीखिए। वर्कशॉप कीजिए, ऑडिशन कीजिए। फेल होइए। मुझे मुंबई आए तीन साल हो गए और मैंने बहुत शांति से सीख रही हूं। मैंने वो प्रक्रिया शुरू कर दी है और इसमें लग जाएंगे बीस-पच्चीस साल।

सलमान खान के राइट हैंड बनेंगे राजपाल यादव! भाईजान की अगली एक्शन फिल्म में हुई एक्टर की एंट्री

अपनी कॉमेडी से दर्शकों का दिल जीतने वाले राजपाल यादव बीते कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में हैं। चेक बाउंस से जुड़े एक मामले में उन्हें तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करना पड़ा था। फिलहाल उन पर कर्ज है। इस बीच बीते दिनों एक अवॉर्ड शो में कथित तौर पर उनका मजाक उड़ाया गया था। इसके बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर राजपाल यादव को सपोर्ट किया था। भाईजान ने अब राजपाल के प्रति एक बार फिर दरियादिली दिखाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान खान की अगली फिल्म में राजपाल यादव की एंट्री हो गई है। सलमान खान इन दिनों अपनी वॉर ड्रामा फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म के बाद वे निर्माता दिल राजू और निर्देशक वामशी पेडिपल्ली के साथ एक्शन फिल्म में काम करेंगे। फिल्म का नाम फिलहाल तय नहीं है। इसमें सलमान के साथ नयनतारा नजर आएंगी। वहीं, फिल्म की कास्ट में एक नए नाम के जुड़ने की अटकलें भी हैं। राजपाल यादव को फिल्म में लिया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान ने कथित तौर पर राजपाल यादव को अपनी अगली एक्शन एंटरटेनर फिल्म में एक अहम किरदार निभाने के लिए साइन किया है।

पहले भी साथ काम कर चुके हैं सलमान और राजपाल यादव

सलमान की अगली फिल्म को लेकर रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राजपाल यादव इस फिल्म में सलमान खान के राइट हैंड बने दिखेंगे। कहानी में दोनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। रिपोर्ट में आगे यह भी कहा गया है कि सलमान, राजपाल को खास तौर पर पसंद करते हैं और उनका मानना है कि इस रोल के लिए राजपाल एकदम सही हैं। बता दें कि राजपाल यादव और सलमान को पहले भी 'मुझसे शादी करोगी' और 'पार्टनर' जैसी फिल्मों में साथ देखा गया है। अब दोनों को एक बार फिर साथ देखना दिलचस्प होगा। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

बता दें कि बीते दिनों एक अवॉर्ड कंट्रोवर्सी के बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पर राजपाल यादव की खुलकर तारीफ की और अपना समर्थन जताया था। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट शेयर किया था और लिखा, 'राजपाल भाई आप 30 साल से काम कर रहे हो और हम सबने आपको रिपीट किया है बार-बार, क्योंकि आप अपना काम जानते हों और एक वैल्यू लाते हो।

राका बनकर डराएंगे अल्लू अर्जुन! साथ होंगी दीपिका पादुकोण

साउथ के बेहतरीन एक्टर अल्लू अर्जुन ने अपने जन्मदिन पर अपने फैंस को तोहफा दिया है। मेकर्स के साथ मिलकर उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म का नाम और पोस्टर रिवील किया है। पहले उनकी इस फिल्म को AA22×A6 के नाम से जाना जाता था। फैंस को फिल्म का नया नाम और पोस्टर काफी पसंद आ रहा है। इस पर उन्होंने रिएक्शन दिए हैं।

क्या है फिल्म का नाम

मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट की है। इस पोस्ट में फिल्म का पोस्टर रिवील किया गया है। इसके साथ ही फिल्म का नाम भी बताया गया है। पोस्टर कई भाषाओं में रिलीज किया गया है। इसमें अंग्रेजी और हिंदी जैसी भाषाएं भी शामिल हैं। पोस्ट शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा है AA22×A6 का नाम अब राका है। खुद को सीमाओं से आगे देखने के लिए तैयार करें।' इसमें अल्लू अर्जुन, एटली और दीपिका पादुकोण को टैग किया गया है।

पोस्टर में क्या है

'राका' के पोस्टर में देखा जा सकता है कि अल्लू अर्जुन का आधा चेहरा नजर आ रहा है। अपने चेहरे को उन्होंने छुपाया है। उनके चेहरे के आगे किसी जानवर का पंजा है, जो काफी डरावना लग रहा है। उनके सर पर बाल नहीं हैं। उनकी भौहें बनी हुई हैं। उनके माथे पर एक अलग तरह का निशान है जो उन्हें एक नॉर्मल इंसान से अलग करता है।

यूजर्स ने दिए रिएक्शन

अल्लू अर्जुन की अपकमिंग फिल्म के पोस्टर पर रिएक्शन देते हुए एक फैन ने लिखा 'ये तो हॉलीवुड के टक्कर का है।' एक और यूजर ने लिखा है 'राका का इंतजार है।' एक और यूजर ने लिखा 'इंडस्ट्री का एक ही भाई, अल्लू भाई।' एक और यूजर ने लिखा 'वाव क्या पोस्टर है।'

फिल्म की स्टारकास्ट

अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म 'राका' का निर्देशन एटली कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ लीड रोल में दीपिका पादुकोण होंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें रश्मिका मंदाना, मृणाल ठाकुर, जान्हवी कपूर और राम्या कृष्णन नजर आ सकती हैं।

अंदाजा नहीं था कि 'एसके सर' इतना बड़ा चेहरा बनेगा, 'एस्पिरेंट्स' की सफलता पर बोले अभिलाष थपलियाल

लॉकडाउन के दौरान आई सीरीज 'एस्पिरेंट्स' ने पहले ही सीजन से ऑडियंस के बीच जबरदस्त पहचान बना ली थी। 'एसके सर' का किरदार आज भी लोगों के बीच काफी पॉपुलर है। 'अमर उजाला' से खास बातचीत में 'श्वेतकेतु' यानी अभिलाष थपलियाल ने बताया कि 'एस्पिरेंट्स' की सफलता के बाद अब कलाकारों की अपनी-अपनी वैनिटी वैन हो गई है। बातचीत में उन्होंने तापसी पन्नू, अनुराग कश्यप, रेडियो और अपने सफर को लेकर भी कई दिलचस्प बातें साझा कीं।

'मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि 'एसके सर' इतना बड़ा हो जाएगा'

जब हम एस्पिरेंट्स का पहला सीजन कर रहे थे, तब मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि 'एसके सर' इतना बड़ा चेहरा बन जाएगा। बस इतना पता था कि कहानी बहुत अच्छी है और UPSC की दुनिया पर आधारित है। उस समय यह बिल्कुल नहीं लगा था कि यह सीरीज लोगों के बीच इतनी गहराई से जुड़ जाएगी। हमें तो यह भी नहीं पता था कि शो किस प्लेटफॉर्म पर आएगा। बाद में यह यूट्यूब पर रिलीज हुआ और लॉकडाउन के दौरान लोगों ने इसे खूब देखा। शायद यही वजह रही कि एस्पिरेंट्स धीरे-धीरे लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन गया। आज भी एयरपोर्ट, कॉलेज या कहीं भी जाऊं, लोग मुझे 'एसके सर' कहकर बुलाते हैं।

'मैं जमीन पर नागिन डांस कर रहा था... और एक सेकंड को लगा कि मैं फिट नहीं हूं'

पहले दिन सेट पर माहौल बहुत हल्का-फुल्का था। मैं तो मस्ती में जमीन पर नागिन डांस कर रहा था और सब हंस रहे थे। लेकिन उसी बीच एक ऐसा मजेदार और थोड़ा टफ मोमेंट भी आया, जो आज भी याद है। नवीन (को स्टार नवीन कस्तूरिया) ने मजाक-मजाक में डायरेक्टर से कहा, 'ये एसके लग नहीं रहा, किसी और को ट्राय करो।' अब वो मजाक था, लेकिन एक पल के लिए मुझे सच में लगा कि यार, कहीं मैं फिट तो नहीं बैठ रहा? ऐसे मोमेंट्स आपको और मेहनत करने के लिए धक्का देते हैं। बाद में वही किरदार लोगों को इतना पसंद आया कि आज सब मुझे 'एसके सर' के नाम से जानते हैं। मेरे लिए सबसे बड़ा चैलेंज था अपनी भाषा और लहजे पर काम करना। मुझे एक ऐसे लड़के को निभाना था जो बिहार से है, लेकिन दिल्ली में रहकर पढ़ाई कर रहा है। उसमें बैलेंस बनाना था कि वो पूरी तरह देहाती भी न लगे और पूरी तरह शहरी भी नहीं। हमने इस पर काफी मेहनत की।

'सबसे बड़ा बदलाव बस इतना आया कि अब सबकी अपनी-अपनी वैनिटी वैन है'

तापसी बहुत पुरानी दोस्त है... लेकिन ..'

तापसी का सपोर्ट मेरे लिए अलग इसलिए था, क्योंकि वो मेरी बहुत पुरानी दोस्त है। हम दोनों जब मुंबई में नए थे, तब से एक-दूसरे को जानते हैं। लेकिन दोस्ती से हटकर भी, एक कलाकार के तौर पर मैं उन्हें बहुत मानता हूं। उन्होंने हमेशा अलग और दमदार काम चुना है। ऑफ स्क्रीन भी वो वैसी ही हैं। बहुत साफ, बहुत सीधी। इंडस्ट्री में अगर मेरे करीबी दोस्तों की बात होगी, तो तापसी उनमें जरूर होंगी। मुझे पता है कि अगर मैं कभी उलझूं, तो वो मुझे घुमा-फिराकर नहीं, सीधी बात ही कहेंगी।

'पहली मुलाकात में ही मैंने कह दिया था कि मैं फिल्म छोड़ देता हूं'

तापसी पन्नू के साथ मेरी पहली ठीक-ठाक मुलाकात भी किसी फिल्मी सीन से कम नहीं थी। यह 'दिल जंगली' की शूटिंग के दौरान हुआ, जब हम लंदन में थे। उस वक्त मैं नया था, छोटे-छोटे काम कर रहा था, रेडियो और स्केचेज की दुनिया से आ रहा था। तापसी उस फिल्म में भी अपने किरदार को लेकर बहुत सीरियस थीं। वह उन एक्टर्स में से हैं जो अपने रोल के लिए जो भी करना पड़े, वह करती हैं। उस फिल्म के लिए उन्होंने अपने लंबे बाल कटवा लिए थे। अब हुआ ये कि एक दिन वह सामने आईं और अचानक मुझसे पूछने लगीं, 'तुमने देखा? मैंने बाल कटवा लिए, कुछ बोलोगे नहीं?' और फिर न जाने कैसे बात मजाक से बहस में बदल गई। वह मुझे डांटने लगीं, मैं भी पलटकर जवाब देने लगा। कुछ ही देर में हम दोनों एक-दूसरे पर ऊंची आवाज में बात कर रहे थे।

'मुझे भी लंबे समय तक 'हीरो के दोस्त' वाले रोल मिलते रहे'

हमारी इंडस्ट्री की एक दिक्कत ये है कि वो बहुत जल्दी आपको एक खाने में डाल देती है। ये हीरो है, ये हीरो का दोस्त है, ये विलेन है, ये अमीर है, ये गरीब है... बस फिर उसी हिसाब से रोल आने लगते हैं। मेरे साथ भी ऐसा हुआ। शुरुआत में मुझे भी अक्सर 'हीरो के दोस्त' वाले रोल मिलते थे। दिक्कत रोल से नहीं होती, दिक्कत तब होती है जब लोग मान लेते हैं कि तुम बस इतना ही कर सकते हो। फिर धीरे-धीरे आपको खुद ही समझाना पड़ता है कि नहीं, मैं इससे ज्यादा भी कर सकता हूं। असली लड़ाई वहीं से शुरू होती है। क्योंकि लोग आपको जिस नजर से देखते हैं, जरूरी नहीं कि आप सच में वही हो।

सोना 9 साल से अक्षय तृतीया पर दे रहा सॉलिड रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। सल्फर सोने की कीमतों में इस साल काफी उतार-चढ़ाव के देखते हुए इस बार

अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना क्या मुनाफे का सौदा साबित होगा बता दें पिछली अक्षय तृतीया (अप्रैल 2025) के बाद से भारतीय स्पॉट मार्केट में सोने की कीमतों में 60 प्रतिशत का उछाल आया है, जिससे निवेशकों की संपत्ति में इजाफा हुआ है। यह लगातार नौवां साल है, जब सोने ने निवेशकों को ठोस रिटर्न दिया है। भारत में सोना खरीदना सिर्फ एक आर्थिक फैसला नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और शुभ संकेत भी है। कुछ खास त्योहारों, जैसे धनतेरस, दिवाली और अक्षय तृतीया पर सोना खरीदा जाता है। ऐसा माना जाता है कि इससे समृद्धि, सौभाग्य और स्थायी धन की प्राप्ति होती है। अक्षय तृतीया भी ऐसा ही एक पर्व है, इस बार 19 अप्रैल 2026 को पड़ रहा है। ऐतिहासिक आंकड़ों के अनुसार, यह त्योहार भारतीयों के लिए काफी फायदेमंद साबित हुआ है। इस साल जनवरी में सोना 1,80,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया था। उसके बाद कीमतों में गिरावट आई है और अब यह करीब 1,50,000 रुपये के स्तर पर है। यह हालिया हाई से लगभग 30,000 रुपये सस्ता है। तेजी के बाद मुनाफावसूली और बढ़ती क्रूड कीमतों के कारण महंगाई की चिंताओं के चलते निवेशकों ने खूब मुनाफा कमाया। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा कीमतें निवेश के लिए एक अच्छा अवसर है। चॉइस ब्रोकिंग की कमोडिटी एक्सपर्ट कावेरी मोरे के अनुसार, इस साल अक्षय तृतीया से पहले भारत में मांग मजबूत बनी हुई है, हालांकि ऊंची कीमतों ने आम ग्राहकों की भारी खरीदारी को सीमित कर दिया है। वहीं, एक मुंबई-बेस्ड बुलियन डीलर का कहना है कि इस बार सोने-चांदी की खरीदारी भी बहुत कम है। माहौल ऐसा नहीं लग रहा कि त्योहार नजदीक आ रहा हो। ग्लोबल लेवल पर चीन में सोने की मांग कमजोर पड़ी है, लेकिन वहां का केंद्रीय बैंक लगातार 17वें महीने सोना खरीद रहा है, जो बुलियन में लगातार भरोसा दिखाता है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि सोने की कीमतों की रफ्तार धीमी जरूर होगी, लेकिन मौजूदा रुझान जारी रह सकता है। केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और जियो-पॉलिटिकल टेशन को देखते हुए सोना एक फायदे का निवेश बना हुआ है। बिजनेस हेड हर्षल दासानी कहते हैं, 'मौजूदा कीमतों पर सोने को रिटर्न के दौड़ वाला निवेश न समझें, बल्कि इसे अपने पोर्टफोलियो को स्थिर करने वाला साधन मानें।' हालांकि उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि पिछले साल जैसा तगड़ा रिटर्न दोहराना मुश्किल हो सकता है।

वर्ल्ड बैंक चीफ अजय बंगा ने किया आगाह, नजरअंदाज न करें

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व बैंक के प्रेसिडेंट अजय बंगा ने पॉलिसी बनाने वालों से बड़ी अपील की है। उन्होंने आगाह करते हुए कहा है कि मिडिल ईस्ट में जारी झगड़े के बीच पॉलिसीमेकर्स एक कहीं ज्यादा जरूरी लंबे समय की चुनौती को नजरअंदाज न करें। वह चुनौती है रोजगार पैदा करना। बंगा ने एक बड़ी असमानता की ओर ध्यान दिलाया। विकासशील देशों में अगले 10-15 सालों में लगभग 1.2 अरब लोग काम करने वाली आबादी में शामिल होंगे। लेकिन, मौजूदा अनुमानों के मुताबिक, सिर्फ 40 करोड़ रोजगार ही पैदा होंगे। इससे 80 करोड़ रोजगारों की भारी कमी रह जाएगी। यह एक ऐसा फासला है जिसके गहरे सामाजिक-आर्थिक नतीजे हो सकते हैं। बंगा ने माना कि बार-बार आने वाले वैश्विक झटकों के दौर में लंबे समय से चली आ रही ढांचागत समस्याओं पर ध्यान बनाए रखना मुश्किल होता है। इन झटकों में कोरोना महामारी से लेकर मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव तक शामिल हैं। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक इंटरव्यू में बंगा ने कहा, 'हमें एक ही समय में दो काम करने होंगे। चलते भी रहना है और च्यूइंग गम भी चबाते रहना है।

तीन कंपनियों ने बनाया है दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मंगलवार को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे। इसे दिल्ली-देहरादून इकनॉमिक कॉरिडोर भी कहा जाता है। पीएम मोदी के उद्घाटन के साथ ही 213 किलोमीटर लंबा छह लेन वाला यह एक्सप्रेसवे आम लोगों के लिए शुरू हो जाएगा। यह कॉरिडोर दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों से होकर गुजरता है। इससे दिल्ली और देहरादून के बीच की दूरी करीब ढाई घंटे में पूरी होगी। अभी देहरादून पहुंचने में करीब 6 घंटे लगते हैं।

इस एक्सप्रेसवे को तीन कंपनियों ने मिलकर बनाया है। इसे बनाने में 12000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है। यह कॉरिडोर पर्यटन और आर्थिक रूप से व्यापार और विकास के नए रास्ते खोलेगा। इस एक्सप्रेसवे के खुलने से न केवल दिल्ली-उत्तराखंड के बीच पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास को भी नई रफ्तार मिलेगी।

तीन कंपनियों ने बनाया है दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसव के प्रबंधन की जिम्मेदारी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की है। इस एक्सप्रेसवे को तीन

कंपनियों ने मिलकर बनाया है। ये इस प्रकार हैं: इस एक्सप्रेसवे को बनाने का काम चार चरणों में पूरा हुआ है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक यह एक्सप्रेसवे इन चरणों में पूरा हुआ है।

पहला चरण दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर से शुरू हुआ था। करीब 32 किमी लंबे पहले फेज पर काम ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के नजदीक खेकड़ा (बागपत) तक चला।

दूसरे चरण का काम खेकड़ा (बागपत) से शुरू हुआ। करीब 120 किमी लंबा यह फेज सहारनपुर बायपास तक है। इस फेज को ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट के तौर पर विकसित किया गया। तीसरा फेज सहारनपुर बाईपास से उत्तराखंड में गणेशपुर तक रहा। यह फेज 42 किमी लंबा है। यह फेज गणेशपुर से देहरादून तक का है जो करीब 20 किमी लंबा है। इसमें 4.6 किमी का अपग्रेडेड हिस्सा शामिल है। बाकी हिस्सा नए सिरे से बनाया गया है। यह कॉरिडोर उत्तराखंड के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक है। इस आर्थिक गलियारे से प्रदेश में रोजगार, पर्यटन और व्यापार को बहुत बढ़ावा मिलेगा।

पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को पूरा होने में 6 साल से ज्यादा का समय लगा है। हालांकि कंस्ट्रक्शन का काम करीब 5 साल में ही पूरा हो गया। बाकी समय जमीन अधिग्रहण और केंद्र सरकार से फंड मिलने में लगा। इस प्रोजेक्ट की टाइमलाइन इस प्रकार है:

फरवरी 2020 : केंद्र सरकार ने आधिकारिक तौर पर इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को मंजूरी दी।

जनवरी 2021 : अक्षरधाम से बागपत जिला सीमा तक के पहले दो चरणों के लिए भूमि अधिग्रहण और निविदा आवंटन का काम पूरा हुआ।

नवंबर 2021 : हरिद्वार को इस एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए 2,095 करोड़ रुपये आवंटित किए गए।

दिसंबर 2021 : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 दिसंबर को औपचारिक रूप से दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे निर्माण की आधारशिला रखी।

जनवरी 2022 : शामली-अंबाला एक्सप्रेसवे लिंक के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हुई।

विजय केडिया का फिर प्रिसिजन कैमशाफ्ट्स पर दांव, खरीदे हैं 10 लाख शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज निवेशक विजय केडिया ने स्मॉलकैप कंपनी प्रिसिजन कैमशाफ्ट्स पर फिर दांव लगाया है। केडिया ने प्रिसिजन कैमशाफ्ट्स के 10 लाख शेयर खरीदे हैं। प्रिसिजन कैमशाफ्ट्स के शेयर सोमवार को बीएसई में उछाल के साथ 145.25 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले पांच दिन में कंपनी के शेयरों में करीब 18 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। इस साल 30 मार्च के बाद से कंपनी के शेयरों में 37 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 263.30 रुपये है। वहीं, प्रिसिजन कैमशाफ्ट्स के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 104.05 रुपये है। शेयर मार्केट के दिग्गज इनवेस्टर विजय केडिया ने ऑटो कंपोनेंट्स एंड इक्विपमेंट इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी प्रिसिजन कैमशाफ्ट्स पर फिर दांव लगाया है। विजय केडिया ने कंपनी के 10 लाख शेयर खरीदे हैं। कंपनी में केडिया की हिस्सेदारी 1.05 पर्सेंट हो गई है। विजय केडिया ने प्रिसिजन कैमशाफ्ट्स में यह हिस्सेदारी 14.1 करोड़ रुपये में खरीदी है। इससे पहले, सितंबर 2025 तिमाही में भी केडिया के पास प्रिसिजन कैमशाफ्ट्स के 10 लाख शेयर थे। हालांकि, दिसंबर 2025 तिमाही में केडिया का नाम कंपनी के इनवेस्टर लिस्ट से बाहर था। प्रिसिजन कैमशाफ्ट्स का मार्केट कैप सोमवार 13 अप्रैल 2026 को 1379 करोड़ रुपये के पार जा पहुंचा है। स्मॉलकैप कंपनी प्रिसिजन कैमशाफ्ट्स के शेयर पिछले 5 साल में 222 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं।

दनादन 11 बार बोनस शेयर बांट चुकी है मल्टीबैगर कंपनी, हर बार 2 शेयर पर दिए हैं 1 बोनस शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर कंपनी संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल ने अपने शेयरधारकों को दनादन बोनस शेयर बांटे हैं। संवर्धन मदरसन अपने निवेशकों को 11 बार बोनस शेयर का तोहफा दे चुकी है। कंपनी के शेयर सोमवार को बीएसई में 119 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 5 दिन में कंपनी

के शेयरों में करीब 12 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। वहीं, पिछले एक साल में संवर्धन मदरसन के शेयर 40 पर्सेंट उछल गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 136.10 रुपये है। वहीं, संवर्धन मदरसन के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 77.07 रुपये है। संवर्धन मदरसन, ऑटो कंपोनेंट्स एंड इक्विपमेंट्स इंडस्ट्री से जुड़ी है। मल्टीबैगर कंपनी संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल ने साल 1997 से लेकर अब तक अपने शेयरधारकों को 11 बार बोनस शेयर दिए हैं। संवर्धन मदरसन ने अपना पिछला बोनस शेयर जुलाई 2025 में दिया है। कंपनी ने साल 1997 से लेकर अब तक हर बार 1:2 के रेशियो में ही बोनस शेयर दिए हैं। यानी, कंपनी ने हर बार प्रत्येक 2 शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटा है। संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल ने नवंबर 1997, जुलाई 2000, जनवरी 2005, मई 2007, अगस्त 2012, नवंबर 2013, जून 2015, मई 2017, सितंबर 2018, अगस्त 2022 और मई 2025 में बोनस शेयर दिए हैं।

1997 में 100 शेयर खरीदने वाले निवेशक के पास अब होते 8600 से ज्यादा शेयर : अगर किसी निवेशक ने साल 1997 में बोनस शेयर दिए जाने से पहले संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल के 100 शेयर खरीदे होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में उस व्यक्ति के पास इस मल्टीबैगर कंपनी के करीब 8614 शेयर होते। यह बात की एक रिपोर्ट में कही गई है। अगर साल 2000 से कैलकुलेशन करें संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल ने अपने निवेशकों को 10 बार बोनस शेयर बांटे हैं।

2 बार अपने शेयर का बंटवारा भी कर चुकी है कंपनी : संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल दो बार अपने शेयर का भी बंटवारा कर चुकी है। कंपनी ने अक्टूबर 2002 में अपने शेयर को 2 टुकड़ों में बांटा, तब कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 5-5 रुपये फेस वैल्यू वाले 2 शेयरों में बांटा। इसके बाद मार्च 2004 में कंपनी ने अपने शेयर को 5 टुकड़ों में बांटा। कंपनी ने 5 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 1-1 रुपये फेस वैल्यू वाले 5 शेयरों में बांटा।

एलजी के शेयर बुधवार को मचाएंगे हलचल

लॉक-इन पीरियड खत्म होने से 44 करोड़ शेयर होंगे मुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। छुट्टी के बाद स्टॉक मार्केट खुलेगा तो एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के शेयर हलचल मचा सकते हैं। इसकी वजह है कंपनी के शेयरहोल्डर्स के लिए लागू लॉक-इन पीरियड का खत्म होना। इस लॉक-इन पीरियड के खत्म होते ही बड़ी संख्या में शेयर ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हो जाएंगे। नुवामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्त्र इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के शेयरों पर लगा छह महीने का लॉक-इन पीरियड अब समाप्त हो रहा है। इसका मतलब यह है कि अब तक जिन शेयरों को बेचा नहीं जा सकता था, वे अब बाजार में बेचने के लिए योग्य हो जाएंगे।हालांकि, यह जरूरी नहीं है कि सभी शेयर एक साथ बिक जाएं। इसका मतलब सिर्फ इतना है कि अब ये शेयर ट्रेडिंग के लिए खुले हैं।

नुवामा की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी की कुल इक्विटी का लगभग 65 प्रतिशत यानी करीब 44.12 करोड़ शेयर अब बाजार में ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हो जाएंगे। मौजूदा कीमत के हिसाब से इन शेयरों की कुल वैल्यू लगभग 66,180 करोड़ बैठती है। दिसंबर 2025 तिमाही के अंत तक, कंपनी के प्रमोटर्स के पास 85 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जो कि न्यूनतम 75 प्रतिशत की तय सीमा से ज्यादा है। पब्लिक शेयरहोल्डर्स की बात करें तो भारत के म्यूचुअल फंड्स के पास करीब 5.4 प्रतिशत होल्डिंग्स है, जबकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के पास करीब 3 प्रतिशत हिस्सेदारी है। करीब 10.6 लाख छोटे रिटेल निवेशकों, जिनका निवेश 2 लाख तक है, के पास कंपनी में 3.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

हालांकि, मार्च तिमाही के लिए कंपनी ने अभी तक नया शेयरहोल्डिंग डेटा जारी नहीं किया है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का शेयर प्राइस ट्रेंड: एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के शेयर सोमवार को 1.8 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,503.5 पर बंद हुए। हालांकि, यह अपने लिस्टिंग के बाद के हाई 1,749 से करीब 14 प्रतिशत नीचे है, लेकिन अभी भी अपने इश्यू प्राइस से ऊपर बना हुआ है। पिछले पांच सेशन में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 5 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की गई है।

सब्जियों की कीमतों ने बढ़ाया किचन का बजट

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते महीने सीपीआई आधारित खुदरा महंगाई दर 3.40 फीसदी दर्ज की गई, जो फरवरी में 3.21 फीसदी रही थी। सोना-चांदी के आभूषण, नारियल, टमाटर और फूलगोभी समेत अन्य वस्तुओं की कीमतों मे भी दर्ज की गई बढ़ोतरी। मार्च में सोना-चांदी के आभूषण, नारियल, टमाटर और फूलगोभी जैसी वस्तुओं की कीमतों में तेज बढ़ोतरी देखी गई, जिससे खुदरा महंगाई में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इससे किचन का बजट बढ़ गया। सोमवार को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 3.40 फीसदी रही, जो फरवरी 2026 में 3.21 फीसदी थी। बीते महीने ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा महंगाई 3.63 फीसदी और शहरी क्षेत्रों में 3.11 फीसदी दर्ज की गई। स्टेटवाइज आंकड़ों में तेलंगाना में सबसे ज्यादा महंगाई दर्ज की गई, जहां यह 5.83 फीसदी रही। इसके बाद आंध्र प्रदेश में 4.05 फीसदी महंगाई दर्ज की गई है। उसके बाद कर्नाटक, तमिलनाडु और राजस्थान का स्थान रहा है। औसत उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक यानी रसोई के बजट पर असर डालने वाल खाद्य महंगाई में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है जो मार्च में 3.87 फीसदी दर्ज की गई है। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्र में खाने-पीने की चीजें 3.96 और शहरों में 3.71 फीसदी रही है। जबकि इससे पहले फरवरी में सीएफपीआई 3.47 फीसदी रही थी।

दुबई के कदम से भारतीय एयरलाइंस की बढ़ी टेंशन, सरकार से जवाबी एक्शन की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान संकट के चलते दुबई ने एक ऐसा कदम उठाया है जिसने भारतीय एयरलाइंस की टेंशन बढ़ा दी। 31 मई तक उसने विदेशी एयरलाइंस के लिए अपने यहां पाबंदी लगाई है। इसके तहत दुबई ने अपने एयरपोर्ट्स पर रोज सिर्फ एक फ्लाइट की सीमा तय की है। इससे भारतीय एयरलाइंस के बीच रेवेन्यू के नुकसान की चिंता बढ़ गई है। उन्होंने किसी भी दूसरे देश की एयरलाइंस के मुकाबले इस डेस्टिनेशन के लिए ज्यादा फ्लाइट्स की योजना बनाई थी। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट का प्रतिनिधित्व करने वाले फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआईए) ने भारत सरकार से अपील की है कि वह दुबई के अधिकारियों पर इन पाबंदियों को हटाने का दबाव डाले। 31 मार्च को भेजे गए एक पत्र के अनुसार, अगर ऐसा नहीं होता है तो एफआईए ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की एयरलाइंस जैसे बदले में वैसी ही पाबंदियां लगाने का सुझाव दिया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, दुबई एयरपोर्ट्स से मिली जानकारी के मुताबिक, 20 अप्रैल से 31 मई के बीच एयरलाइंस को दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट मख्तूम इंटरनेशनल एयरपोर्ट दोनों के लिए रोजाना सिर्फ एक राउंड ट्रिप की अनुमति होगी। रिपोर्ट के अनुसार, 27 मार्च के एक निजी ईमेल में दुबई एयरपोर्ट ने एयरलाइंस को लिखा, 'एयरलाइंस के लिए रोजाना एक रोटेशन की सीमा जारी रहेगी।

बाजार की आंधी में 7 कंपनियों के शेयरों का दबदबा कायम

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले एक साल के दौरान घरेलू शेयर बाजारों में काफी उठा-पटक देखने को मिली है। लेकिन इस दौरान कई कंपनियों ने शानदार रिटर्न दिया है। निफ्टी500 स्टॉक में से 7 कंपनियां ऐसी हैं जिनके शेयरों की कीमतों में 150 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। मार्केट की मौजूदा परिस्थितियों का इन कंपनियों पर कोई असर नहीं दिखा है। बता दें, पिछले एक साल में निफ्टी50 में 4 प्रतिशत और निफ्टी500 में 7 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है।

इस इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी के शेयरों की कीमतों में बीते एक साल में 207 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। वहीं, तीन साल में यह स्टॉक 2866 प्रतिशत और 5 साल में 3494 प्रतिशत का रिटर्न देने में सफल रहा है। कंपनी के शेयरों का 52 वीक हाई 1 अप्रैल को 4344 रुपये रहा है।

बीते एक साल में इस सरकारी कंपनी के शेयरों का भाव 192 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी का 52 वीक हाई 431.50 रुपये और 52 वीक लो लेवल 144.71 रुपये है। पीएसयू स्टॉक में तीन साल में 425 प्रतिशत और 5 साल में 648 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है।

इस कंपनी की लिस्टिंग अगस्त 2025 में हुई थी। इश्यू प्राइस से अबतक कंपनी के शेयरों का भाव 190 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 675 रुपये था। बता दें, 13 अप्रैल 2026 के शेयरों का भाव 1954.20 रुपये के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया।

वीज़ा और एचडीएफसी बैंक भारतीय फ़ैन्स को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ला रहे हैं और करीब

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का लिमिटेड-एडिशन पिक्सल क्रेडिट कार्ड और पूरे देश में स्पेंड एंड विन कैंपेन

मुंबई, , एजेंसी। वीज़ा (एनवाईएसई -वी), जो डिजिटल पेमेंट्स में दुनिया की जानी-मानी कंपनी है और फीफा की ऑफ़िशियल पार्टनर भी है, ने आज भारत के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक, एचडीएफसी बैंक के साथ फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी पार्टनरशिप का ऐलान किया। इस पार्टनरशिप के तहत वीज़ा और एचडीएफसी बैंक ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 का एक लिमिटेड-एडिशन वीज़ा पिक्सल क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया है। इसके साथ ही, पूरे देश में एक खास स्पेंड एंड विन कैंपेन भी शुरू किया गया है, जिससे भारतीय कस्टमर्स दुनिया के सबसे ज़्यादा इंतज़ार किए जाने वाले ग्लोबल स्पोर्ट्स इवेंट के और करीब आ सकेंगे। मुंबई में एक शानदार लॉन्च इवेंट में इस ऐलान का जश्न मनाया गया। इस इवेंट में दुनिया भर में मशहूर फुटबॉल स्टार माइकल ओवेन भी मौजूद थे, जिन्होंने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के रोमांच, बड़े पैमाने और ग्लोबल रुतबे को और भी खास बना दिया। पिक्सल क्रेडिट कार्ड, जो एचडीएफसी बैंक का डिजिटल-फ़र्स्ट और ऐप-बेस्ड क्रेडिट कार्ड है, आज के डिजिटल ज़माने के कस्टमर्स के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कार्ड तुरंत जारी हो जाता है, इसमें अपनी पसंद के हिसाब से बदलाव किए जा सकते हैं और डिजिटल पेमेंट्स भी बिना किसी रुकावट के हो जाते हैं। फीफा की थीम वाला यह कार्ड 11 अप्रैल से एचडीएफसी बैंक के मौजूदा पिक्सल प्ले कस्टमर्स के साथ-साथ पिक्सल प्ले के नए आवेदकों के लिए भी उपलब्ध होगा। यह ऐतिहासिक साझेदारी अब एचडीएफसी बैंक के ग्राहकों को, उनके सभी कार्ड पोर्टफोलियो, जिनमें क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और बिज़नेस कार्ड शामिल हैं, के ज़रिए फीफा वर्ल्ड कप 2026 का मैच लाइव देखने का मौका देती है। फीफा

के साथ वीज़ा की लंबे समय से चली आ रही वैश्विक साझेदारी और वीज़ा के सुरक्षित, हर जगह स्वीकार किए जाने वाले पेमेंट नेटवर्क द्वारा समर्थित, यह पहल रोज़मर्रा के पेमेंट्स को फुटबॉल के यादगार अनुभवों में बदल देती है।

खर्च करें और जीतें (स्पेंड एंड विन) कैंपेन फीफा के ऐसे इनाम जो जीवन में एक बार ही मिलते हैं -

इस साझेदारी का मुख्य आकर्षण एक खास खर्च करें और जीतें (स्पेंड एंड विन) कैंपेन है। यह कैंपेन एचडीएफसी बैंक के कार्ड पोर्टफोलियो,जिसमें क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, बिज़नेस कार्ड और फॉरेक्स प्रीपेड कार्ड शामिल हैं, के लिए चलाया जा रहा है। इस कैंपेन के तहत, तय शर्तों के अनुसार खर्च करने पर ग्राहकों को कई शानदार इनाम जीतने का मौका मिलता है; इन इनामों में फीफा वर्ल्ड कप 2026 के मैच पैकेज, फीफा-थीम वाले स्टेकेशन, फीफा का आधिकारिक मर्चेंडाइज़, और शॉपिंग व लाइफस्टाइल वाउचर शामिल हैं। यह कैंपेन फुटबॉल प्रशंसकों को सिर्फ़ मैच के दिनों तक ही सीमित न रखते हुए, टूर्नामेंट के साथ और भी गहरे स्तर पर जुड़ने का अवसर देता है, जिसके ज़रिए फुटबॉल के प्रति उनके जुनून को रोज़मर्रा के खर्चों और डिजिटल पेमेंट्स के साथ जोड़ा जाता है। एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड, ब्रांच बैंकिंग, पेमेंट्स, ट्रेजरी, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, मार्केटिंग, वर्चुअल चैनल्स और इंफ्रास्ट्रक्चर- आशीष पार्थसारथी ने कहा, भारत के सबसे बड़े क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता के तौर पर, हमें वीज़ा के साथ साझेदारी करके लाखों ग्राहकों के लिए फीफा वर्ल्ड कप का रोमांच और डिजिटल पेमेंट्स की आसान सुविधा एक साथ लाने में खुशी हो रही है। इस सहयोग के ज़रिए, हम खास सुविधाओं और अपने खास तौर पर बनाए गए लिमिटेड-एडिशन एचडीएफसी बैंक पिक्सल प्ले क्रेडिट कार्ड के साथ प्रशंसकों के अनुभव को और बेहतर बना रहे हैं।

भारत को वर्ल्डकप जिताने वाले संजू सैमसन बने मार्च के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

जीता 'प्लेयर आफ द मंथ' का खिताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए एक और बड़ी खुशखबरी सामने आई है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की ऐतिहासिक जीत के असली नायक रहे संजू सैमसन को मार्च महीने के लिए 'आईसीसी मैन्स प्लेयर आफ मंथ' चुना गया है। यह पहली बार है जब सैमसन ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया है।

बेंच से उठकर बने 'मैन ऑफ द टूर्नामेंट'

संजू सैमसन के लिए यह सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं रहा। टूर्नामेंट की शुरुआत में वे प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं थे, लेकिन चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर-8 मैच में मिले मौके ने सब कुछ बदल दिया। इसके बाद सैमसन ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

सैमसन की यादगार पारियां

वेस्टइंडीज के खिलाफ- कोलकाता में खेले गए 'करो या मरो' के मुकाबले में सैमसन ने नाबाद 97 रनों की तूफानी पारी खेली।

सेमीफाइनल (बनाम इंग्लैंड)- मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दबाव के बीच उन्होंने 89 रन बनाए।

फाइनल (बनाम न्यूजीलैंड)- अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भी उन्होंने 89 रनों की शानदार पारी खेलकर भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। अपनी इन बेहतरीन पारियों के कारण उन्हें न केवल मार्च का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया, बल्कि उन्होंने 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का अवॉर्ड भी अपने नाम किया।

बोले संजू सैमसन मेरे लिए एक अद्भुत एहसास है

इस सम्मान पर खुशी जताते हुए 31 वर्षीय सैमसन ने कहा, आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बनना मेरे लिए एक अद्भुत एहसास है। टी20 वर्ल्ड कप की जीत में योगदान देना मेरा सपना था। मैं अपनी टीम और कोचिंग स्टाफ का आभारी हूं जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। इस अवॉर्ड की रेस में संजू सैमसन के साथ भारत के घातक गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (जिन्होंने फाइनल में 4 विकेट लिए थे) और दक्षिण अफ्रीका के उभरते सितारे कॉनर एस्टरहुइज़न भी शामिल थे, लेकिन वोटिंग में सैमसन बाजी मार ले गए।

पहले ही ओवर में 3 विकेट लेने वाले

प्रफुल हिंगे ने डेब्यू आईपीएल मैच में रचा इतिहास

ऐसा करने वाले पहले गेंदबाज बने

नईदिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के विजय अभियान को रोककर सोमवार देर रात 57 रन से शानदार जीत दर्ज की। मैच के हीरो दो अनकैप्ड भारतीय गेंदबाज प्रफुल हिंगे और साकिब हुसैन रहे जिन्होंने राजस्थान की मजबूत बैटिंग लाइनअप को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया। हिंगे ने अपने डेब्यू मैच में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए न सिर्फ प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता बल्कि इतिहास के पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने पहले ओवर में तीन विकेट लिए हैं। प्रफुल हिंगे ने 217 रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए अपने पहले ओवर की दूसरी ही गेंद पर शानदार फॉर्म में चल रहे युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को गोल्डन डक (बिना कोई रन बनाए पहली गेंद पर आउट) किया। उन्होंने उसी ओवर में ध्रुव जुरेल और लुहान-ड्रे प्रिटोरियस के विकेट भी चटकाए। इस तरह वह आईपीएल के पहले ही ओवर में तीन विकेट लेने वाले इतिहास के पहले खिलाड़ी बन गए।

प्रफुल हिंगे ने विदर्भ की ओर से डेब्यू किया था

यह 24 वर्षीय गेंदबाज ने 2024/25 के रणजी ट्रॉफी सीजन में विदर्भ की ओर से अपना फर्स्ट-क्लास डेब्यू किया था। उन्होंने 10 फर्स्ट-क्लास मैचों में 27 विकेट लिए हैं। इसके अलावा उन्होंने 6 लिस्ट-ए मैचों में भी 5 विकेट चटकाए हैं। प्रफुल ने अब तक सिर्फ एक टी20 मैच खेला है। वह अभी अपना दूसरा टी20 मैच खेल रहे थे जो आईपीएल में उनका पहला मैच था। प्रफुल ने एमआरएफ पेस एकेडमी में वरुण आरोन के साथ ट्रेनिंग की है। आरोन इस समय स्क्रा। के बॉलिंग कोच हैं।

पिता के दृढ़ विश्वास और मैकग्रा 'कनेक्शन' ने निभाई अहम भूमिका

प्रकाश हिंगे खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं लेकिन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने पदार्पण मैच में ही शानदार प्रदर्शन करने वाले उनके बेटे प्रफुल्ल की उपलब्धि का जश्न मनाते समय वह अपने शब्दों के चयन और उत्साह की अभिव्यक्ति में बहुत संयम बरतते हैं। दरअसल हिंगे परिवार को यह भी नहीं पता था कि उनका बेटा सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलेगा या नहीं। अकाउंटेंट के पद पर काम कर चुके प्रकाश ने पीटीआई से कहा, हमें पता था कि इम्पैक्ट प्लेयर्स की सूची में होने के कारण उसे पंजाब के खिलाफ खेलना था। हम उससे कभी नहीं पूछते कि वह खेल रहा है या नहीं। वह सोने से पहले हर दिन रात 10 बजे फोन करता है। हमारे बीच बस सामान्य बातचीत होती है जैसे खाना खाया। कल जब मैच का प्रसारण शुरू हुआ तो हमने टीवी पर देखा कि वह पदार्पण करेगा। इसलिए हम खुश थे। मैच आगे बढ़ने के साथ उनकी खुशी भी बढ़ने लगी क्योंकि प्रफुल्ल ने अपने शुरुआती स्पेल में दो ओवर में छह रन देकर चार विकेट लिए और सनराइजर्स की 57 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। नागपुर के रहने वाले प्रकाश ने उस समय को याद किया जब उन्होंने अपने बेटे प्रफुल्ल की क्रिकेट में रुचि को देखते हुए उसे स्थानीय जिमखाना क्लब में दाखिला दिलाया था। तब वह लगभग 13 साल का था। प्रकाश ने कहा, मैं अपने मोहल्ले की गलियों में खेलता था। मेरे बेटे को इसमें रुचि थी, इसलिए मैंने उसे एक स्थानीय अकादमी में दाखिला दिला दिया।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए

दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम घोषित

डरबन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय महिला टीम का एलान किया है। विकेटकीपर बल्लेबाज टेबोगो मचेके को पहली बार अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया, जबकि ऑलराउंडर एलिज मारी मार्क्स की टीम में वापसी हुई है। दोनों देश 17 से 27 अप्रैल के बीच पांच टी20 मुकाबलों की सीरीज खेलेंगे।

मचेके को पहली बार मिला मौका

सीरीज का कार्यक्रम

भारत और दक्षिण अफ्रीका की महिला टीमों के बीच टी20 सीरीज के शुरुआती दो मैच 17 और 19 अप्रैल को डरबन में खेले जाने हैं। इसके बाद 22 और 25 अप्रैल को जोहानिसबर्ग अगले दो मुकाबलों की मेजबानी करेगा। सीरीज का अंतिम मैच बेनोनी में 27 अप्रैल को आयोजित होगा। टेबोगो मचेके ने कराबो मेसो की जगह ली है, जो कलाई की चोट के कारण टीम से बाहर हैं। वहीं, एलिज ने तेज गेंदबाज मसाबाता क्लास का स्थान लिया है। इस टीम की कप्तानी एल. वोलवार्ड्ट करेंगी। एनीके बॉश ने घायल डेन वैन नीकेर्क की जगह टीम में अपना स्थान बरकरार रखा है। अनुभवी तेज गेंदबाज ऑलराउंडर मारिजेन कैप अभी भी टीम के लिए उपलब्ध नहीं हैं, क्योंकि वह अपनी बीमारी से उबरने की प्रक्रिया में हैं।

- **भारत के खिलाफ सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम** – एल. वोलवार्ड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्ज, नादिने डि क्लर्क, एनेरी डर्कसेन, अमांडा हलुबी, सिनालो जाफ्टा, अयाबोंगा खाका, सुने लुस, टेबोगो माचेके, एलिज-मारी मार्क्स, नॉनकुलुलेको म्लाबा, कायला रेनेके, तुमी सेखुखुने और क्लो ट्रायोन।

फ़ीडे कैंडिडेट शतरंज राउंड 11

वैशाली नें रूस की गोर्याचकिना को हराया, खिताब की और कदम

साइप्रस (एजेंसी)। फ़ीडे महिला कैंडिडेट शतरंज से भारत के लिए बड़ी खबर आ रही है, भारत की आर वैशाली नें बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए आज हुए 11वें राउंड में रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना को केल मोहरो से एंडगेम में सटीक खेल से पराजित कर दिया, केल मोहरो से खेल रही वैशाली नें गोर्याचकिना के हाथी को अपनी शातिर चालों से कुछ यूँ फसाया की गोर्याचकिना को अपना हाथी ऊँट के बदले देना पड़ा और फिर वैशाली नें अपने राजा घोड़े और बच्चे हुए हाथी से मिलकर खेल को 45 चालों में अपने नाम कर लिया अब इस जीत से वैशाली 7 अंकों के साथ ना सिर्फ़ सबसे आगे बनी हुई बल्कि उनके पीछे चल रही चीन की जू जिनर और यूक्रेन की अन्ना मुज्यचुक से उनकी बढ़त 1 अंक की हो गई है, जू को आज भारत की आर वैशाली नें ड्रा पर रोक लिया जबकि अन्ना नें रूस की लग्नो कैटरिना से ड्रा खेला, वैशाली को अब बचे हुए तीन राउंड में चीन की जू जिनर, तान झोंगायी और रूस की लग्नो कैटरिना से मुकाबला खेलना है।

आईपीएल के शेड्यूल में बदलाव, स्थानीय निकाय चुनावों के कारण दो मैचों का वेन्यू बदला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद और गुजरात के अन्य हिस्सों में 26 अप्रैल को होने वाले नगर पालिका चुनावों का हवाला देते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के कार्यक्रम में बदलाव किया। नए कार्यक्रम के अनुसार 26 अप्रैल और 21 मई को गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच होने वाले मुकाबलों के स्थल बदल दिए गए हैं। टाइटंस और सुपरकिंग्स के बीच पहले 26 अप्रैल को अहमदाबाद में खेला जाने वाला दोपहर का मैच अब चेन्नई के एमए ??चिदंबरम स्टेडियम में होगा। यह दोपहर तीन बजकर 30 मिनट से ही खेला जाएगा। सुपरकिंग्स और टाइटंस के बीच 21 मई को शाम को होने वाला मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में स्थानांतरित कर दिया गया है और यह मैच शाम सात बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा। बीसीसीआई ने विज्ञप्ति में कहा, अहमदाबाद और गुजरात के दूसरे हिस्सों में 26 अप्रैल 2026 को होने वाले नगर पालिका चुनावों को देखते हुए यह बदलाव जरूरी हो गया है।

आयरलैंड दौरे पर जाएंगे वैभव सूर्यवंशी?

- **चयनकर्ताओं ने किया शॉर्टलिस्ट, डेब्यू कर तोड़ सकते हैं सचिन का रिकॉर्ड**

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के स्टार युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आ रही है। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने विशेषज्ञों की लगातार मांग और आईपीएल 2026 में वैभव के विस्फोटक प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें टीम इंडिया में शामिल करने का मन बना लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जून में होने वाले आयरलैंड दौरे के लिए वैभव का नाम शॉर्टलिस्ट किया गया है।

टूट जाएगा सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड

अगर वह इस दौरे पर डेब्यू करते हैं तो वह भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन जाएंगे और सचिन तेंदुलकर (16 साल की उम्र में डेब्यू) का ऐतिहासिक रिकॉर्ड तोड़ देंगे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने मीडिया से बात करते हुए कहा वैभव आयरलैंड दौरे के लिए दौड़ में बने हुए हैं और सेलेक्टर्स ने कई अन्य खिलाड़ियों के साथ उनके नाम को भी शॉर्टलिस्ट किया है।

आईपीएल से मिली वैभव सूर्यवंशी को पहचान

वैभव का सुर्खियों में आने का सफर आईपीएल 2025 से शुरू हुआ था जब राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1.1 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि में खरीदा था। उन्होंने अपने डेब्यू मैच की पहली ही गेंद पर शार्दुल ठाकुर को छक्का जड़कर अपने इरादे साफ कर दिए थे। इसके बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ महज 35 गेंदों में शतक जड़कर उन्होंने पूरी दुनिया को अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया। हाल ही में अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ उनकी 80 गेंदों में 175 रनों की ऐतिहासिक पारी ने सेलेक्टर्स को मजबूर कर दिया कि उन्हें अब और इंतजार न कराया जाए।

वैभव सूर्यवंशी को आजमाना चाहता है बोर्ड

सेलेक्टर्स की इस योजना से साफ है कि वे इस राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज को इंतजार करो और देखो की नीति के बजाय सीधे सीनियर टीम में फास्ट-ट्रैक करना चाहते हैं। आयरलैंड जैसी तुलनात्मक रूप से कम चुनौतीपूर्ण टीम के खिलाफ मौका देकर बोर्ड वैभव की प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परखना चाहता है। वैभव सूर्यवंशी की दावेदारी को आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल का भी पूरा समर्थन मिला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वैभव की जमकर तारीफ करते हुए लिखा, इस आईपीएल 2026 सीजन में वैभव सूर्यवंशी द्वारा क्या शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन देखने को मिला है। अपनी प्रतिभा और प्रदर्शन को देखते हुए यह विलक्षण बालक निश्चित रूप से भारत के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने का हकदार है। इतनी कम उम्र में इतना प्रतिभाशाली खिलाड़ी मिलना दुर्लभ है।

तिलकरत्ने दिलशान ने किए खाटू श्याम के दर्शन

जयपुर (एजेंसी)। श्रीलंका के पूर्व दिग्गज ओपनिंग बल्लेबाज तिलकरत्ने दिलशान इन दिनों अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए नहीं बल्कि अपनी आत्मिक शांति और आध्यात्मिक यात्रा के लिए चर्चा में हैं। क्रिकेट की चकाचौंध से दूर दिलशान का यह नया अवतार उनके जीवन के एक ऐसे पहलू को उजागर करता है जो आस्था और विश्वास से गहराई तक जुड़ा हुआ है। हाल ही में भारत दौरे पर आए दिलशान ने खेल के मैदान जैसी ही ऊर्जा अब भक्ति के मार्ग पर दिखाई। अपनी इस भारत यात्रा के दौरान दिलशान ने देश के प्रसिद्ध मंदिरों में मत्था टेका। असम के प्रसिद्ध कामाख्या देवी मंदिर से लेकर राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर तक उनकी यह यात्रा पूरी तरह श्रद्धा और भक्ति के रंग में डूबी नजर आई। इंस्टाग्राम पर अपनी इन यात्राओं की तस्वीरें साझा करते हुए उन्होंने इसे एक विशेष अनुभव बताया। दिलशान ने स्वीकार किया कि इन पवित्र स्थानों की आध्यात्मिक ऊर्जा ने उन्हें भीतर से शांत कराया है।

दिलशान ने बदला था अपना धर्म – बहुत कम लोग इस बात से वाकिफ हैं कि दिलशान का जन्म एक मुस्लिम परिवार में हुआ था और उनका नाम तुवान मोहम्मद दिलशान था। हालांकि, वयस्क होने पर उन्होंने अपनी स्वेच्छा से बौद्ध धर्म को अपनाया और अपना नाम बदलकर तिलकरत्ने दिलशान कर लिया। तब से वे बौद्ध धर्म के सिद्धांतों और अपनी आस्था के अनुसार ही जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

शानदार रहा दिलशान का करियर – तिलकरत्ने दिलशान का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर शानदार रहा है जिसमें उन्होंने तीनों फॉर्मेट में अपनी विशेष छाप छोड़ी। उन्होंने श्रीलंका के लिए 17000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए।

कभी अहमद शहजाद के साथ हुआ था विवाद

दिलशान की इस भक्तिमय यात्रा ने एक पुराने विवाद को भी हवा दे दी है जो कभी पाकिस्तानी क्रिकेटर अहमद शहजाद के साथ हुआ था। एक मैच के दौरान शहजाद ने सरेआम दिलशान को धर्म परिवर्तन कर इस्लाम अपनाने की सलाह दी थी जिसे दिलशान ने बेहद मजबूती के साथ ठुकरा दिया था।

शेन वॉर्न की मौत के चार साल बाद बड़ा खुलासा

- **बेटे का दावा, बोले- कोविड के टीके के कारण हुई महान स्पिनर की मौत**

सिडनी (एजेंसी)। शेन वॉर्न के निधन के चार साल बाद उनके बेटे जैक्सन ने दावा किया है कि इस दिग्गज स्पिनर की मौत संभवतः कोविड के उन तीन या चार टीकों के कारण हुई थी, जो उन्हें 'काम करने के लिए मजबूरन लेने पड़े थे।' जैक्सन ने टू वर्ल्ड्स कोलाइड पॉडकास्ट पर बात करते हुए अपने पिता की स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को भी स्वीकार किया। वार्न का 2022 में थाईलैंड में

दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। उस समय उनकी उम्र 52 वर्ष थी।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, बुधवार, 15 अप्रैल, 2026

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com
@Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

थाने-थानेदार की रेटिंग अब जनता करेगी, हर थाने में लगा क्यूआर कोड

फरीदाबाद, एजेंसी। अब थाने और थानेदार की रेटिंग क्यूआर कोड से तय होगी। इसके

लिए सभी थाने और चौकियों में क्यूआर कोड लगाए गए है, जिनको स्कैन करके थाने में आने वाले शिकायतकर्ता को फीडबैक देना होगा। इसी के आधार पर तय होगा कि किस थाने में जनता के साथ अच्छा व्यवहार किया जा रहा है, वहीं जिन थानों में लगे स्कैन पर पब्लिक के फीडबैक सही नहीं आएंगे तो उनके खिलाफ खुद पुलिस आयुक्त की ओर से कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सैनी ने भी सभी जिलों के पुलिस आयुक्त को आदेश दिए थे कि वह थाने और चौकी में शिकायतकर्ता के साथ अच्छा व्यवहार सुनिश्चित करे। इसके साथ ही थाने में आने वाले व्यक्ति के बैठने और उसके पेयजल की व्यवस्था भी हो। जिले में कुल 29 थाने और 30 चौकी है। थानों में प्रतिदिन आठ से दस लोग शिकायत लेकर पहुंचते हैं। ऐसे में कई बार पुलिस पर कई बार शिकायतकर्ता द्वारा यह भी शिकायत की जाती है कि उनकी सुनवाई नहीं की गई या उनके साथ गलत व्यवहार किया गया। क्यूआर कोड पर आने वाली शिकायतों या किसी भी तरह के फीडबैक का प्रतिदिन रिव्यू किया जाएगा। फीडबैक के अनुसार थाने और चौकी में अगर किसी तरह की कमी होती है तो उसमें सुधार किया जाएगा। इसके साथ शिकायतकर्ता के साथ गलत व्यवहार करने वाले के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अभी तक शिकायतकर्ता के पास फीडबैक देने को लेकर कोई सही मंच नहीं था। यह पूरी प्रक्रिया पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल बनाने के लिए है। थाने में आने वाले शिकायतकर्ता को ऐसा महसूस नहीं होना चाहिए कि उसकी अगर यहां पर सुनवाई सही तरीके से नहीं हुई तो वह अपनी आवाज दूसरी जगह नहीं उठा सकता है।

अब मृत वन्यजीव को जलाने की जगह किया जाएगा संरक्षित

गुरुग्राम, एजेंसी। साइबर सिटी में प्रदेश का पहला टैक्सिडर्मी सेंटर होगा। इसके लिए जिला अदालत के नजदीक वन विभाग कार्यालय के पीछे बिल्डिंग तैयार हो चुकी है। अगले महीने से सेंटर चालू करने का प्रयास है। सेंटर चालू होने के बाद मृत वन्यजीवों को जलाया नहीं जाएगा बल्कि खाल सहित उसके सभी अंग सुरक्षित रखे जाएंगे। सेंटर में जिस वन्यजीव का खाल होगा उसके अनुरूप ढांचा तैयार किया गया। ढांचा तैयार होने के बाद उसमें खाल लगा दिया जाएगा, जिससे कि वह जीवित वन्यजीव की तरह दिखाई दे। ढांचों को वन्यजीव जागरूकता केंद्रों में लगाया जाएगा ताकि लोग वन्यजीवों की सुरक्षा के प्रति जागरूक हो सकें। प्रदेश के वन्य क्षेत्रों में काफी संख्या में वन्यजीव हैं। उदाहरणस्वरूप अरावली पहाड़ी क्षेत्र में ही तेंदुआ, हिरण, गिदड़ सहित कई प्रकार के काफी संख्या में वन्यजीव हैं। वर्तमान में यदि किसी भी वन्यजीव की यदि मृत्यु प्राकृतिक तौर पर या हादसों में होती है तो पोस्टमार्टम करने के बाद उसे जला दिया जाता है क्योंकि टैक्सिडर्मी सेंटर की सुविधा नहीं है। अगले महीने से ऐसा नहीं होगा। प्रदेश में कहीं भी वन्यजीव की मृत्यु होने पर पोस्टमार्टम के बाद उसे साइबर सिटी के टैक्सिडर्मी सेंटर में लाया जाएगा। सेंटर में फ्रीजर की सुविधा होगी। फ्रीजर में कई दिनों तक बाडी रखी जा सकेगी। बता दें कि टैक्सिडर्मी सेंटर में जानवरों की खाल उतारकर पहले उसे कीटाणुरहित किया जाता है। फिर कृत्रिम शरीर पर लगाकर स्टफ किया जाता है। अरावली पहाड़ी क्षेत्र में प्रस्तावित जंगल सफारी पार्क में जागरूकता केंद्र भी बनाया जाएगा। उसमें प्रदेश के वन क्षेत्रों में रहने वाले वन्यजीवों के बारे में जानकारी दी जाएगी। टैक्सिडर्मी सेंटर में बनाए जाने वाले ढांचों को जागरूकता केंद्र में लगाया जाएगा।

श्रमिकों को मिलेगी कम से कम 20 हजार मजदूरी? योगी सरकार ने साफ की स्थिति

गिनाईं मजबूरियां, भ्रामक खबरों का खंडन और मजदूरी की सच्चाई

नोएडा, एजेंसी। नोएडा में श्रमिकों के उग्र आंदोलन और सोशल मीडिया पर वायरल हो रही '20 हजार रुपये न्यूनतम वेतन' की खबरों के बीच उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। सरकार ने 20,000 न्यूनतम मजदूरी की खबरों को पूरी तरह भ्रामक और निराधार बताते हुए खारिज कर दिया है। साथ ही, सरकार ने वर्तमान मजदूरी की दरें जारी करते हुए यह भी बताया कि आखिर किन तकनीकी और कानूनी कारणों से अभी राष्ट्रीय स्तर का 'फ्लोर वेज' लागू नहीं हो सका है।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी स्पष्टीकरण में कहा गया है कि कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जानबूझकर यह झूठ फैलाया जा रहा है कि सरकार ने श्रमिकों का न्यूनतम वेतन 20,000 प्रति माह तय कर दिया है। सरकार ने साफ किया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश में अकुशल श्रमिकों के लिए मासिक वेतन 11,313.65, अर्धकुशल के लिए 12,446 और कुशल श्रमिकों के लिए 13,940.37 अधिसूचित है। सरकार ने इसे गुमराह करने वाली साजिश करार दिया है।

सरकार ने स्पष्ट किया कि न्यूनतम वेतन के निर्धारण में कई कानूनी प्रक्रियाएं बाधा बनी हुई हैं। केंद्र सरकार वर्तमान में नई श्रम संहिताओं के तहत राष्ट्रीय स्तर पर 'फ्लोर वेज' (न्यूनतम आधार रेखा) निर्धारित करने की प्रक्रिया में है। जब तक केंद्र सरकार इसे अंतिम रूप नहीं दे देती, तब तक राज्य अपने स्तर पर व्यापक

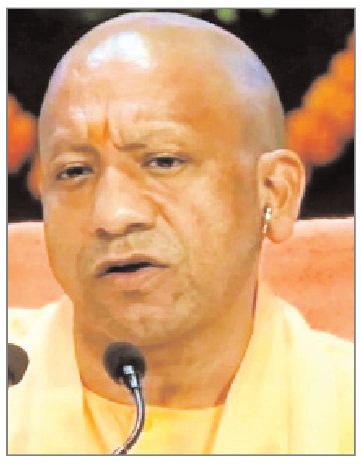

बदलाव नहीं कर पा रहे हैं।

बताया कि राज्य सरकार अभी नियोक्ता संगठनों और श्रमिक यूनियनों के साथ विचार-विमर्श के दौर में है। सभी पक्षों के सुझावों का परीक्षण किया जा रहा है ताकि औद्योगिक विकास और श्रमिकों के हितों में संतुलन बना रहे।

सरकार ने बताया कि वेज बोर्ड की सिफारिशों के आधार पर ही भविष्य में न्यूनतम वेतन की स्थायी दरें तय की जाएंगी, जिसकी प्रक्रिया अगले माह से शुरू होने की संभावना है। सरकार ने यह भी कहा कि वर्तमान समय में उद्योग जगत वैश्विक और आर्थिक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। उद्योगों के लिए कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि हुई है और निर्यात में कमी आयी है। इसके साथ ही श्रमिकों द्वारा उठाई गई समस्याएं एवं उनकी मांगें भी प्रासंगिक, महत्वपूर्ण एवं विचारणीय हैं। ऐसी परिस्थिति में दोनों उद्योग और श्रमिक के बीच सामंजस्यपूर्ण एवं संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए निर्णय लिया जाना जरूरी है।

हालांकि, नोएडा और गाजियाबाद जैसे क्षेत्रों में सोमवार को हुए बवाल को देखते हुए सरकार ने एक 'बीच का रास्ता' निकाला है। हाई पावर कमेटी की सिफारिश पर अंतरिम वृद्धि का आदेश जारी किया गया है। इसके तहत नोएडा और गाजियाबाद के अकुशल श्रमिकों का वेतन बढ़ाकर ?13,690 कर दिया गया है। यह वृद्धि तब तक प्रभावी रहेगी जब तक कि नया वेज बोर्ड अपनी अंतिम रिपोर्ट नहीं दे देता।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़े शब्दों में कहा है कि आंदोलन की आड़ में तोड़फोड़ और आगजनी करने वाले 'बाहरी और अराजक तत्वों' को चिन्हित किया जा रहा है। उनके खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। साथ ही, उन्होंने नियोक्ताओं को भी चेतावनी दी कि वे ओवरटाइम भुगतान और महिला सुरक्षा जैसे नियमों में कोताही न बरतें।

फरीदाबाद नागरिक अस्पताल में व्यवस्था गड़बड़

बीपीएल मरीजों को नहीं मिल रहा सीटी स्कैन-एमआरआई

फरीदाबाद, एजेंसी। जिला नागरिक बादशाह खान अस्पताल में पब्लिक प्राइवेट

पार्टनरशिप नीति (पीपीपी) के तहत चल रहे सेंटर में ओपीडी में आने वाले बीपीएल कार्डधारक मरीजों को सीटी स्कैन व एमआरआइ की सुविधा नहीं मिल पा रही है। ऐसे में पात्र होने के बाद भी आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को निराश ही लौटना पड़ रहा है। या फिर निजी संस्थानों में टेस्ट कराने को मजबूर हैं। जबकि प्रदेश सरकार की ओरसे नागरिक अस्पताल में लगभग 10 वर्ष पहले पीपीपी के तहत सेंटर शुरू किया गया था,ताकि नागरिक अस्पताल में कम शुल्क पर आम मरीजों को यह सुविधा मिल सके और बीपीएल को निश्शुल्क मिले। हैरानी की बात है कि इस सुविधा का लाभ लेने को कई बिचौलिये भी सक्रिय हो गए और उन लोगों का टेस्ट कराने लगे, जो हकदार भी नहीं हैं। पहले अस्पताल प्रबंधन के सत्यापन के बाद ही बीपीएल कार्डधारक का टेस्ट हो पाता था। सत्यापन अब भी होगा, मगर डे केयर फाइल बनाई जाएगी। इस मामले में गड़बड़ीकी शिकायत के चलते ही अब स्वास्थ्य महानिदेशक डा. मनीष बंसल के आदेश पर ओपीडी के डाक्टर की सलाह पर बीपीएल कार्डधारक के टेस्ट नहीं हो रहे हैं। डीजी के आदेश अनुसार मरीज की डे केयर फाइल बनाई जानी अनिवार्य की गई है।

डॉक्टर सभी मरीजों की फाइल नहीं बना रहे हैं। बहुत से डॉक्टरों को डीजी के आदेश के बारे में पूरी जानकारी ही नहीं है। ऐसे में कई बीपीएल कार्डधारकों को टेस्ट की सुविधा नहीं मिल पा रही है और वी निराश लौट रहे हैं। डीजी के आदेश से पहले ओपीडी पंजीकरण कार्ड पर ही सीटी स्कैन व एमआरआइ कर दिया जाता था। गौछी गांव निवासी मनीषा बीपीएल कार्डधारक हैं। उनकी बेटी नेहा के पेट में दर्द है। उल्टी भी हो रही है। नागरिक अस्पताल में आने पर डाक्टर ने पेट का सीटी स्कैन करवाले की सलाह दी तो वह सेंटर में आ गए। मनीषा ने बताया कि सेंटर में उनकी बेटी का सीटी स्कैन नहीं हो पाया।

आरएसएस प्रमुख बोले- संकट में दुनिया को राह दिखाता है भारत, संतों का ज्ञान दे रहा दिशा

नागपुर, एजेंसी। नागपुर में आयोजित 'श्री मज्जिनेंद्र पंचकल्याणेश्वर प्रतिष्ठा महोत्सव' के दौरान भागवत ने कहा, भौतिकवाद और उपभोक्तावाद की आंधियों ने दुनिया की कई सभ्यताओं को कमजोर कर दिया, लेकिन भारत अपनी मूल पहचान के साथ मजबूती से खड़ा रहा। उनके अनुसार, यह स्थिरता भारत की आध्यात्मिक चेतना का परिणाम है। उन्होंने प्राचीन सभ्यताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ग्रीस, मिस्र और रोम जैसी सभ्यताएं इतिहास में विलीन हो गईं, जबकि भारत आज भी अपनी विशिष्ट पहचान के साथ मौजूद है। इसका कारण संतों और ऋषियों द्वारा दी गई ज्ञान परंपरा है, जो समाज को निरंतर दिशा देती रही है।

भागवत ने समाज में संतों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उनके विचारों को जीवन में अपनाने से सकारात्मक परिवर्तन संभव है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे इस आध्यात्मिक धरोहर को समझें और अपने आचरण में उतारें। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक भारत अपनी मूल भावना के साथ कायम रहेगा, तब तक विश्व में संतुलन और शांति बनी रहेगी। भागवत ने कहा, समाज को आकार देने में संतों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हिंदू समाज, हमारे राष्ट्र का समाज, धीरे-धीरे खुद को ढालने और रूपांतरित करने की अनूठी क्षमता रखता है। यह इसलिए है क्योंकि हमारे देश के संत, ऋषि और तपस्वी निरंतर हमारे समाज को आकार दे रहे हैं और तैयार कर रहे हैं। बाहरी दुनिया भौतिकवाद, संकीर्णतावाद और उपभोक्तावाद के तूफान से घिरी हुई है, ये वे शक्तियां हैं जिन्होंने अन्य समाजों के विघटन का कारण बनी हैं। फिर भी, हमारे लिए, वह लहर बस हम पर से गुजर जाती है। हम अपने मूल स्वरूप में अडिग और अपरिवर्तित रहते हैं। यह लचीलापन आध्यात्मिक ज्ञान का फल है। यह हमारे संतों द्वारा हम पर प्रदत्त कृपा है।

मोदी और ममता बनर्जी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं: ओवैसी

40 हजार मुसलमानों को दिए नोटिस- ओवैसी

कोलकाता, एजेंसी। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी को एक ही सिक्के के दो पहलू बताया। मुर्शिदाबाद जिले की रघुनाथगंज विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने यह आरोप लगाया। ओवैसी ने कहा, 'जब एक वीडियो सामने आया तो मैंने घोषणा की कि मजलिस बंगाल के मुसलमानों के हितों से समझौता बर्दाश्त नहीं करेगी। बताइए कि क्या ममता बनर्जी ने भाजपा का साथ नहीं दिया? पीएम मोदी और ममता एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। पीएम मोदी और ममता भाई-बहन जैसे हैं। ममता ने दावा किया था कि वे बंगाल में वक्फ एक्ट लागू नहीं करेंगी, लेकिन उन्होंने सिर्फ आपके वोट हासिल करने के लिए झूठ बोला।'

यह आरोप तब आया जब टीएमसी ने एक्स पर एक स्टिंग वीडियो पोस्ट किया, जिसमें छ्रक्क प्रमुख हुमायूं कबीर 1000 करोड़ रुपये के सौदे की बात करते दिख रहे हैं। एआईएमआईएम ने कहा कि इससे मुसलमानों की ईमानदारी पर सवाल उठे हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने पश्चिम बंगाल में मुसलमानों के साथ भेदभाव का आरोप लगाते हुए दावा किया कि समुदाय के साथ गंभीर अन्याय हुआ है। उन्होंने कहा, 'बंगाल के मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय पर गंभीर अन्याय किया गया है। लोग आपसे सेकुलरिज्म के साथ खड़े रहने को कहते हैं।' असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, 'क्या यह सच नहीं है कि जब पंडित जवाहरलाल नेहरू इस देश के प्रधानमंत्री थे, तब इसी बंगाल से लगभग 40,000 मुसलमानों को नोटिस दिए गए या उन्हें यहां से निर्वासित कर दिया गया था?' ओवैसी ने बीड़ी रोलने वाली महिलाओं के लिए न्यूनतम मजदूरी नीति लागू करने का वादा भी किया। उन्होंने कहा, 'बीड़ी रोलकर अपनी आजीविका चलाने वाली हमारी माताओं और बहनों के लिए न्यूनतम मजदूरी नीति लागू की जाएगी।' एआईएमआईएम चीफ ने कहा कि पिछले साल कलकत्ता हाईकोर्ट ने 5 लाख ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द कर दिए थे। उनमें से 3,50,000 प्रमाणपत्र मुस्लिम समुदाय के सदस्यों के थे। पश्चिम बंगाल में जो भी विकास हो रहा है, वह सिर्फ कोलकाता की ओर केंद्रित है।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच ईरान का 'मीम वार', ट्रंप को बताया फारस की खाड़ी का दुखी लुटेरा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने कूटनीतिक स्तर पर एक अलग ही रणनीति अपनाई है। ईरानी राजनयिक हैंडल्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को निशाने पर लेते हुए मीम और व्यंग्य से भरे पोस्ट साझा किए हैं, जो तेजी से वायरल हो रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका स्थित ईरान दूतावास ने एक खास पोस्ट में ट्रंप को म्यूजिकल स्टाइल वीडियो में दिखाया। इस वीडियो में ट्रंप जहाजों को नाकाबंदी से गुजरने देने की अपील करते नजर आते हैं। एक अन्य पोस्ट में ट्रंप को समुद्र के बीच फंसे 'पाइरेट' के रूप में दिखाया गया। इसके साथ लिखा गया- 'फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य के दुखी समुद्री लुटेरा', जो स्पष्ट तौर पर अमेरिकी नीतियों पर तंज के रूप में देखा जा रहा है। ईरान ने कहा पिक्चर अभी बाकी है

इसी क्रम में मुंबई स्थित ईरान के वाणिज्य दूतावास ने भी एक पोस्ट के

जरिए अपनी नौसैनिक ताकत का संकेत दिया। पोस्ट में लिखा गया ''फारस की खाड़ी की लाल मधुमक्खियां... तेज मिसाइल नौकाएं तैयार हो रही हैं... अब उन्हें पता चलेगा कि झुंड कितनी तेजी से घेर सकता है। अभी तो सिर्फ ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है।'' यह संदेश ईरान की समुद्री क्षमताओं और रणनीतिक तैयारियों को दर्शाने वाला माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह के मीम और व्यंग्यात्मक पोस्ट सिर्फ मजाक नहीं, बल्कि नैरेटिव वॉर का हिस्सा हैं, जहां सोशल मीडिया के जरिए मनोवैज्ञानिक और कूटनीतिक दबाव बनाया जा रहा है। इस बीच, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने के प्रयास भी जारी हैं। दोनों देशों के बीच रविवार को इस्लामाबाद में करीब 21 घंटे तक आमने-सामने बातचीत हुई, लेकिन यह बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई।

होर्मुज में कितनी अमेरिकी सेना?

ईरान में वर्चस्व की होड़ में ट्रंप, मोर्चे पर युद्धपोत से लेकर फाइटर जेट तक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान की नाकेबंदी के एलान के बाद होर्मुज जलडमरुमध्य को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों के आसपास नौसैनिक नाकाबंदी को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने फारस की खाड़ी में 15 से ज्यादा युद्धपोतों को तैनात किया है। इस अभियान के तहत अमेरिका ने अपने खास युद्धपोत यूएसएस त्रिपोली (स्र्ख़ 7) को अरब सागर में उतार दिया है। यूएसएस त्रिपोली पर एफ-35बी लाइटनिंग द्वद्व स्टील्थ लड़ाकू विमान और एमवी-22 ओस्प्रे जैसे बेहतरीन अमेरिकी जहाज मौजूद हैं। सेंटकॉम ने एक बयान में बताया, 'यूएसएस त्रिपोली

(स्र्ख़ 7) अरब सागर में गश्त करते हुए रात में उड़ान संचालन कर रहा है। त्रिपोली को पारंपरिक वेल डेक के बिना डिजाइन किया गया है, जिसकी वजह से इस पर ज्यादा एफ-35बी लाइटनिंग स्टील्थ लड़ाकू विमान, एमवी-22 ओस्प्रे, हेलीकॉप्टरों की तैनाती संभव है। सैन्य ऑपरेशन के दौरान जहाज पर 20 से ज्यादा एफ-35बी लड़ाकू विमानों की तैनाती हो सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को चेतावनी दी थी कि नाकाबंदी के पास आने वाले किसी भी ईरानी नौका को नष्ट कर दिया जाएगा। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि युद्ध के दौरान ईरान की नौसेना के अधिकांश हिस्से को पहले ही नष्ट कर दिया गया है।

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच उत्तर कोरिया ने किया खतरनाक मिसाइलों का परीक्षण

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने सप्ताहांत में अपने नए युद्धपोत से मिसाइल परीक्षणों का निरीक्षण किया। देश के सरकारी मीडिया के अनुसार किम ने नौसेना की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने का संकल्प लिया, जिसमें परमाणु-सक्षम हथियारों का उनका बढ़ता जखीरा भी शामिल है। उत्तर कोरिया के आधिकारिक अखबार रोडोंग सिनमुन ने बताया कि किम ने रविवार को अपने 5,000 टन के विध्वंसक जहाज 'चोए ह्योन' से दो सामरिक क्रूज मिसाइलों और तीन जहाज-रोधी मिसाइलों का प्रक्षेपण देखा। यह जहाज पहली बार अप्रैल 2025 में प्रदर्शित किया गया था। जहाज-रोधी मिसाइलों ने 30 मिनट से अधिक समय तक देश के पश्चिमी सागरों पर पूर्व-निर्धारित निशानों की ओर उड़ान भरी और अपने लक्ष्यों को सटीकता से भेदा। कोरियाई सेंट्रल न्यूज़ एजेंसी (केसीएनए) ने किम और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की तस्वीरें प्रकाशित कीं, जो एक समुद्र तट पर युद्धपोत से मिसाइलों को निकलते हुए देख रहे थे। किम ने पिछले महीने भी 'चोए ह्योन' से मिसाइल परीक्षणों का निरीक्षण किया था और अपनी नौसेना की परमाणु ताकत बढ़ाने में तेजी लाने का वादा किया था। रविवार के परीक्षणों के बाद उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन अपने परमाणु बलों के असीमित विस्तार पर केंद्रित रहेगा। उन्होंने कहा कि देश की परमाणु हमले और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमताओं को तेज करने के लिए नए फैसले लिए गए। रोडोंग सिनमुन ने यह भी बताया कि उन्होंने वर्तमान में निर्माणाधीन अपने तीसरे और चौथे विध्वंसक जहाजों के लिए हथियार प्रणालियों की योजनाओं की समीक्षा की। सरकारी मीडिया के अनुसार युद्धपोत को एंटी-एयर और एंटी-शिप हथियारों के साथ-साथ परमाणु-सक्षम बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों सहित विभिन्न प्रणालियों को ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है।

आपूर्ति में देरी: हथियारों के लिए अमेरिका से मुंह मोड़ने लगे खाड़ी देश

दुबई/रियाद, एजेंसी। खाड़ी देशों के आसमान में चमकती गगनचुंबी इमारतों के बीच हाल में बैलिस्टिक मिसाइलों और शाहेद ड्रोनों की गूंज ने रक्षा नीतियों को हिला दिया है। ईरान के साथ जारी तनाव के बीच सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कतर जैसे देश अब अपनी रक्षा जरूरतों के लिए केवल वाशिंगटन की ओर नहीं देख रहे। सैकड़ों अरब डॉलर खर्च करने के बाद भी अचूक सुरक्षा न मिलने और अमेरिकी हथियारों की आपूर्ति में देरी ने इन देशों को रक्षा खरीद के विविधीकरण के लिए मजबूर कर दिया है। पिछले पांच वर्षों में केवल सऊदी अरब ने रक्षा पर 28 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। 2019 में सऊदी तेल ठिकानों पर हुए हमलों के वक्त देश की रक्षा प्रणाली कमजोर दिखी थी, लेकिन हालिया संघर्षों में खाड़ी देशों ने लगभग 85% ईरानी ड्रोनों और मिसाइलों को मार गिराया। इस सफलता के बावजूद पेंटागन की लंबी प्रतीक्षा सूची और यूक्रेन युद्ध के कारण अमेरिका से पैट्रियट मिसाइलों की आपूर्ति में आ रही बाधाओं ने खाड़ी देशों की चिंता बढ़ा दी है। नतीजतन सऊदी अरब अब जापान से पैट्रियट मिसाइल

रक्षा प्रणालीं के घटकों और दक्षिण कोरियाई कंपनियों-हनवा और एलआईजी नेक्स1 से एम-एसएएम मध्यम दूरी की मिसाइल प्रणाली के लिए बातचीत कर रहा है। यूएई पहले ही इस दक्षिण कोरियाई प्रणाली को तैनात कर चुका है। वहीं, खाड़ी देश यूक्रेन से बैटल-टेस्टेड इंटरसेप्टर ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम हासिल करने के लिए समझौते कर रहे हैं। सऊदी अरब के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यूक्रेन के साथ समझौतों का हवाला देते हुए कहा, हम अमेरिकी प्रदाताओं के साथ निर्बाध रूप से काम कर रहे हैं, लेकिन हमारे अन्य देशों के साथ भी बेहतरीन संबंध हैं। यूएई के अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से भरोसा जताते हुए कहा कि उनके पास विविध, एकीकृत और बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली और रणनीतिक भंडार मौजूद है।

अब रक्षा बजट का बड़ा हिस्सा अमेरिका को नहीं देंगे: कार्नी

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने लिबरल पार्टी के सम्मेलन में कहा कि अब उनका देश अपने रक्षा बजट का बड़ा हिस्सा अमेरिका को नहीं देगा। उन्होंने कहा, वे दिन लद गए, जब कनाडा की सेना अपने हर डॉलर में से 70% हिस्सा अमेरिका भेजती थी। लंदन के पास आयोजित एक बैठक में ब्रिटिश रक्षा मंत्री ल्यूक पोलार्ड ने उद्योग जगत से 30, 60, या 90 दिनों में तत्काल रक्षा आपूर्ति का उद्देश्य रक्षा योजनाओं में संभावित देरी या कमियों को दूर करना तथा रॉयल नेवी की टाइप 26/31 जैसे कार्यक्रमों के लिए परिचालन तत्परता सुनिश्चित करना बताया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,